● वर्ष-3
● अंक-279
रायपुर, मंगलवार
02 जुलाई 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

पेज-6›› प्रबल शनि रेखा होने पर मिलता है ..श्रश्रश

राहुल का गैर जिम्मेदाराना बयान

अश्विनी वैष्णव बोले- हिंदुओं को हिंसक बताना, ये नेता विपक्ष को शोभा नहीं देता

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के पहले संबोधन को लेकर सिसायी बवाल शुरू हो गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि राहुल गांधी ने कई गैर जिम्मेदाराना बयान दिए। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को हिंसक बताना, ये नेता विपक्ष को शोभा नहीं देता। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि राहुल गांधी ने अग्निवीर मुद्दा, अयोध्या भूमि अधिग्रहण मुआवजे पर लोकसभा को गुमराह किया। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी ने हिंदुओं का घोर अपमान किया है ; पी चिदंबरम, सुशील शिंदे ने गृह मंत्री रहने के दौरान हिंदू आतंक शब्द का उल्लेख किया था।

राहुल पर हमला करते हुए वैष्णव ने दावा किया कि उन्होंने कहा कि अग्निवीर में शहीदों को कोई मुआवजा नहीं दिया जाता है... इससे बड़ा झूठ कोई नहीं हो सकता। आज रक्षामंत्री जी ने सदन में ही स्पष्ट रूप से कहा कि अग्निवीर में शहीदों को एक करोड़ रुपए का मुआवजा मिलता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा सेना पर सवाल उठाए हैं और देश को भ्रमित करने का काम किया है, ये पहली बार नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि संवैधानिक व्यवस्थाओं को कमजोर करना... कांग्रेस का ये हमेशा चरित्र रहा है। राहुल गांधी ने आज संवैधानिक पद का बहुत बड़ा अपमान किया है।

भाजपा नेता ने कहा कि अयोध्या में मुआवजे को लेकर राहुल गांधी ने गुमराह किया. राज्य सरकार ने मुआवजे को लेकर आंकड़े दिये हैं। उन्होंने कहा कि 4215 प्रभावित दुकानदारों को 1253 करोड़ रुपये दिये गये हैं। इसके अलावा जनसहयोग से स्थानांतरण भी किया गया है। उन्होंने कहा कि आज राहुल गांधी ने संपूर्ण हिंदू समाज को हिंसक बताया है, असत्यवादी बताया है... उन्होंने हिंदू समाज का घोर अपमान किया है। ये भी पहली बार नहीं है... ये कांग्रेस की पुरानी पद्धति है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी ने आज संपूर्ण हिंदू समाज को हिंसक कहा है। उन्होंने जो आज बोला है, वो कांग्रेस की फितरत बन चुकी है। वहीं किरेन रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी जब नेता विपक्ष हुए तो हम सोच रहे थे कि उनके आचरण में कुछ सकारात्मक बदलाव होगा, ऐसा हम उम्मीद कर रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं देखने को मिला। आज जब उन्होंने अपनी बात रखनी शुरू की तो गरिमाहीन बातें कर रहे थे। इससे हमें काफी पीड़ा हुई। राहुल गांधी ने संसद की गरिमा को गिरा दिया।

राहुल गांधी को सिख, इस्लाम और हिंदू धर्माचार्यों ने दी पढ़ने की नसीहत

राहुल गांधी के भाषण पर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा, हिंदू सभी में भगवान को देखते हैं, हिंदू अहिंसक और उदार हैं। हिंदू कहते हैं कि पूरा विश्व उनका परिवार है और उन्हें हमेशा सभी के कल्याण, खुशी और सम्मान के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। हिंदुओं को हिंसक कहना या यह कहना कि वे नफरत फैलाते हैं, सही नहीं है। ऐसी बातें कहकर आप पूरे समाज को बदनाम और अपमानित कर रहे हैं। हिंदू समाज बहुत उदार है और यह ऐसा समाज है जो सभी को शामिल करता है और सभी का सम्मान करता है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी बार-बार कहते हैं कि हिंदू हिंसक हैं और हिंदू नफरत पैदा करते हैं... मैं उनके इन शब्दों की निंदा करता हूं। उन्हें ये शब्द वापस लेने चाहिए। पूरा समाज आहत है और संत समाज में गुस्सा है... उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए।

इस्लाम में अभयमुद्रा का जिक्र नहीं

ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल के चेयरमैन सैयद नसरुद्दीन चिश्ती ने कहा, आज संसद में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा है कि इस्लाम में अभयमुद्रा भी है। इस्लाम में मूर्ति पूजा का कोई जिक्र नहीं है, न ही किसी तरह की मुद्रा है। मैं इसका खंडन करता हूं, इस्लाम में अभयमुद्रा का कोई जिक्र नहीं है। मेरा मानना है कि राहुल गांधी को अपना बयान सही करना चाहिए।

प्रतीकात्मक मुद्रा को इस्लाम से जोड़ना सही नहीं

दरगाह अजमेर शरीफ के गद्दी नशीन हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने कहा, हमने विपक्ष के नेता राहुल गांधी का बयान सुना है। उन्होंने अभयमुद्रा के प्रतीक को इस्लामी प्रार्थना या इस्लामी इबादत से जोड़ने की बात की है। हालांकि, इसका उल्लेख किसी भी पवित्र ग्रंथ या संतों की शिक्षाओं में नहीं है। किसी भी अन्य प्रतीकात्मक मुद्रा को इस्लाम के दर्शन और आस्था से जोड़ना सही बात नहीं है। मुझे लगता है कि राहुल गांधी को इस बात की समझ होनी चाहिए कि कौन से प्रतीक किस धर्म या आस्था से जुड़े हैं।

धर्म के बारे में पूरी जानकारी के बिना नहीं बोलना चाहिए

बिहार में गुरुद्वारा पटना साहिब के अध्यक्ष जगजोत सिंह ने कहा, आज का दिन बहुत दुखद है। जिस तरह से विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सदन के सामने धर्मों को लेकर तथ्य पेश किए, मेरे हिसाब से उन्हें सही जानकारी नहीं है। उन्होंने सदन में अधूरी जानकारी, गलत जानकारी पेश की। चाहे वह सिख धर्म हो, हिंदू धर्म हो या कोई और धर्म हो, जब तक किसी भी धर्म के बारे में पूरी जानकारी न हो नहीं बोलना चाहिए। पूरी जानकारी लेकर ही बोलना चाहिए। जगजोत सिंह ने कहा, यह बहुत अच्छी बात है कि उन्होंने हिंसा के बारे में बात की लेकिन उन्हें शायद 1984 में सिखों के साथ हुई हिंसा के बारे में पता नहीं है।

कल सदन में राहुल को जवाब देंगे मोदी

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी राहुल गांधी को जवाब देंगे। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये एक गंभीर मुद्दा है क्योंकि राहुल गांधी ने पूरे हिंदू समाज को हिंसक बाताया है। उधर गृहमंत्री अमित शाह और अन्य मंत्रियों ने भी कांग्रेस नेता से माफी मांगने को कहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर लिखा 'राहुल गांधी को अपने बयान के लिए तुरंत माफी मांगनी चाहिए। हिंदुओं के खिलाफ ऐसी नफरत रुकनी चाहिए।' जेपी नड्डा ने आगे लिखा है कि राहुल गांधी के बयान से स्पष्ट होता है कि उनमें मानवता नहीं बची है। केंद्रीय मंत्री के अनुसार राहुल गांधी भले ही पांचवीं बार सांसद बने हों लेकिन अब तक उन्हें संसदीय नियमों की जानकारी नहीं है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का कहना है कि अगर विपक्ष के नेता ने सदन में झूठ बोला है तो उन्हें सदन के नियमों का सामना करना पड़ेगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कल संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राहुल गांधी की टिप्पणियों का जवाब देंगे।

बम बम भोले के जयकारों के साथ 6619 तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था पवित्र गुफा की ओर रवाना

प्रदेश के सभी जिलों में प्रभारी सचिव नियुक्त

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन और विकास कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए प्रभारी सचिव नियुक्त किए गए हैं। राज्य शासन द्वारा राज्य के सभी 33 जिलों के लिए अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, संचालक, विशेष सचिव को जिले का प्रभार दिया गया है। संबंधित जिले के प्रभारी सचिव, जिले में संचालित योजनाओं और विकास कार्यों की सतत् मॉनिटरिंग करेंगे, ताकि विकास कार्यों को गति दी जा सके। प्रभारी सचिव अपने भ्रमण के संबंध में एक संक्षिप्त टीप प्रतिमाह मुख्य सचिव को प्रस्तुत करेंगे।

सामान्य प्रशासन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेणु जी पिल्ले को धमतरी जिला का प्रभारी सचिव नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू को दुर्ग, श्रीमती ऋचा शर्मा को बस्तर, मनोज कुमार पिंगुआ को बिलासपुर जिला, प्रमुख सचिव श्रीमती

निहारिका बारिक को रायपुर जिले का प्रभारी सचिव नियुक्त किया गया है।

प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा को जांजगीर चांपा, सचिव श्रीमती शहला निगार को महासमुंद, डॉ. कमलप्रीत सिंह को रायगढ़, परदेशी सिद्धार्थ कोमल को बलौदाबाजार-भाटापारा, अविनाश चंपावत को राजनांदगांव, प्रसन्ना आर. को कबीरधाम, अम्बलगन पी. को जशपुर, श्रीमती अलरमेलमंगई डी. को कोरबा, एस. प्रकाश को कोरिया, नीलम नामदेव एक्का को सारंगढ़-बिलाईगढ़, अंकित आनंद को बालोद, डॉ. सी. आर. प्रसन्ना को बेमेतरा, भुवनेश यादव को सूरजपुर, सचिव श्री एस. भारतीदासन को मुंगेली जिले का प्रभारी सचिव नियुक्त किया गया है।

सचिव सुश्री शम्मी आबिदी को कांकेर, हिमशिखर गुप्ता को गरियाबंद, मोहम्मद कैसर अब्दुलहक को गौरला-पेण्ड्रा-मरवाही, श्र्यशवंत कुमार को बलरामपुर-रामानुजगंज, नरेन्द्र दुग्गा को सुकमा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री भीम सिंह को कोण्डागांव, संचालक (कोष एवं लेखा) महादेव कावरे को खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, विशेष सचिव श्रीमती किरण कौशल को दंतेवाड़ा, संचालक सौरभ कुमार को सक्ती, संचालक श्री सुनील कुमार जैन को सरगुजा, विशेष सचिव श्री जयप्रकाश मौर्य को मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी, विशेष सचिव सारांश मित्तर को बीजापुर और विशेष सचिव राजेश सुकुमार टोप्पो को नारायणपुर, विशेष सचिव रमेश कुमार शर्मा को मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले का प्रभारी सचिव नियुक्त किया गया है।

प्रमुख समाचार

रिजर्व बैंक ने अर्नब को नया कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) नेअर्नब कुमार चौधरी को कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति बुधवार से प्रभाव में आएगी। चौधरी डीआईसीजीसी सहित तीन विभागों को देखेंगे। कार्यकारी निदेशक के रूप में पदोन्नत होने से पहले, चौधरी पर्यवेक्षण विभाग में मुख्य महाप्रबंधक-प्रभारी के रूप में कार्यरत थे। रिजर्व बैंक ने एक बयान में कहा कि कार्यकारी निदेशक के रूप में, वह जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी), विदेशी मुद्रा विभाग और अंतर्राष्ट्रीय विभाग को देखेंगे। चौधरी एक चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और उनके पास अर्थशास्त्र में मास्टर डिग्री है। वह आईआईबीएफ (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस) के प्रमाणित सहयोगी भी हैं। उन्हें भारतीय रिजर्व बैंक में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने वित्तीय संस्थाओं के पर्यवेक्षण के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम किया है। चौधरी ने कॉर्पोरेट रणनीति, बजट, लेखा और निर्गम विभाग के क्षेत्र में काम किया है। उन्होंने कई समितियों और कार्य समूहों के सदस्य के रूप में भी काम किया है और नीति निर्माण में योगदान दिया है।

णबिभव की याचिका को कोर्ट ने सुनवाई के योग्य माना

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के करीबी सहयोगी बिभव कुमार द्वारा स्वाति मालीवाल हमला मामले में उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका के जवाब में दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने याचिका को सुनवाई योग्य माना। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने आदेश सुनाया जो 31 मई को फैसले के लिए सुरक्षित रखा गया था। दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया गया है। दिल्ली पुलिस ने याचिका पर नोटिस जारी करने का विरोध किया था. शुरुआत में, दिल्ली पुलिस की ओर से पेश वरिष्ठ वकील संजय जैन ने याचिका पर प्रारंभिक आपत्तियां उठाईं। उन्होंने कहा कि याचिका सुनवाई योग्य नहीं है क्योंकि कुमार ने अपनी याचिका में यह खुलासा नहीं किया कि उन्होंने सीआरपीसी की धारा 41ए का अनुपालन न करने के मुद्दे पर ट्रायल कोर्ट के समक्ष एक आवेदन दायर किया था जिसे खारिज कर दिया गया था। कुमार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन ने कहा था कि याचिका में मुख्य प्रार्थना गिरफ्तारी को अवैध घोषित करने की है.

राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर पार्टी के फैसले का पालन करूंगा

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने सोमवार को कहा कि राज्य में अगर नेतृत्व परिवर्तन पर पार्टी आलाकमान कोई फैसला लेता है, तो वह उसका पालन करेंगे। मुख्यमंत्री का यह बयान पार्टी के भीतर जारी खींचतान के बीच आया है। वोक्कालिगा समुदाय के एक प्रतिष्ठित महंत ने पिछले सप्ताह सार्वजनिक रूप से सिद्धरमैया से पद छोड़ने का आग्रह किया था, ताकि उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार के लिए मार्ग प्रशस्त हो सके। विश्व वोक्कालिगारा महासंस्थान मठ के महंत चंद्रशेखरनाथ स्वामीजी की अपील के बारे में संवाददाताओं द्वारा पूछे गए सवाल पर सिद्धरमैया ने कहा, ''यह सार्वजनिक चर्चा का विषय नहीं है। आलाकमान जो भी फैसला करेगा, हम उसका पालन करेंगे।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं स्वामीजी के बयान पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। हम राष्ट्रीय पार्टी हैं। एक आलाकमान है।'' इस बीच, शिवकुमार ने नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि वे नेतृत्व परिवर्तन और उप मुख्यमंत्री के कई पद सृजित करने के संबंध में बयान न दें। उन्होंने कहा, ''अगर कोई सीमा लांघता है, तो पार्टी कार्रवाई करेगी।''

अब मॉस्को में बनेगा हिंदू मंदिर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने रूस के दौरे पर रहने वाले है। ये उनके तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद पहला रूस दौरा होने वाला है। इस दौरे को लेकर भारत और रूस दोनों ही देशों में उत्साह बना हुआ है। इस बीच एक और मांग तेज होने लगी है। रूस में हिंदू मंदिर निर्माण की मांग ने जोर पकड़ लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस दौरे से पहले ये मांग उठने लगी है। रूस में रहने वाले भारतीय समुदाय ने आठ जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले मॉस्को में हिंदू मंदिर के निर्माण की मांग की है। इस दिन ही यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। बता दें कि मॉस्को में हिंदू मंदिर निर्माण की मांग इंडियन बिजनेस अलायंस और इंडियन नेशनल कल्चरल सेंटर की ओर से की गई है। इंडियन बिजनेस अलायंस और इंडियन नेशनल कल्चरण सेंटर ने संयुक्त रुप से कहा कि मॉस्को में रूस का पहला हिंदू मंदिर निर्मित होना चाहिए। भारतीय प्रवासियों के लिए आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के तौर पर ये मंदिर बनाया जाना चाहिए। मॉस्को में जब पहला हिंदू मंदिर बनकर तैयार होगा तो ये भारतीयों के लिए एकता और आकर्षण का केंद्र बनकर उभरेगा। इसके साथ ही ये मंदिर रूस और भारत के बीच मजबूत संबंधों को भी दर्शाएगा।

नए आपराधिक कानून लचीलेपन के प्रतीक हैं

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कहा कि नए आपराधिक कानून भारत की प्रगति और लचीलेपन के प्रतीक हैं जो देश को अधिक न्यायपूर्ण और सुरक्षित भविष्य के लिए तैयार करते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने एक संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल पर कहा कि 1860 और 1872 में लाए गए क्रमश- भारतीय दंड संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम पुराने हो चुके थे और समकालीन मुद्दों से निपटने के लिए अपर्याप्त थे। उन्होंने कहा, ''आज हमारे आजाद देश भारत के इतिहास में एक ऐतिहासिक दिन है। एक विकसित होते समाज को ऐसे कानूनों की आवश्यकता है जो उसकी जरूरतों तथा मांगों को पूरा करे, उसके अधिकारों की रक्षा करे।'' देश में सोमवार को तीन नए आपराधिक कानून लागू हो गए, जिससे भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में दूरगामी बदलाव आएंगे। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) में कुछ मौजूदा सामाजिक वास्तविकताओं और आधुनिक दौर के अपराधों को ध्यान में रखा गया है।

पहले ही दिन राहुल के भाषण पर बवाल, टीम इंडिया को संसद ने दी बधाई

संसद सत्र की शुरुआत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरल द्वारा टीम इंडिया को टी20 विश्व कप जीतने पर बधाई देने के साथ हुई। राज्यसभा में भी टीम इंडिया को बधाई दी गै। लोकसभा में भाजपा सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस की शुरुआत की, हालांकि, एनईईटी मुद्दे पर विपक्षी सदस्य लोकसभा से बहिर्गमन कर गए। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण में कोई दृष्टि या दिशा नहीं थी। राहुल गांधी ने लोकसभा को भी संबोधित किया, जिस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित सत्ता पक्ष की ओर से प्रतिक्रियाएं आईं। अग्निपथ मुद्दे को लेकर आज विपक्ष और सरकार के बीच वार-पलटवार देखने को मिला।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि खुद को हिंदू कहने वाले हर समय 'हिंसा और नफरत फैलाने' में लगे हैं, जिस पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने जोरदार तरीके से विरोध जताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पूरे हिंदू समाज को हिंसक कहना बहुत गंभीर बात है। हालांकि राहुल गांधी ने प्रतिक्रिया में कहा कि वह भाजपा की बात कर रहे हैं और भाजपा, नरेन्द्र मोदी जी या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पूरा हिंदू समाज नहीं है। अमित शाह ने राहुल से मांफी की मांग की।

राहुल गांधी ने अग्निपथ मुद्दे पर सरकार की आलोचना की और कहा कि अग्निवीर सरकार के लिए %इस्तेमाल करो और फेंक दो% श्रम है। इसके बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने टोकते हुए अपना बयान दिया। राजनाथ ने कहा कि राहुल गांधी को गलत बयान देकर सदन को गुमराह करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। लोकसभा में नीट का मामला उठाते हुए विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी ने सोमवार को मेडिकल प्रवेश परीक्षा को पेशेवर परीक्षा के बजाय व्यावसायिक परीक्षा बताया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को कहा कि कई सदस्य सदन से बाहर जाकर आरोप लगाते हैं कि अध्यक्ष या आसन पर बैठे सभापति उनका माइक बंद कर देते हैं जबकि आसन के पास माइक का कोई नियंत्रण नहीं होता और सभी सभापति इसी तरह सदन चलाते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को द्रमुक सदस्य दयानिधि मारन से नाराजगी जताते हुए कहा कि उनकी अन्य सदस्यों के भाषण के दौरान बैठे बैठे टिप्पणी करने की आदत बन गई है। अध्यक्ष का यह बयान उस समय आया, जब भाजपा नेता अनुराग ठाकुर राष्ट्रपति अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत कर रहे थे।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज दावा किया कि अध्यक्ष ओम बिरला जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिले तो झुककर अभिवादन किया, लेकिन उनसे सीधे खड़े

होकर हाथ मिलाया, इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि वह संस्कारों और संस्कृति का पालन करते हैं।

राज्ससभा की कार्यवाही

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रपति के अभिभाषण को 'घोर निराशाजनक' और केवल 'सरकार की तारीफों के पुल बांधने वाला' करार देते हुए सोमवार को कहा कि इसमें न तो कोई दिशा है और ना ही कोई दृष्टि है। उच्च सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर सोमवार को चर्चा में हिस्सा लेते हुए खरगे ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) परीक्षा की जांच उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच, जाति आधारित जनगणना कराने और अग्निवीर योजना को रद्द करने की मांग की। खड़गे ने कहा कि अग्निवीर जैसी अनियोजित और तुगलकी योजना लाकर युवाओं का मनोबल तोड़ा गया है...मेरी मांग है कि अग्निवीर योजना को खत्म किया जाए।

राज्यसभा में एअर इंडिया के कनिष्क विमान से संबंधित आतंकी हमले की बरसी का जिक्र करते हुए इसमें मारे गए लोगों को सोमवार को श्रद्धांजलि दी गई तथा आतंकवाद से कठोरता से निपटने का संकल्प जताया गया। राज्यसभा में सोमवार को तृणमूल कांग्रेस ने सरकार पर वास्तविकता छिपाने का आरोप लगाया और दावा किया कि विपक्ष शासित राज्यों को कड़ी ''नाकेबंदी'' का सामना करना पड़ रहा है। तृणमूल कांग्रेस के जवाहर सरकार ने कहा कि विश्व बैंक के सरकारी दक्षता सूचकांक में भारत का स्थान 66 है और यह चिंताजनक है जबकि सरकार अपनी छवि चमकाने के लिए विज्ञापनों के जरिये लुभावनी तस्वीर दिखा रही है।

प्रफुल्ल पटेल टोकते हुए बोल उठे

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। राज्यसभा में एनसीपी (अजित पवार गुट) सांसद प्रफुल्ल पटेल ने आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह पर जमकर निशाना साधा। पटेल ने कहा कि संजय भैया, आप आज यहां बैठकर कांग्रेस और हमें बदनाम कर रहे हैं। इस पर स्पीकर जगदीप धनकड़ ने प्रफुल्ल पटेल को रोका और कहा कि ये बात रिकॉर्ड में नहीं जाएगी। स्पीकर के रोकने के बावजूद प्रफुल्ल पटेल बोलते रहे। प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि उन्होंने (संजय सिंह) नाम लेकर हमारी पार्टी और हमारे नेता की आलोचना की, इसलिए उन्हें जवाब देना होगा।

बीएसपी में 15 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट की रखी गई आधारशिला

भिलाई। टिकाऊ ऊर्जा समाधानों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, एनएसपीसीएल (एनटीपीसी-सेल पावर कंपनी लिमिटेड) ने भिलाई स्टील प्लांट में 15 मेगावाट के फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट की स्थापना के लिए आधारशिला रखी। रविवार को हुए इस आयोजन में एनएसपीसीएल के चेयरमैन रविंद्र कुमार और सेल-बीएसपी निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता मुख्य रूप से शामिल हुए। इनके साथ निदेशक, एनएसपीसीएल सी. शिवकुमार और आरईडी (डब्ल्यूआर-ढुढ्ढ), एनटीपीसी लिमिटेड,दिवाकर कौशिक, सीईओ-एनएसपीसीएल और एनटीपीसी लिमिटेड और सेल के प्रतिष्ठित बोर्ड सदस्य व अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

यह पहल एनएसपीसीएल की नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आधारशिला समारोह के दौरान एनएसपीसीएल के चेयरमैन रविंद्र कुमार ने परियोजना के महत्व पर जोर देते हुए कहा, 15 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट न केवल एनएसपीसीएल के लिए एक मील का पत्थर है बल्कि हमारे सतत विकास के प्रति समर्पण का प्रमाण है। हम भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमताओं को बढ़ाने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने अपने उद्बोधन में भारत के महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों का समर्थन करने और स्वच्छ, हरित भविष्य में एनएसपीसीएल की भूमिका को रेखांकित किया।

सेल-बीएसपी के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने कहा, यह 15 मेगावाट प्लांट पूरे भारत में सभी सेल प्लांट्स में एक प्रमुख परियोजना होगी, जो नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की ओर मार्गदर्शन करेगा। सेल ऊर्जा संरक्षण के लिए समर्पित है और वैश्विक वार्मिंग से लडने की अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित कर रहा है। भिलाई स्टील प्लांट के मरोदा टैंक में यह तैरते हुए सोलर पैनल ऊर्जा उत्पादन की दिशा में अत्याधुनिक परियोजना साबित होंगे, जो औद्योगिक अनुप्रयोगों में नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता को प्रदर्शित करेंगे। पारंपरिक भूमि आधारित सौर प्रतिष्ठानों की तुलना में पानी में तैरते सोलर पावर प्लांट कई लाभ प्रदान करते हैं। ये प्रणालियाँ भूमि उपयोग को काफी कम करती हैं, जिससे वे उन क्षेत्रों के लिए आदर्श बनती हैं जहाँ भूमि की उपलब्धता एक बाधा होती है।

इसके अतिरिक्त, ये जल निकायों से वाष्पीकरण की दर को कम करके पानी को संरक्षित करने में मदद करती हैं और जल के प्राकृतिक शीतलन प्रभाव के कारण सोलर पैनलों की दक्षता को बढ़ाती हैं। भिलाई स्टील प्लांट के लिए जल वाष्पीकरण में बचत के कारण अनुमानित मौद्रिक बचत करोड़ों में होगी। यह 15 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर प्लांट लगभग एक वर्ष में स्थापित होने की उम्मीद है। यह पर्याप्त विद्युत उत्पादन भिलाई स्टील प्लांट की ऊर्जा आवश्यकताओं के एक महत्वपूर्ण हिस्से को पूरा करेगा, जिससे एक स्थिर और पर्यावरण अनुकूल बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इसके अलावा, यह पहल स्टील प्लांट के कार्बन फुटप्रिंट को काफी हद तक कम करने में योगदान देगी, जो ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के वैश्विक और राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप है। महत्वपूर्ण रूप से, इस परियोजना को सेल की नवीकरणीय ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है और यह छत्तीसगढ़ में अपनी तरह की पहली परियोजना है, जो राज्य में भविष्य की ग्रीन एनर्जी परियोजनाओं के लिए एक मिसाल कायम करेगी।

एनटीपीसी लिमिटेड, एनएसपीसीएल की मातृ कंपनी, विभिन्न स्थानों पर फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट स्थापित करने और सफलतापूर्वक संचालित करने में व्यापक अनुभव रखती है। इनमें से सबसे बड़ी रामागुंडम में 100 मेगावाट की क्षमता वाली है। एनएसपीसीएल (एनटीपीसी-सेल पावर कंपनी लिमिटेड) राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड का एक संयुक्त उद्यम है जो भारत भर में सेल के विभिन्न स्टील प्लांट्स की कैप्टिव पावर आवश्यकता को पूरा करने के लिए बिजली उत्पादन में लगा हुआ है। एनएसपीसीएल एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और उद्योग के लागू नियमों और वैधानिक आवश्यकताओं का पालन करता है।

इसके अलावा, इसके पास एक सुरक्षा नीति है और जहां भी आवश्यक हो, सुधारात्मक उपाय करने के लिए लगातार सुरक्षा ऑडिट किए जा रहे हैं। एनएसपीसीएल नए और नवोन्मेषी समाधानों की खोज करके नवीकरणीय ऊर्जा में अपनी नेतृत्व क्षमता को जारी रखने का लक्ष्य रखता है। भिलाई स्टील प्लांट में फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट की सफलता एनएसपीसीएल की उच्च-प्रभाव वाली नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को वितरित करने की क्षमता और सतत विकास के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। एनएसपीसीएल द्वारा भिलाई स्टील प्लांट में 15 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट कंपनी की सतत भविष्य की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

यह परियोजना न केवल औद्योगिक संचालन के लिए एक हरित विद्युत समाधान प्रदान करती है बल्कि एनएसपीसीएल के नवीकरणीय ऊर्जा पदचिह्न को बढ़ाने के रणनीतिक दृष्टिकोण को भी मजबूत करती है। जैसे-जैसे भारत एक हरित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, एनएसपीसीएल की पहले राष्ट्र के लिए एक सतत और ऊर्जा-सुरक्षित भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इस अवसर पर एनएसपीसीएल कॉर्पोरेट सेंटर, सेल बीएसपी, एनटीपीसी रायपुर के वरिष्ठ अधिकारी, सभी विभागों के एचओडी, एग्जीक्यूटिव एसोसिएशन के प्रतिनिधि, पावर यूनियन के प्रतिनिधि, विभिन्न क्लबों के प्रतिनिधि, कर्मचारी और अन्य आमंत्रित अतिथि उपस्थित थे।

नारायणपुर में नक्सलियों ने 30 साल के युवक की हत्या की

नारायणपुर। जिले के ओरछा थाना अंतर्गत नक्सलियों ने एक युवक की हत्या कर दी और शव सड़क पर फेंक दिया। नक्सलियों ने शव के पास पर्चे भी फेंके हैं जिनमें युवक को परसबेड़ा कोड़तामरका कुतुल मुठभेड़ का जिम्मेदार बताया है।

मारे गए युवक का नाम सन्नू उसेंडी है। 30 साल का सन्नू उसेंडी कोहकमेटा थाना क्षेत्र के नेलंगुर गांव का रहने वाला है। जो वर्तमान में वर्तमान में बांस शिल्प कॉलोनी नारायणपुर में रहता था। बीते दिनों अपने गांव नेलंगुर गया हुआ था। नक्सलियों को जब उसके गांव आने की सूचना मिली तो माओवादियों ने सन्नू उसेंडी को गांव से उठा लिया। इसके बाद रविवार 30 जून को उसकी हत्या करने के बाद ओरछा के बटुमपारा चौक में फेंककर चले गए। शव के पास नक्सलियों ने पर्चे पेंके। पर्चों में नक्सलियों ने युवक को मुखबिरी का आरोप लगाते हुए मौत की सजा देने की बात लिखी।

इस घटना के बाद नारायणपुर पुलिस के जवान घटना स्थल पर पहुंचे। शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल रवाना किया गया। इलाके में सर्चिंग अभियान जारी रखने की बात कही। 14 जून को नारायणपुर, कांकेर, दंतेवाड़ा और कोंडागांव से फोर्स की टीम ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया। इसमें स्थानीय पुलिस टीम के साथ डीआरजी, एसटीएफ, आईटीबीपी, बीएसएफ और एसटीएफ शामिल रहे। सभी जवान कुतुल, फरसेबेड़ा और कोड़तामेटा के जंगलों में पहुंचे। जब सुरक्षाबल के जवान घेराबंदी कर रहे थे तभी नक्सलियों की ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। यह फायरिंग काफी देर तक रुक रुक कर चलती रही। 15 जून को भीषण मुठभेड़ हुई। एनकाउंटर के बाद इलाके से 8 नक्सलियों के शव बरामद किए गए। इसके साथ ही एक इंसास राइफल, एक 1303 राइफल, एक बैरल ग्रेनेड लांचर (बीजीएल) और अन्य हथियार भी जब्त किए गए थे। इस ऑपरेशन में एसटीएफ का एक जवान भी शहीद हुआ। 2 जवान घायल हुए। इसी मुठभेड़ में पुलिस मुखबिर का आरोप लगाकर माओवादियों ने युवक की हत्या की।

कोरबा बना दरिया, तीन दिन से झमाझम बारिश

सड़कों पर पानी ही पानी, खुली पोल, लोग परेशान

कोरबा। घर के अंदर भी पानी, घर के बाहर भी पानी. जहां देखों वहां पानी ही पानी। ये हाल है कोरबा नगर निगम क्षेत्र का। जहां शारदा विहार वार्ड 12 चिमनी भट्टा में लोगों के घर के अंदर पानी घुस गया। इस पानी ने निगम के सारे दावों की पोल खोल दी। पहली ही बारिश ने दून के पुराने जख्म को फिर कुरेद दिया। हर साल की तरह वार्ड न.12 चिमनी भट्टा फिर जलमग्न हो गया। एक बार फिर नगर निगम के बड़े-बड़े दावे धराशायी हो गए। नालियों में भरा कचरा और सीवर की गंदगी लोगों के घरों तक पहुंच गई। घरों में बारिश का पानी घुसने से लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी।

लोगों ने बताया कि सालों पुरानी इस समस्या का समाधान न कोई सरकार निकाल पाई और न ही नगर निगम। सोमवार रात को हुई बारिश में यह बात एक बार फिर साबित हुई। दर्जनों घरों में बरसाती पानी घरों में घुसा। पहले ही बारिश में जिस तरह से जलभराव हुआ जिसके चलते रात भर जगना पड़ा।

यहीं हाल बालकों नगर के अन्दर स्थित सेक्टर 5 शॉपिंग कांप्लेक्स का है, जहां पर विनोद रिचार्ज सेंटर दुकान है। जिसके समीप सेक्टर 5 कॉलोनी स्थित है। बालको कॉलोनी और नेहरू नगर बस्ती से आने वाली मुख्य नाली है। उस नाली के ऊपर दुकान का निर्माण किया गया है। इस नाली के ऊपर हो जाने के कारण नाली बार-बार जाम हो रही है। नगर निगम द्वारा सफाई करने के बावजूद बारिश के मौसम में नाली जाम हो जाता है। जिसका मुख्य कारण नाली के मोड में त्रिभुवन प्रसाद राठौर द्वारा दुकान का निर्माण किया गया है।

मुड़ापार रिंग रोड पर मारुति शो रूम की वर्कशाप के यार्ड में पानी में भी जल भराव देखने को मिला जिससे यार्ड में रखे सभी सोल्ड गाड़ियों को कर्मचारियों में बाहर निकाला। जहां यार्ड तालाब में तब्दील नजर आया। इसकी सूचना नगर निगम को दी गई।

महादेव सट्टा एप: दुर्ग पुलिस ने हैदराबाद में मारी रेड, सात को दबोचा

■ एक आरोपी छत से कूदा

दुर्ग। एंट्री साइबर क्राइम यूनिट की टीम ने हैदराबाद में दबिश देकर ऑनलाइन महादेव सट्टा एप का पैनल चलाने वाले सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए सभी आरोपी भिलाई के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से लैपटाप, मोबाइल समेत लाखों का लेखा-जेखा बरामद किया है।

एंट्री साइबर क्राइम यूनिट एएसपी ऋचा मिश्रा ने बताया कि भिलाई के कुछ युवक ऑनलाइन महादेव सट्टा एप का पैनल हैदराबाद के तेलंगाना में चला रहे थे। सूचना मिलने के बाद एक टीम गठित कर टीम को रवाना किया गया। जहां एक मकान में छापामार कार्यवाही की। जहां पैनल संचालित करते एक नाबालिग समेत छह युवकों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपियों के पास से लैपटाप, मोबाइल फोन, सट्टे का लेखा-जेखा, बैंक खाते, एटीएम और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस मामले का जल्द खुलासा करेगी। दुर्ग क्राइम ब्रांच की टीम तेलंगाना के गच्चीबाउली पहुंची। जहां एक मकान में ऑनलाइन महादेव सट्टा एप का पैनल संचालित किया जा रहा था। जहां भिलाई के कैंप निवासी सुजीत साव के द्वारा पैनल चल रहा था और कार्यवाही के दौरान एक आरोपी तीसरे माले से छलांग लगा दी।

पुलिस ने जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उसकी इलाज जारी है। वहीं अन्य आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर दुर्ग लगाया गया। पकड़े गए आरोपियों में बी चंदू निवासी कैंप एक वृंदा नगर 18 नंबर रोड, अभिषेक वर्मा निवासी कुरुद ढांचा भवन जामुल भिलाई, हिमांशु चौहान निवासी कैंप 1 प्रगति नगर छावनी भिलाई, उदय निवासी कैंप 1, उमा पब्लिक स्कूल के पास थाना वैशाली नगर भिलाई, सुजीत साव निवासी कैंप 1 भिलाई समेत एक नाबालिग शामिल है।

लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए 88 ग्राम पंचायतों में विशेष शिविरों का होगा आयोजन

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार जिले में 88 चिन्हांकित ग्राम पंचायतों, तहसील, उप तहसील एवं एसडीएम कार्यालयों में लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में राजस्व विभाग के समस्त अधिकारी उपस्थित रहेंगे। इसके लिए विशेष शिविरों का आयोजन होगा। राजस्व पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत 1 जुलाई से 15 जुलाई तक उक्त शिविरों का आयोजन होगा। इन शिविरों में लंबित प्रकरणों में नामांतरण, सीमांकन, बंटाकन, फौती, खाता, रिकॉर्ड दुरुस्तीकरण, ऑनलाइन रिकॉर्ड दुरुस्तीकरण,नजूल भूमि का नवीनीकरण, डायवर्सन, भू-भाटक राजस्व, राजस्व संग्रह, वसूली के लंबित मामले एवं राजस्व विभाग से सम्बंधित अन्य मामलों का निराकरण समय सीमा के भीतर करने के निर्देश कलेक्टर श्री दीपक सोनी ने सभी राजस्व अधिकारियों को दिए है। शिविरों की व्यवस्था हेतु कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों से शिविरों को सफल बनाने के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री दीपक सोनी ने जिले के सभी किसानों एवं आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा है की वह अधिक से अधिक इन शिविरों का लाभ लेकर शिविरों को अवश्य रूप से सफल बनाये। शिविरों में लंबित आवेदन के साथ नए आवेदन भी स्वीकार किए जाऐंगे। जिले के 88 ग्राम पंचायतों में शिविरों का आयोजन होगा। इनमें 1 जुलाई को करमदा, नयापारा, जारा, तरेंगा, दामाखेड़ा, जांगड़ा, अर्जुनी (ब), बलौदा, सोनाखान, 2 जुलाई को झोंका, परसाडीह, दतान-प, कड़ार, करहुल, जरौद बड़े, पिपरछेड़ी, नरधा, नवागांव, 3 जुलाई को रसेड़ा, चंगोरी, देवसुंदरा, दतरेंगी, संजारीनवागांव, फरहदा, गिरौद, बार, 4 जुलाई को मुडियाडीह, करदा, कुसमी, सुरखी, रोहरा, आमाकोनी, बोरसी, अमोदी, कोसमसरा (ब), 5 जुलाई को परसाभदेर, पैजनी, अमेरा,खोखली, दरचुरा, नवापारा, कोसमसरा(क), मटिया, डुमरपाली, 8 जुलाई को बलौदाबाजार, डमरू, वटगन, खम्हरिया, बनसांकरा, सुहेला, गिधौरी, चांदन, 9 जुलाई को अर्जुनी, सुढ़ेली, गिधुपरी, गुड़ेलिया, कचलोन, खपराडीह, देवरीकला, कुम्हारी, सोनपुर, 10 जुलाई को चांपा, डोंगरा, दतरेंगी, खैरी, औरेठी, रावन, छरछेद, बिलारी(ज), 11 जुलाई को रिसदा, परसापाली, रोहांसी, निपनिया, कामता, नेवारी, झबड़ी, 12 जुलाई को सकरी, चितावर, दतान-ख, कोदवा, केसदा, बुडगहन, कटगी शिविर का आयोजन किया जायेगा।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

खिलाड़ियों में खेल भावना होना सर्वोपरि : किरण देव

जगदलपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग एवं छत्तीसगढ़ शतरंज संघ के द्वारा इंदिरा प्रियदर्शनी स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय संभागस्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक किरण देव शामिल होकर खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण कर उत्साह बढ़ाया। शतरंज के प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विधायक देव ने कहा कि संभाग स्तरीय शंतरज प्रतियोगिता में पूरे बस्तर संभाग से लगभग 400 खिलाड़ियों ने अपना प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शंतरज प्रतियोगिता में चार वर्गों में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें संभाग भर से आये खिलाड़ियों ने अपने सर्वश्रेष्ठ खेल का प्रदर्शन किया, जिसमें विजयी सभी प्रतियोगियों को बधाई एवं शुभकामनाएं और साथ ही उपविजेता एवं समस्त खिलाड़ियों को निराश होने की आवश्यकता नहीं है। प्रयास करते रहे सफलता अवश्य प्राप्त होगी। सभी खिलाड़ियों ने खेल भावना के साथ अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

बलौदाबाजार-भाटापारा कलेक्टर ने आदेश जारी कर अपराधी को किया जिला बदर

बलौदाबाजार-भाटापारा। बलौदाबाजार जिले में वर्तमान कानून व्यवस्था को देखते हुए कलेक्टर दीपक सोनी ने पुलिस प्रशासन से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर अपराधी को जिला बदर के आदेश जारी किया गया है।

जिसके तहत शक्ति वार्ड भाटापारा थाना भाटापारा शहर निवासी सतीश डागोर पिता मन्नूलाल डागोर को जिला बदर किया गया है। उक्त कार्रवाई छत्तीसगढ़ सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3, 5 ख के तहत किया गया है। जिसमें 1 वर्ष की कालावधि के लिए बलौदाबाजार-भाटापारा एवं उसके सीमावर्ती जिले बिलासपुर, रायपुर, रायगढ़, महासमुंद, मुंगेली, जांजगीर-चांपा, बेमेतरा, सक्ती, दुर्ग एवं सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिलों की सीमाओं से आदेश पारित होने 24 घंटे के भीतर हटने एवं बाहर चले जाने के आदेश दिए है।

उड़ीसा राज्य निर्मित 24.4 लीटर शराब जप्त

महासमुंद। आबकारी राजस्व सुरक्षा तथा आबकारी अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु कलेक्टर श्री प्रभात मलिक के निर्देशन में आबकारी विभाग महासमुंद द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई जारी है। इसी तारतम्य में शनिवार को मुखबीर सूचना के आधार पर आबकारी टीम बागबाहरा द्वारा भुसडी घाट, साल्हेभाठा पहुँच कर छापामार कार्रवाई करते हुए होमेश डडसेना निवासी ग्राम परकोट थाना जोंक के आधिपत्य से एक प्लास्टिक बोरी में जेब्रा छाप के 51 पाउच और हिरन छाप के 71 पाउच कुल 122 पाउच कुल 24.40 लीटर उड़ीसा राज्य निर्मित महुआ शराब, कीमत 4880 रुपए बरामद कर जप्त किया गया तथा आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)क, 34 (2), 36, 59 (क) के तहत गैर जमानतीय प्रकरण कायम कर आरोपी को जेल दाखिल कराया गया। उपरोक्त कार्रवाई सहायक जिला आबकारी अधिकारी दीपक कुमार ठाकुर, आबकारी उप निरीक्षक शिव शंकर नेताम तथा आबकारी उप निरीक्षक वृत्त बागबाहरा विकास बढेंद्र के नेतृत्व में की गयी।

जलियावाला बाग कांड पार्ट 2 भिलाई के इतिहास का काला दिन

भिलाई। भिलाई पावर हाउस स्टेशन में छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा ने दिवंगत मजदूर साथियों को श्रद्धांजलि दी। ये वो मजदूर हैं, जिन्होंने एक जुलाई के दिन आंदोलन करते हुए अपनी जान गंवाई थी। इन मजदूरों की याद में हर साल छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा भिलाई पावर हाउस स्टेशन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करती है। आपको बता दें कि मजदूर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे,लेकिन उन्हें मांगें पूरी होने के आश्वासन के बदले मौत मिल गई। घटना आज से 32 साल पहले की है। जब 1992 में मजदूर यूनियन ने बड़ा आंदोलन किया था। उस वक्त दुर्ग और भिलाई एक साथ था। भिलाई रेलवे स्टेशन में छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता अपनी मांगों के लेकर डटे थे।सभी भिलाई पावर हाउस के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर धरना प्रदर्शन कर रहे थे।इस दौरान जब मांगें नहीं मानी गई तो हजारों की संख्या में मजदूरों ने रेलवे ट्रैक में बैठकर प्रदर्शन करना शुरु किया। जिसके कारण कई गाड़ियां प्रभावित हुई।

भिलाई स्टील प्लांट में शव मिलने से हड़कंप

दुर्ग भिलाई। एशिया के सबसे बड़ा भिलाई स्टील प्लांट में शव मिलने से हड़कंप मच गया। शव मिलने की सूचना पुलिस को दी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। मृतक का शव इलेक्ट्रिक केबल के बीच में फंसी हुई मिली है पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है। प्लांट के ब्लास्ट फर्नेस 6 में सब स्टेशन 15 एफ के पैनल में आज सुबह काम करने गए कर्मचारियों ने केबल के बीच में शव को देखा जिसके बाद इसकी सूचना प्लांट के अधिकारी और भिलाई भट्टी थाने को दी गई पुलिस के द्वारा सब स्टेशन में कार्यरत ठेकेदार ने बता की मृतक व्यक्ति उसका कर्मचारी है और वही जांच में पता चल है कि सब स्टेशन की दीवार भी टूटी हुई हैं जिससे आशंका जताई जा रही है कि मृतक व्यक्ति केबल चोरी करने की नियत से प्लांट में घुस था और केबल कटे समय करंट की चपेट में आने से मौत हो गई है बहरहाल पुलिस मृतक की शिनाख्त में जुटी गई है। भिलाई भट्टी थाना प्रभारी ने बताया कि प्लांट के ब्लास्ट फर्नेस 6 में शव मिलने की सूचना पर घटनास्थल पहुंचे।

नए कानून के तहत नक्सल प्रभावित जिले में पहली एफआईआर

कबीरधाम। एक जुलाई से देश में नया कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू हो गया है। इसके लागू होने के कुछ देर बाद ही छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिला कबीरधाम में पीड़ित के साथ मारपीट की घटना की सूचना मिलने पर कबीरधाम पुलिस ने बीएनएस की धारा 296, 351(2) के तहत पहला मामला दर्ज किया है। थाना रेंगाखार में नए कानून बीएनएस के तहत पहली एफआईआर दर्ज हुई है।

पीड़ित इतवारी पंचेश्वर पिता सहदेव निवासी मोहनटोला थाना रेंगाखार जिला कबीरधाम द्वारा पुलिस को लिखित शिकायत मिली कि आरोपी गोलू ठाकरे निवासी रेंगाखार ने ट्रैक्टर के कागजात नहीं देते हुए पीड़ित के साथ मारपीट और गाली दी। इस पर थाना रेंगाखार में लिखित आवेदन प्रस्तुत किए जाने पर रात्रि 12.30 बजे आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा के तहत एफआईआर दर्ज हुई।

नए कानून के तहत दर्ज प्रथम एफआईआर पर कबीरधाम जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक ने कहा कि नए कानूनों का उद्देश्य हर नागरिक को त्वरित और निष्पक्ष न्याय सुलभ कराना है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों के तहत, हमने यह सुनिश्चित किया है कि न्यायिक प्रक्रियाएं अधिक प्रभावी और पारदर्शी हों। आज की घटना में, पीड़ित के आवेदन पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस द्वारा तत्काल एफआईआर दर्ज करना हमारे नए कानूनों की प्रभावशीलता का स्पष्ट प्रमाण है।

आगे कहा कि यह दर्शाता है कि हम अपने नागरिकों को न्याय दिलाने के लिए कितने प्रतिबद्ध हैं। इस त्वरित कार्रवाई से न केवल पीड़ित को समय पर न्याय मिलेगा, बल्कि समाज में यह संदेश भी जाएगा कि कानून और न्याय प्रणाली उनकी सुरक्षा और अधिकारों के लिए हमेशा तत्पर है। हमारी टीम की तत्परता और समर्पण इस बात का प्रतीक है कि हम न्याय की दिशा में हर संभव कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नक्सल प्रभावित जिले में नए कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत पहला एफआईआर दर्ज होना एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण है। इससे स्पष्ट होता है कि ये कानून न केवल न्यायिक प्रक्रियाओं में सुधार लाने का प्रयास कर रहे हैं, बल्कि उनका मुख्य उद्देश्य है समाज में न्याय और पारदर्शिता को बढ़ावा देना। इन कानूनों के लागू होने से देश की न्यायिक प्रणाली में एक नया दौर शुरू होगा, जो न केवल अभियुक्तों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई की सुनिश्चित करेगा, बल्कि यह भी साबित करेगा कि सरकार न्यायिक प्रक्रियाओं को सुदृढ़ और सुरक्षित बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। यह नया कानून भारतीय समाज को एक न्यायपूर्ण, समान और सुरक्षित समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हर चौक चौराहों पर लटकेंगे अब गुंडे बदमाश

दुर्ग। गुंडे और बदमाशों के खिलाफ पुलिस कई बार त्वरित कार्रवाई करती है।लेकिन इसके बाद भी बदमाश अपराध करने से बाज नहीं आते।पहले तो पुलिस ने हर थाने में गुंडे और बदमाशों के पोस्टर लगवाएं थे,ताकि लोगों को जानकारी मिल सके।लेकिन अब पुलिस एक कदम आगे बढ़ते हुए थाने के प्रमुख चौक चौराहों में गुंडे और बदमाशों के पोस्टर लगवा रही है। इस अभियान के बाद अब कई अपराधी खुद की तस्वीर हटवाने के लिए जुगाड़ में लग चुके हैं। जिले की बात की जाए तो यहां 527 गुंडे बदमाश हैं। जिनमें से 446 हाजिर, फरार 43 और जेल में 38 हैं।

दुर्ग जिले में बीते 6 माह में अपराध के ग्राफ में इजाफा हुआ है।अपराध के ग्राफ को देखकर ही पुलिस ने गुंडों और बदमाशों के खिलाफ अभियान चलाने का फैसला किया है।जिसमें थाना क्षेत्र के गुंडों और बदमाशों के पोस्टर अब चौक चौराहों की शोभा बढ़ाएंगे। सेक्टर 6, सुपेला और कैंप एरिया में फायरिंग की घटनाएं बढ़ी हैं।ऐसे में इस एरिया में भी गुंडे बदमाशों के पोस्टर लगेंगे। कई जगहों पर बदमाशों के पोस्टर लगने पर अपराधी अंडरग्राउंड हो गए हैं पुलिस अफसरों के मुताबिक पहला फेस में अपराधियों की तस्वीर थानों में लगी थी।दूसरे फेज में चौक चौराहों में बदमाशों के होर्डिंग्स लगेंगे। होर्डिंग्स को देखकर बदमाशों को अपराध करने से पहले ही सुधरने का मौका दिया जाएगा।23 थानों में गुंडे बदमाशों का फोटो समेत पोस्टर लगाना शुरु हो गया है। गुंडे बदमाशों की दबंगई खत्म करने का दुर्ग पुलिस का प्रयास सराहनीय है। एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने कहा अपराधियों पर नकेल कसने के लिए सभी थानों में गुंडे बदमाशों का लिस्ट के बाद अब चौराहों में पोस्टर लगने शुरु हो गए हैं।जिले में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस अभियान चला रही है। पूरी तरह से अपराधियों में नकेल कसने का प्रयास जारी है। इस अभियान के तहत पूरी तरह से गुंडे बदमाशों की दबंगई खत्म करने के लिए पुलिस का यह अभियान आने वाले दिनों कारगर साबित होगा।

संक्षिप्त समाचार

नवीन कानूनों पर आधारित पुस्तक का मुख्यमंत्री साय ने किया विमोचन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने

सोमवार से देशभर में लागू हुए नवीन कानूनों पर आधारित पुस्तक का किया विमोचन। इस पुस्तक में तीन नए आपराधिक कानूनों को लेकर महत्वपूर्ण जानकारियों का संकलन है।यह संग्रह छत्तीसगढ़ पुलिस की इस विशेष पहल से नवीन कानूनों को समझना अधिक आसान हो जायेगा। यह पुस्तक पुलिस अधिकारियों और विवेचकों के लिए महत्वपूर्ण संदर्भ होगी साथ ही अपराधों की विवेचना में भी यह काफी सहायक व उपयोगी साबित होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नवीन कानूनों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ सरकार शुरू से ही प्रयासरत है भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम आज से देशभर में लागू हो रहे हैं। उन्होने कहा कि जो वर्षों पुराने अंग्रेजी कानूनों की जगह लेंगे नए कानून जिनमें दंड के स्थान पर न्याय को तरजीह दी गई है।इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव गृह विभाग श्री मनोज पिंगुआ, डीजीपी श्री अशोक जुनेजा, मुख्यमंत्री के सचिव द्वय श्री राहुल भगत, श्री बसव राजू एस. एवं पुलिस विभाग के अधिकारीगण भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री से मंत्री राजवाड़े ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास

मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी से छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने नई दिल्ली में की सौजन्य मुलाकात की। मुलाकात के दौरान केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि अब डबल इंजन की सरकार में छत्तीसगढ़ में महिला एवं बाल विकास के कार्यक्रमों के लिए किसी भी प्रकार की कमी नहीं होगी। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने उन्हें लोकसभा में सांसद के रूप में शपथ लेने की बधाई एवं शुभकामनाएं दी साथ ही छत्तीसगढ़ में महिलाओं के और बच्चों के लिए संचालित किए जा रहें कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर चर्चा भी की। इस मौके पर उन्होंने छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही महतारी वंदन योजना की जानकारी दी।

बिजली कटौती से लोग परेशान, पूर्व विधायक के साथ धरने पर बैठे ग्रामीण

महासमुंद। क्षेत्र में विद्युत कटौती को लेकर आक्रोशित सैकड़ों लोगों और कांग्रेसियों ने कांग्रेस के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर के नेतृत्व में विद्युत वितरण केंद्र का घेराव किया। केंद्र के सामने भी दिया। बैरिकेडिंग तोड़कर प्रदर्शनकारी तुमगांव के बिजली दफ्तर में घुसे। सरकार और अफसरों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। बिजली की समस्या को लेकर नागरिकों के साथ पूर्व विधायक विनोद चंद्राकर विद्युत वितरण केंद्र के सामने धरने पर बैठे। इस दौरान विद्युत विभाग के अफसर धरना स्थल पर पहुंचे और जल्द समस्या को दूर करने का आश्वासन दिया। इसके बाद प्रदर्शन खत्म कर कांग्रेसी वापस लौट गए।

खाद्य विभाग का सर्वर तीन दिवस रहेगा बाधित, खाद्यान्न वितरण पोर्टल को छोड़कर

रायपुर। खाद्य विभाग का सर्वर तीन दिवस बाधित रहेगा, किन्तु खाद्यान्न वितरण पोर्टल को छोड़कर विभागीय सर्वर ही बाधित रहेगा। विभागीय आनलाइन कार्रवाई राज्य डाटा सेंटर में स्थित विभागीय सर्वर के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। जिसमें विभागीय डाटाबेस को स्थानांतरित करने की कार्यवाही 01 जुलाई से 03 जुलाई 2024 तक किया जाएगा। विभाग द्वारा एसीडी सर्वर में समय-समय पर ऑनलाईन जानकारी अपडेट की जाती है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में समस्त विभागीय ऑनलाईन कार्यवाही (खाद्यान्न वितरण पोर्टल को छोड़कर) राज्य डाटा सेंटर में स्थित विभागीय सर्वर के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। एसडीसी सर्वर में समय-समय पर दर्ज की जा रही समस्याओं के निराकरण हेतु नवीन क्लाउड सर्वर एनआईसी के माध्यम से किया जाता है।

सहायक ग्रेड-3 पद के लिए प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा 28 को

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के लिए सहायक ग्रेड 03 पद हेतु प्रथम स्तर के लिखित परीक्षा 28 जुलाई को आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए सरगुजा, बिलासपुर, जगदलपुर, दुर्ग और रायपुर में केन्द्र बनाया गया। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के वेबसाइट पर आवेदक द्वारा सहायक ग्रेड-3 के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा किए गए थे। सभी आवेदित अभ्यर्थियों को प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र के लिए छत्तीसगढ़ व्यापम के वेबसाइट में जाकर पंजीयन कराना आवश्यक होगा। तथा परीक्षा जिला का चयन करना अनिवार्य होगा। व्यापम के वेबसाईट पर परीक्षा के लिए पंजीयन व जिला चयन की प्रारंभिक तिथि 2 जुलाई तथा अंतिम तिथि 16 जुलाई निर्धारित की गई है।

डिप्टी सीएम अरुण साव ने कांग्रेस की समीक्षा बैठक पर कसा तंज, कहा-

जितनी समीक्षा करेंगे उतना होगा सिर फुटव्वल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के खराब परिणाम को लेकर कांग्रेस समीक्षा बैठक का सोमवार को अंतिम दिन था। आज दुर्ग और राजनांदगांव लोकसभा सीटों की समीक्षा होगी। इसे लेकर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने तंज कसते हुए कहा कि जितनी समीक्षा करेंगे उतना सिर फुटव्वल होगा, पर देखने वाली बात होगी कि विधानसभा और लोकसभा की हार का ठीकरा किस पर फूटेगा।

वहीं पीसीसी चीफ दीपक बैज के शराब बंदी को लेकर किये गए ट्वीट पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि शराब बंदी का वादा कर कांग्रेस सत्ता में आई थी, उसपर दीपक बैज का मुंह नहीं खुलता। कांग्रेस का चेहरा छत्तीसगढ़ के लोगों ने देखा है। बीजेपी सरकार ने जो गारंटी दी है उसे हम पूरा करके दिखाएंगे।

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय योजनाओं पर खर्च की गई राशि का अब प्री ऑडिट होगा। इस मामले में डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि फिजूल खर्चों पर रोक लगाने और राशि का सही उपयोग के लिया यह फैसला लिया गया है। डिप्टी सीएम साव ने कहा कि वित्तीय अनुशंसा आय के लिए प्री ऑडिट का निर्णय लिया गया है।

देश में आज 1 जुलाई से नया आपराधिक कानून लागू हो चुका है। भारतीय दण्ड संहिता के स्थान पर अब भारतीय न्याय संहिता लागू हो चुकी है। इसे लेकर डिप्टी सीएम साव ने कहा कि आज़ादी के इतने साल बाद खुद के बनाये गये आपराधिक कानून लागू हो रहे हैं। अंग्रेजों के बनाये कानून इतने दिनों तक चलते रहे, अब इससे हमें छुटकारा मिलेगा। अब के कानून न्याय देने के लिए बनाए गए हैं। मेरा सौभाग्य है कानून को बनाते वक्त मैं संसद में मौजूद था।

न्याय प्रणाली में होगा परिवर्तन : साव

लोरमी। उप मुख्यमंत्री अरुण साव सोमवार को मुंगेली जिले के एकदिवसीय प्रवास पर पहुंचे। यहां

वे मुंगेली के थाना परिसर में आज से लागू होने वाले नए कानून को लेकर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने नए कानून के लागू होने को ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि नए कानून से निश्चित रूप से न्याय प्रणाली में एक अमूलचूल परिवर्तन होने वाला है।

इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री साव ने कहा कि आज तीन नए कानून लागू हुए हैं। न्याय प्रक्रिया और न्याय प्रणाली में आज से परिवर्तन हुआ है। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता 2023 आज से लागू हुआ है, यह कानून न्याय देने के उद्देश्य से एक व्यापक सोच विचारकर लागू किया गया है। निश्चित रूप से न्याय प्रणाली में एक अमूलचूल परिवर्तन होने वाला है। इसे लेकर जागरूकता अभियान के तहत सभी थानों में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ है, इसी के तहत मुंगेली थाना में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मुंगेली जिले के लोरमी में नए विधानसभा कार्यालय का शुभारंभ किया। यहां उन्होंने आम जनता से भेंट मुलाकात की और उनकी समस्याओं का निराकरण भी किया। इसके अलावा उपमुख्यमंत्री साव गोड़खाम्ही में शाला प्रवेश उत्सव, श्रीराम समिति की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर सहित विभिन्न कार्यक्रम में शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला

ईओडब्लू ने पेश किया 10 हजार से अधिक पन्नों का चालान

- ढेबर, त्रिपाठी समेत अन्य आरोपियों की बढ़ सकती है मुश्किलें

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित 2 हजार करोड़ से अधिक के शराब घोटाला मामले में राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण एवं एंटी करप्शन ब्यूरो ने सोमवार को कोर्ट में चालान पेश किया। आरोपी अनवर ढेबर, अरुणपति त्रिपाठी समेत कई आरोपियों के खिलाफ 10 हजार से अधिक पन्नों का चालान पेश किया गया। अब इस मामले में आरोपियों की मुश्किलें और बढ़ सकती है।

ईओडब्लू ने करीब दो दर्जन पैकेट में 10 हजार से अधिक पन्नों में यह चालान और संलग्नक (एनेक्स्चर) पेश किया है। इसमें ब्यूरो ने बीते तीन वर्ष में कुल 2161 करोड़ के शराब घोटाले का खुलासा किया है। ईओडब्लू के चालान में ईडी की रिपोर्ट पर की गई जांच और गिरफ्तारियों का उल्लेख है। ईडी ने बीते 17 जनवरी को ईओडब्लू में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। हालांकि ईडी ने उससे 10 महीने पहले मार्च 2023 को भी ईओडब्लू को रिपोर्ट दी थी, लेकिन कांग्रेस सरकार होने से एफआईआर नहीं हो सकी थी, क्योंकि घोटाले के सभी आरोपी कांग्रेस सरकार और संगठन के करीबी रहे हैं। इस तरह से करीब पांच महीने में ही ईओडब्लू ने यह चालान पेश किया है। ब्यूरो सूत्रों के अनुसार प्रस्तुत किया जाने वाला यह चालान कुल 10 हजार पन्नों से अधिक का है। इस चालान में अरुणपति त्रिपाठी के अलावा अन्य गिरफ्तार आरोपी रायपुर महापौर के बड़े भाई अनवर ढेबर, रिटायर्ड आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा एवं अन्य व्यक्तियों को भी आरोपी बनाया गया है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, इस मामले में और भी लोगों की गिरफ्तारियां होगी। जैसे ही शराब घोटाले मामले में अन्य गिरफ्तारियां होंगी, ब्यूरो की ओर से अनुपूरक (सप्लीमेंटरी) चालान भी पेश किया जाएगा।

गुमनाम पत्र से कांग्रेस में मची खलबली हार की समीक्षा के बीच बाहर आया पत्र

- बगैर नाम के लेटर में पूर्व सीएम समेत कई बड़े नेताओं को ठहराया हार का जिम्मेदार

रायपुर। विधानसभा और लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की हार की समीक्षा जारी है। राजीव भवन में बैठक के बीच से एक गुमनाम पत्र बाहर आया है, जिससे पार्टी में खलबली मच गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नाम से लिखे गए इस बगैर नाम के लेटर में भूपेश बघेल सहित कई बड़े नेताओं को हार का जिम्मेदार ठहराया गया है।

गुमनाम पत्र में लिखा गया है कि, बड़े नेताओं के अहंकार की वजह से छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की हार हुई है। डॉ। चरणदास महंत, अकबर और ताम्रध्वज के खिलाफ भी शिकायत की गई है। पत्र में यह भी लिखा गया है कि महंत ने भूपेश और डहरिया को निपटाया है। पत्र में कहा गया है कि चुनाव परिणामों पर समीक्षा करने आज नेता दिल्ली से रायपुर पहुंचे और विधानसभा, लोकसभा में हार के कारणों पर चर्चा की, जबकि आप स्वयं राहुल जी, सेलजा जी, चन्दन जी, उल्का जी और प्रदेश का बच्चा बच्चा जानता है कि हार के मात्र दो कारण हैं। पहला कारण भूपेश बघेल का अहंकार और बदतमीजी से बात करना, एकला चलो की रणनीति संगठन को दरकिनार करके चलना, उसकी जातिवाद की घटिया मानसिकता, उसका भ्रष्टाचार और गलत टिकट वितरण करना है। पत्र में हार का दूसरा कारण बताते हुए कहा गया है सौम्या, रामगोपाल, गिरीश देवांगन, अनिल टुटेजा, सूर्यकांत, विनोद वर्मा, प्रदीप शर्मा, राजेश तिवारी, रुचिर गर्ग, ढेबर जैसे लोग और सट्टा, शराब, कोयला, डीएमएफ, जीएसटी, पीएससी जैसे कई घोटाले, जिनके कारण बघेल पिता पुत्र और दामाद के ऊपर ईडी की कार्रवाई की संभावना से डरकर भूपेश बघेल की भाजपा से डीलिंग हुई। इसके तहत विधानसभा और लोकसभा में कांग्रेस को हरवाने का पूरा षड्यंत्र हुआ, जिसमें बघेल ने पूरी कांग्रेस को प्रदेश में हासिए में ला दिया, तभी इनके मंत्रिमंडल के सभी मंत्री भी हार गए। लोकसभा में फिर हारे हुए पुराने चेहरों को टिकट दी। दुर्ग से पांच मंत्री थे सब हारे थे, फिर दुर्ग से चार लोगों को दूसरे क्षेत्रों से टिकट दे दी, परिणाम ये हुआ कि सब हार गए। ज्योत्सना महंत जीती तो उसमें चरणदास या कांग्रेस का कोई रोल नहीं है। सरोज पाण्डेय को भाजपा के बड़े नेताओ ने ही हराया।

स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार से संस्थागत प्रसव को बढ़ावा

कटगी में चार और सलोनी में पाँच गुना लक्ष्य से अधिक सालाना प्रसव,सभी प्रसव सामान्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार विस्तार किया जा रहा है। इससे संस्थागत प्रसव को काफी बढ़ावा मिल रहा है। बलौदाबाजार जिले में कसडोल विकासखंड के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कटगी तथा पलारी विकासखंड के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर सलोनी संस्थागत प्रसव में जिले भर में अव्वल रहा है। पिछले अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक कटगी ने 120 वार्षिक लक्ष्य की तुलना में 488 प्रसव कराएं हैं वहीं सलोनी में 36 प्रसव सालाना के लक्ष्य की तुलना में एक वर्ष में 178 प्रसव हुए हैं। यह सभी प्रसव सामान्य हैं। संस्थागत प्रसव के नियम अनुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को 10 प्रसव एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को 3 प्रसव औसतन प्रतिमाह करना होता है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एम पी महिस्वर ने बताया की मातृ और शिशु मृत्यु दर में कमी के

लिए संस्थागत प्रसव सरकार की प्राथमिकता है। शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गर्भ धारण करने से लेकर प्रसव के पश्चात की सभी सेवाएं महिला को दी जाती हैं। इसमें प्रसव के बाद घर तक छोड़ने हेतु परिवहन की व्यवस्था के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में जननी सुरक्षा योजना के जरिये 14 सौ की राशि दी जाती है,आवश्यक दवाई और जाँच भी फ्री रहती है। डॉ शशि जायसवाल नोडल अधिकारी मातृ स्वास्थ्य के अनुसार संस्थागत प्रसव कई प्रकार के संक्रमण जोखिम से बचाता है। कुशल स्टाफ की देखरेख में हुए प्रसव से जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ रहते हैं। कसडोल के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ रविशंकर अजगल्ले ने बताया की कटगी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 15 से 20 किलोमीटर के दायरे के गांव के लोग प्रसव के लिए आते हैं इसके साथ-साथ सीमावर्ती जिले बिलासपुर, जांजगीर, सारंगढ़ - बिलाईगढ़ के लोग भी सुविधा को देखकर इधर आते हैं। कटगी तो राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र भी प्राप्त कर चुका है। पलारी बीएमओ डॉ बी एस ध्रुव के अनुसार सलोनी केंद्र में 5 ग्राम हैं जबकि प्रसव के लिए आस-पास के धाराशिव, कैलाश गढ़ अमेठी से भी लोग आते हैं। कटगी अस्पताल में अपनी पत्नी का प्रसव करवा चुके कलमीडीह के विशाल पैकरा ने प्राप्त सुविधा से प्रसन्नता व्यक्त की। कटगी में ग्रामीण चिकित्सा सहायक रवि सेन ,नर्सिंग स्टाफ में सुषमा दुबे, अन्नपूर्णा साहू, केवरा सिन्हा, प्रमिला साहू ,हेमलता देवांगन जबकि सलोनी में सी एच ओ प्रियंका वर्मा सहित आर एच ओ निर्मला साहू तथा मनमोहन आर्यन अपनी सेवा दे रहे हैं। जिले के करहीबाज़ार, कडार, ताराशिव, कुम्हारी, डमरू, खपरी (एस), धनेली, सूढ़ेला, सिंगारपुर ये कुछ अन्य आयुष्मान आरोग्य मंदिर हैं जहां सौ से अधिक प्रसव हुए हैं।

विदेशों में भी हो रही है बस्तर के कोसा कपड़ों की प्रसिद्धि : नेताम

रायपुर। आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि बस्तर के कोसा कपड़ो की प्रसिद्धि अब भारत देश के साथ-साथ विदेशों में भी हो रही है। अपनी विशिष्ट खूबियों के लिए प्रसिद्ध बस्तर के कोसा कपड़ों का रायपुर शोरूम प्रारंभ होने से अब यहां भी आसानी से कोसा कपड़ा प्राप्त हो सकेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर मंत्री श्री नेताम नवा रायपुर स्थित इंद्रावती भवन में कोसा केन्द्र के रिटेल शोरूम के शुभारंभ अवसर पर उक्त बातें कही।

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि बस्तर रैली कोसा अपनी विशिष्ट खूबियों के लिए भारत ही नहीं बल्कि विश्व स्तर पर भी अनूठी पहचान बनाए हुए हैं। इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। बस्तर की विशिष्ट जैव भौगोलिक विविधता का इसमें विशेष योगदान है। उन्होंने कोसा कपड़ा निर्माण कार्यों में लगे कृषकों, स्वयं सेवी संस्थाओं एवं शासकीय एजेंसियों विशेषकर छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम के योगदान की सराहना की।

आदिम जाति विकास के सचिव श्री नरेन्द्र दुग्गा ने कहा कि, कोसा केन्द्र को

बढ़ावा देने का मुख्य उद्देश्य बस्तर क्षेत्र के अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवाओं को कोसा बुनाई, धागा निर्माण, रंगाई, छपाई आदि कार्य में प्रशिक्षित कर उन्हें केन्द्र में ही नियोजित करना है। इसके अंतर्गत धागा निर्माण, कोसा फल क्रय, रीलिंग मशीन बुकिंग चौम्बर, हथकरघा क्रय, बुनाई प्रशिक्षण, ताना मशीन क्रय, रंगाई छपाई हेतु प्रशिक्षण व कच्चा माल क्रय, शोरूम का नवीनीकरण, अधोसंरचानात्मक कार्य करना शामिल है। इस रिटेल शोरूम के माध्यम से बस्तर आर्ट का विस्तार होगा एवं इसे एक विशिष्ट पहचान मिलेगी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री पी.एस. एल्मा, विकास निगम के सचिव श्रीमती गायत्री नेताम सहित अन्य गणमान्य नागरिक तथा अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

17 महाविद्यालयों के लिए वित्त मंत्री चौधरी की पहल पर 80 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशन पर वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने राज्य के उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने राज्य के 17 महाविद्यालयों के लिए 79 करोड़ 19 लाख की राशि स्वीकृत की है। यह निर्णय शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्ता और प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, इससे राज्य के महाविद्यालयों में शिक्षा और अनुसंधान क्षमताओं में सुधार करने का अवसर मिलेगा। इस राशि का उपयोग शिक्षा सेवाओं के विस्तार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए किया जायेगा। राज्य के युवाओं को नवीनतम, उन्नत और विशेषज्ञता प्राप्त करने के भी अवसर मिलेंगे।

वित्त मंत्री श्री चौधरी के इस कदम से स्पष्ट है कि वे शिक्षा के माध्यम से राज्य के युवाओं के कैरियर में सुधार और प्रगति को बढ़ावा देने के पक्षधर हैं। उन्होंने शिक्षा में गुणवत्ता, समानता और सुविधाओं के स्तर में सुधार करने का संकल्प लिया है, जो राज्य के युवाओं के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है।

छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल बस्तर, सरगुजा सहित मैदानी इलाकों के महाविद्यालयों के लिए राशि मंजूर की गई है। इसमें शासकीय महाविद्यालय समोदा (रायपुर), शासकीय महाविद्यालय मोपका-निपनिया (बलौदाबाजार-भाटापारा) शामिल है। इसी प्रकार शासकीय महाविद्यालय पिरदा (महासमुंद), शासकीय महाविद्यालय ठेलकाडीह (राजनांदगांव), शासकीय महाविद्यालय बरमकेला (रायगढ़), शासकीय महाविद्यालय नगरदा (जांजगीर-चांपा), शासकीय महाविद्यालय सकरी (बिलासपुर), शासकीय महाविद्यालय सारागांव (जांजगीर-चांपा), शासकीय महाविद्यालय बासीन (बालोद) सहित अन्य महाविद्यालयों के लिए राशि स्वीकृत की गई शामिल है।

महतारी वंदन योजना की पांचवीं किस्त जारी, हितग्राहियों के खाते में पहुंचे 1000

रायपुर। महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों के खाते में सोमवार को सीएम विष्णु देव साय ने पैसे ट्रासफर कर दिए। 5वीं किश्त के तौर पर मुख्यमंत्री ने 653 करोड़ 84 लाख की राशि जारी की। महतारी वंदन योजना का पैसा छत्तीसगढ़ की 70 लाख महिलाओं के खाते में पहुंचा है। सीएम विष्णु देव साय ने बीते दिनों ही कहा था कि 1 जुलाई को महतारी वंदन योजना की पांचवी किश्त जारी कर दी जाएगी।

महतारी वंदन योजना को लेकर कांग्रेस ने बीते दिनों दावा किया था कि ये योजना बंद होने वाली है। खुद नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने बयान दिया था कि योजना को बंद करने की तैयारी है। कांग्रेस के दावों पर बीजेपी ने जोरदार पलटवार किया। डिप्टी सीएम से लेकर सीएम तक ने साफ किया कि किसी भी हालत में योजना बंद नहीं होगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा महिलाएं अपना-अपना खाता चेक करें, महतारी वंदन योजना का पैसा हमने भेज दिया है। प्रति महीने के अनुसार इस महीने भी हमारी सरकार ने 70 लाख से ज्यादा महिलाओं के खाते में 5वीं किस्त कुल 653 करोड़ 84 लाख रूपये की धनराशि भेज दी है। महिलाओं को हर महीने खुशियों का नोटिफिकेशन मिल रहा है। विधानसभा चुनाव 2023 में बीजेपी ने महतारी वंदन योजना को चुनाव से पहले अपने घोषणापत्र में लॉन्च किया था। बीजेपी ने वादा किया था कि सरकार में आते ही वो सभी महिलाओं को साल में 12 हजार रुपए देगी। सरकार बनने के बाद बीजेपी ने अपना वादा निभाया। योजना की पांचवी किस्त 1 जुलाई को सीएम ने जारी कर दी।

जनता को शराब में डुबोकर गरीब करना चाह रही है प्रदेश सरकार : दीपक बैज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शराबबंदी को लेकर एक बार फिर से सियासत बयानबजी तेज हो गई है। प्रदेश सरकार पर कांग्रेस आरोप लगा रही है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने रविवार को एक्स पर एक वीडियो पोस्ट निशाना साधा। वहीं आज उन्होंने अपने एक्स पोस्ट को लेकर कहा कि दुर्भाग्य है कि छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव कह रहे हैं कि मनपसंद शराब मिलेगा। बीजेपी की सरकार छत्तीसगढ़ की जनता को शराब में डुबोकर गरीब करना चाह रही है। सरकार को जनता की नहीं सिर्फ जेब भरने की चिंता है। इसके साथ ही दीपक बैज ने महतारी वंदन योजना को लेकर कहा कि सरकार की नीयत साफ नहीं है। नगरीय निकाय चुनाव के बाद पात्र हितग्राही को अपात्र किया जाएगा और योजना बंद हो जाएगी।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने मीडिया से बातचीत करते हुए महतारी वंदन योजना की आज जारी होने वाली पांचवी किस्त पर कहा कि महतारी वंदन के नाम से सरकार की नीयत साफ नहीं है। लोकसभा चुनाव की नीयत से किस्त जारी किया गया। अब नगरीय निकाय के चुनाव के लिए किस्त जारी कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव के बाद पात्र-अपात्र की घोषणा की गई है। नगरीय निकाय चुनाव के बाद पात्र हितग्राही को अपात्र किया जाएगा और योजना बंद हो जाएगी।

मोइली कमेटी की आज अंतिम बैठक पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि राजीव भवन रायपुर में दुर्ग और राजनांदगांव की समीक्षा होगी। प्रदेश के 11 लोकसभा की

पूरी समीक्षा होगी। व्यक्तिगत कारणों से वीरप्पा मोइली को लौटना पड़ा है। हरीश चौधरी नेताओं से मिलकर समीक्षा कर रहे हैं। इस बैठक पर अरुण साव के सिर फुटव्वल वाले बयान पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि हम चाहते है कुछ कमी रही होगी वो खुल के सामने आए। इससे पार्टी को फायदा होगा। ताकि नगरीय निकाय चुनाव के लिए सभी अच्छे से काम करें।

शराब बंदी को लेकर किये गए ट्वीट पर दीपक बैज ने कहा कि दुर्भाग्य है कि छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव कह रहे हैं कि मनपसंद शराब मिलेगा। बीजेपी की सरकार छत्तीसगढ़ की जानता को शराब में डुबोकर गरीब करना चाह रही है। बीजेपी ने शराब बंदी को लेकर आरोप लगाया उनकी सरकार है लेकिन शराब बंदी कब होगा पता नहीं। सरकार को जनता की नहीं सिर्फ जेब भरने की चिंता है। सीएम साय की शिक्षा विभाग की बैठक पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि बिना मंत्री के कैसे समीक्षा होगी। छत्तीसगढ़ में शिक्षा का बुरा हाल है। बहुत से स्कूल खुले नहीं, छत टपक रहे हैं। सरकार को शिक्षा की चिंता नहीं है।

प्रदेश में बढ़ रहा अपराध, आदिवासी भी सुरक्षित नहीं

राजधानी रायपुर में आदिवासी युवक को पीट पीटकर मारने के मामले में पीसीसी चीफ दीपक बैज ने साय सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। बैज ने कहा, आदिवासी मुख्यमंत्री के राज में आदिवासी भी सुरक्षित नहीं है। बस्तर का आदिवासी अब रायपुर में भी सुरक्षित नहीं है। बस्तर के आदिवासी युवक का आखिर क्या कसूर था, जिसे रास्ता पूछने पर मौत के घाट उतार दिया गया।

दीपक बैज ने कहा, क्या अनुभवहीन गृहमंत्री दिग्भ्रमित हैं। आखिर क्यों अपराधिक घटनाओं को रोका नहीं जा रहा। 6 माह में लगातार अपराध की घटनाएं हो रही है। बदमाश पैदल ही चैन स्नेचिंग की घटनाओं को अंजाम दे रहे। थाने के भीतर चाकूबाजी की घटनाएं सामने आ रही है। नक्सलवाद की घटनाएं भी लगातार बढ़ रही है। हर दिन बलात्कार की घटनाएं हो रही। गृहमंत्री अपना जिला नहीं संभाल पा रहे हैं। आदिवासी खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

बस्तर के लोहाड़ीगुड़ा निवासी मंगल मुरया (21) के माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। मंगल रायपुर स्थित कलिंगा यूनिवर्सिटी में फर्स्ट ईयर का स्टूडेंट था।

सपा अवधेश के सहारे देगी भाजपा के हिंदुत्व को चुनौती

अजय कुमार

समाजवादी पार्टी अयोध्या लोकसभा सीट से सपा की जीत को एक बड़ा सियासी मुद्दा बनाने का हर जतन कर रही है। जाने-अंजाने वह बीजेपी से लड़ते-लड़ते प्रभु श्रीराम को 'चुनौती' देने लगी हैं। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव का वह कृत्य कैसे भुलाया जा सकता है जब संसद के भीतर वह अयोध्या से विजय हुए अवधेश प्रसाद की शान में 'जय अवधेश' के नारे लगाते हैं। वह कहीं न कहीं ऐसा करके जय श्री राम के समानांतर अवधेश प्रसाद को खड़ा दिखाने की साजिश कर रहे थे। इतना नहीं सपा द्वारा सांसद अवधेश को अयोध्या का राजा बताया जा रहा था, जबकि समाजवादी जानते हैं कि अयोध्या के राजा प्रभु श्री राम थे। यह बात आज तक निर्विवाद सत्य है। इसी तरह उनको सपा संसद में सबसे आगे की कुर्सी पर बैठाती है, जबकि समाजवादी पार्टी के अन्य दो-तीन बार तक के सांसद अवधेश प्रसाद के पीछे की कुर्सियों पर बैठे नजर आते हैं। हालात यह है कि अब तो विपक्ष अवधेश प्रसाद को डिप्टी स्पीकर का चुनाव लड़ाने की भी बात कहने लगा है, जबकि वह पहली बार लोकसभा चुनाव जीत कर आये हैं। ऐसा लगता कि अयोध्या को समाजवादी पार्टी ने अपने चुनावी एजेडे में शामिल कर लिया है। ऐसा करके वह बीजेपी के हिन्दुत्व कार्ड को चुनौती तो अपने पीडीए वाले एजेंडे को आगे बढ़ाना चाहते हैं। अवधेश दलित समाज से आते हैं,इसके जरिये भी वह दलितों को बड़ा संदेश देना चाहते हैं। यह सिलसिला फिलहाल थमने वाला नहीं लगता है। अभी दस सीटों पर विधान सभा चुनाव होने हैं। सपा देखना चाहती है कि इसका उसे चुनाव में कितना फायदा मिलेगा। यदि उप चुनाव में भी सपा का प्रदर्शन बेहतर रहा हो वह 2027 के विधान सभा चुनाव तक अपने इसी एजेंडे को आगे बढ़ा सकता है। ऐसा इसलिये हो रहा है क्योंकि विपक्षी नेताओं की आपसी चर्चा में लोकसभा के डिप्टी स्पीकर पद के लिए अवधेश प्रसाद के नाम पर बेझिझक सहमति की सबसे बड़ी वजह है कि आइएनडीआइए फैजाबाद में भाजपा की हार को देश की रणनीति के लिए एक बड़ा निर्णायक संदेश मान रहा है। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल कह चुके हैं कि अयोध्या से जुड़े फैजाबाद में सपा के अवधेश प्रसाद की जीत भाजपा के वैचारिक धारा की शिकस्त का बड़ा संदेश है। इस अनारक्षित लोकसभा सीट पर दलित समुदाय से आने वाले अवधेश प्रसाद ने भाजपा को पराजित किया है। फैजाबाद के सांसद को राजनीतिक अहमियत देने का संदेश तो 18 वीं लोकसभा की पहली बैठक में ही दे दिया गया था। जब अखिलेश अपने एक हाथ में संविधान और दूसरे हाथ से अवधेश प्रसाद को थामे सदन में पहुंचे। राहुल गांधी ने भी अवधेश प्रसाद को उसी दिन से विपक्ष के प्रमुख चेहरों में रखने का संदेश देते हुए उन्हें पहली पंक्ति में अपने साथ बिठाते हुए चर्चा की। राहुल ने अखिलेश से बातचीत में अवधेश को डिप्टी स्पीकर बनाने का प्रस्ताव रखा, जिस पर सपा प्रमुख ने सहर्ष हामी भरी। इसके बाद जब राहुल की अखिलेश और अभिषेक से एक साथ मंत्रणा हुई तो टीएमसी नेता ममता बनर्जी, शरद पवार व एमके स्टालिन ने भी उनके नाम पर सहमति जता दी। विपक्ष की ओर से डिप्टी स्पीकर के लिए उम्मीदवार का औपचारिक ऐलान तभी होगा जब सरकार चुनाव कराने की घोषणा करेगी। संसद सत्र में तीन दिन बचे है। आईएनडीआईए का कहना है डिप्टी स्पीकर का पद परंपरागत रूप से विपक्ष को दिया जाता है, जैसे वाजपेयी के कार्यकाल में कांग्रेस के पीएम सईद को डिप्टी स्पीकर बनाया गया। दरअसल, विपक्ष डिप्टी स्पीकर पद पर परंपरागत रूप से अपनी स्वाभाविक दावेदारी मान रहा है पर एनडीए सरकार तैयार नहीं हुई तो फिर चुनाव की स्थिति में भी अवधेश प्रसाद ही विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार के रूप में उतरेंगे।

वेंकैया जैसे नेता ही बनाते हैं राष्ट्र को जीवंत

नरेंद्र मोदी

भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति और राष्ट्रीय राजनीति में शुचिता के प्रतीक एम. वेंकैया नायडू गारू का सोमवार को जन्मदिवस था। वेंकैया नायडू सोमवार को 75 वर्ष के हो गए हैं। उन्होंने राष्ट्रसेवा और जनसेवा को हमेशा सर्वोपरि रखा है। मैं उनके दीर्घायु होने और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। देश में उनके लाखों चाहने वाले हैं। मैं उनके सभी शुभचिंतकों और समर्थकों को भी बधाई देता हूं। वेंकैया जी का 75वां जन्मदिवस एक विशाल व्यक्तित्व की व्यापक उपलब्धियों को समेटे हुए है। उनका जीवन सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता की ऐसी यात्रा है, जिसके बारे में सभी देशवासियों को जानना चाहिए। राजनीति में अपने प्रारम्भिक दिनों से लेकर उपराष्ट्रपति जैसे शीर्ष पद तक, नायडू गारू ने भारतीय राजनीति की जटिलताओं को जितनी सरलता और विनम्रता से पार किया, वो अपने आपमें एक उदाहरण है। उनकी वाकपटुता, हाजिरजवाबी और विकास से जुड़े मुद्दों के प्रति सक्रियता के कारण उन्हें दलगत राजनीति से ऊपर हर पार्टी में सम्मान मिला है।

वेंकैया गारू और मैं दशकों से एक-दूसरे से जुड़े रहे हैं। हमने लंबे समय तक अलग-अलग दायित्वों को संभालते हुए साथ काम किया है और मैंने हर भूमिका में उनसे बहुत कुछ सीखा है। मैंने देखा है, जीवन के हर पड़ाव पर लोगों के प्रति उनका स्नेह और प्रेम कभी नहीं बदला। वेंकैया जी सक्रिय राजनीति से आंध्र प्रदेश में छात्र नेता के रूप में जुड़े थे। उन्होंने राजनीति के पहले पड़ाव पर ही प्रतिभा, वक्तृत्व क्षमता और संगठन कौशल की अलग छाप छोड़ी थी। किसी भी राजनीतिक दल में उन्हें कम समय में बड़ा स्थान मिल सकता था। लेकिन उन्होंने संघ परिवार के साथ काम करना पसंद किया, क्योंकि उनकी आस्था राष्ट्र प्रथम के विजन में थी। उन्होंने विचार को व्यक्तिगत हितों से ऊपर रखा और बाद में जनसंघ एवं भाजपा को मजबूत किया।

लगभग 50 साल पहले जब कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाया था, तब युवा वेंकैया गारू ने आपातकाल विरोधी आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्हें लोकनायक जेपी को आंध्र में आमंत्रित करने के लिए जेल जाना पड़ा। 1980 के दशक के मध्य में, जब महान एनटीआर सरकार को कांग्रेस ने गलत तरीके से बर्खास्त किया, तब वे फिर से लोकतांत्रिक सिद्धांतों की रक्षा के लिए हुए आंदोलन की अग्रिम पंक्ति में थे।

1990 के दशक में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने वेंकैया गारू के परिश्रम और प्रयासों को पहचानते हुए उन्हें पार्टी का अखिल भारतीय महासचिव नियुक्त किया। 1993 में यहीं से राष्ट्रीय राजनीति में उनका कार्यकाल शुरू हुआ। एक ऐसा व्यक्ति, जो किशोरावस्था में अटल जी और आडवाणी जी के दौरों की तैयारी करता था, उनके लिए ये कितना बड़ा मुकाम था। पार्टी महासचिव के रूप में, उनका एक ही लक्ष्य था कि भाजपा को सत्ता में कैसे लाया जाए ! उनका एक ही संकल्प था कि कैसे देश को भाजपा का पहला प्रधानमंत्री मिले। दिल्ली आने के बाद, उनकी मेहनत का ही परिणाम था कि उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। कुछ ही समय बाद वे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बने। वर्ष 2000 में, जब अटल जी सरकार बना रहे थे तो वह वेंकैया गारू को अपनी सरकार में मंत्री बनाना चाहते थे। अटल जी ने उनसे उनकी इच्छा पूछी तो वेंकैया गारू ने ग्रामीण विकास मंत्रालय को चुना। उनकी पसंद ने तब कई लोगों को हैरान किया था। क्योंकि, उसके पहले नेताओं के लिए दूसरे मंत्रालय पहली पसंद हुआ करते थे। लेकिन, वेंकैया गारू की सोच बिल्कुल स्पष्ट थी वह एक किसान पुत्र थे, उन्होंने अपने शुरुआती दिन गांवों में बिताए थे और इसलिए, कोई एक ऐसा क्षेत्र था जिसमें वह काम करना चाहते थे, तो वह ग्रामीण विकास था। उस समय एक मंत्री के रूप में 'प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना' को जमीन पर उतारने में उनकी अहम भूमिका थी। 2014 में एनडीए सरकार ने सत्ता संभाली, तो उन्होंने शहरी विकास, आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों को संभाला। उनके कार्यकाल के दौरान ही हमने 'स्वच्छ भारत मिशन' और शहरी विकास से संबंधित कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू कीं। शायद, वह उन नेताओं में से एक हैं जिन्होंने इतने लंबे समय तक ग्रामीण और शहरी विकास दोनों के लिए काम किया है।

2014 के उन शुरुआती दिनों में वेंकैया जी का अनुभव मेरे भी बहुत काम आया। मैं तब दिल्ली के लिए बाहरी व्यक्ति था। मेरा करीब डेढ़ दशक गुजरात में काम करते हुए बीता था। ऐसे समय में वेंकैया गारू का सहयोग मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। वह एक प्रभावी संसदीय कार्य मंत्री थे। वो सदन में पक्ष-विपक्ष की बारीकियों को समझते थे। साथ ही, जब संसदीय मानदंडों और नियमों की बात आती थी, तब वो नियमों को लेकर भी उतना ही स्पष्ट नज़र आते थे।

वर्ष 2017 में, हमारे गठबंधन ने उन्हें हमारे उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में नामित किया। ये हमारे लिए एक कठिन और दुविधा से भरा निर्णय था। हम जानते थे कि वेंकैया गारू के स्थान को भरना बेहद कठिन होगा। लेकिन हमें ये भी पता था कि उपराष्ट्रपति पद के लिए उनसे बेहतर कोई और उम्मीदवार नहीं है। मंत्री और सांसद पद से इस्तीफा देते हुए उन्होंने जो भाषण दिया था, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। जब उन्होंने पार्टी के साथ अपने जुड़ाव और इसे बनाने के प्रयासों को याद किया तो वह अपने आंसू नहीं रोक पाए। इससे उनकी गहरी प्रतिबद्धता और जुनून की झलक मिलती है। उपराष्ट्रपति बनने पर उन्होंने कई ऐसे कदम उठाए जिससे इस पद की गरिमा और भी बढ़ी। वह राज्यसभा के एक उत्कृष्ट सभापति थे, जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि युवा सांसदों, महिला सांसदों और पहली बार चुने गए सांसदों को बोलने का अवसर मिले। उन्होंने सदन में उपस्थिति पर बहुत जोर दिया, समितियों को अधिक प्रभावी बनाया। उन्होंने सदन में बहस के स्तर को भी ऊंचा उठाया। जब अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को हटाने का निर्णय राज्यसभा के पटल पर रखा गया, तो वेंकैया गारू ही सभापति थे। मुझे यकीन है कि यह उनके लिए एक भावनात्मक क्षण था। वह युवा जिसने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के एक विधान, एक निशान, एक प्रधान के संकल्प के लिए जीवन समर्पित किय, जब वह सपना पूरा हुआ तो वह सभापति के पद पर आसीन था। किसी निष्ठावान देशभक्त के जीवन में इससे बड़ा समय और क्या होगा !

वेंकैया गारू एक उत्साही पाठक और लेखक भी हैं। दिल्ली के लोगों के बीच, उन्हें उस व्यक्ति के रूप में जाना जाता है जो शहर में गौरवशाली तेलुगु संस्कृति लेकर आए। उनके द्वारा आयोजित उगादी और संक्रांति कार्यक्रम स्पष्ट रूप से शहर के सबसे पसंदीदा समारोहों में से एक हैं। मैं वेंकैया गारू को हमेशा एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जानता हूं जो भोजन प्रेमी हैं और शानदार मेजबानी करना जानते हैं। लेकिन, पिछले कुछ समय से उनका संयम भी सबके सामने दिखने लगा है। फिटनेस के प्रति उनकी प्रतिबद्धता इस बात से झलकती है कि वह अभी भी बैडमिंटन खेलना और ब्रिस्क वॉक करना पसंद करते हैं।

उपराष्ट्रपति पद का कार्यकाल पूरा करने के बाद भी, वेंकैया गारू सार्वजनिक जीवन में बेहद सक्रिय हैं। वह लगातार देश के लिए जरूरी मुद्दों और विकास कार्यों को मुझसे बात करते रहते हैं। हाल ही में जब हमारी सरकार तीसरी बार सत्ता में लौटी, तो मेरी उनसे मुलाक़ात हुई थी। वह बहुत खुश हुए और उन्होंने मुझे व हमारी टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं। मैं एक बार फिर उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। मुझे आशा है कि युवा कार्यकर्ता, निर्वाचित प्रतिनिधि और सेवा करने का जुनून रखने वाले सभी लोग उनके जीवन से सीख लेंगे और उन मूल्यों को अपनाएंगे। यह वेंकैया गारू जैसे लोग ही हैं जो हमारे राष्ट्र को बेहतर और अधिक जीवंत बनाते हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

स्वसवद्योपनिषद् (भाग-3)

गतांक से आगे...

तत्त्वज्ञान को गुहा में प्रविष्ट कहा गया है। अज्ञानियों द्वारा किये गये (ज्ञान हेतु अपनाये गये) मार्ग को श्रेष्ठ कहा गया है; क्योंकि वे अभिमान सहित उस मार्ग पर चलते हैं। वे पुष्पित (मुग्ध) वचनों के द्वारा मोहित हो जाते हैं।

जिस प्रकार माताएँ बच्चों को दवा खिलाते समय अपथ्य गुड़ आदि मिलाकर उन्हें दवा खिलाती हैं अर्थात् अपथ्य गुड़ का प्रलोभन देकर औषधि खिला देती हैं; उसी प्रकार अनेक देवों की उपासना, गुरुओं के प्रति निष्ठा, तीर्थ सेवन और विभिन्न सत्कर्म करने वाले भी इन्हें (देवों आदि को ठगते हैं अर्थात् उनके उपर्युक्त कर्मों के पीछे भी उनकी यही इच्छा रहती है कि हमारी सद्गति हो।

कुछ लोग हम वैदिक हैं, ऐसा कहते हैं। अन्य लोग ऐसा नहीं कहते। कुछ अपने को समस्त शास्त्रों का ज्ञाता कहते हैं, कुछ अपने को देव अनुग्रहवान् कहते हैं। कुछ लोग ऐसा कहते हैं कि हम स्वप्न में अपने उपास्य देवता द्वारा बताई गई बात बता देते हैं (जैसे लोग चोरी का सामान मिलने आदि के विषय में बता देते हैं।) कुछ लोग अपने को देवता बताते हैं। कुछ कहते हैं कि हम भगवान् विष्णु रूपी कमल पर गुंजार करने वाले भ्रमर (अर्थात् वैष्णव) हैं। कुछ (परम भक्त होने की) प्रसन्नता में नृत्य करें, तो करें। कुछ मूर्खजन अपने को परम भक्त बताते हुए रोते हैं और पतित होते हैं।

जो भी इस प्रकार के हैं, वे प्राय: सभी अज्ञानी हैं। जो ज्ञानी हैं और जो तत्त्वज्ञानी हैं, उनमें परस्पर कौन वरिष्ठ (विशेष) है (अर्थात् कोई नहीं)। किन्हीं का किन्हीं से केवल मत में ही भेद दृष्टिगोचर होता है। यह सर्वमान्य मत है कि जहाँ ब्रह्मा, विष्णु, रुद्र और ईश्वर जाते हैं, वहीं कुत्ते, गधे, बिल्लियाँ और कृमि भी जाते हैं।

क्रमश: ...

विश्व खेल पत्रकार दिवस

स्वेता

विश्व खेल पत्रकार दिवस प्रत्येक वर्ष 2 जुलाई को दुनिया भर में मनाया जाता है। खेल व्यक्तियों के समग्र विकास में बहुत महत्व रखता है, जो एक मनोरंजक खोज और संभावित कैरियर पथ दोनों के रूप में कार्य करता है। कुछ व्यक्तियों में खेल और पत्रकारिता दोनों के लिए गहरा जुनून होता है, जो उन्हें खेल पत्रकारों के रूप में व्यवसायों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है। यह दिन खेल मीडिया पेशेवरों की उपलब्धियों का सम्मान करता है और उन्हें आम जनता के बीच खेल के बारे में ज्ञान फैलाने में अधिक प्रयास करने के लिए प्रेरित करता है। कई समाचार फर्म इस विशेष दिन पर खेल पत्रकारों को सम्मानित करने के लिए विशेष कार्यक्रमों की मेजबानी करते हैं।

विश्व खेल पत्रकार दिवस का उद्देश्य विविध खेल पत्रकारों की उपलब्धियों को बढ़ावा देना और स्वीकार करना है। यह उन महत्वाकांक्षी व्यक्तियों के लिए प्रेरणा के स्रोत के रूप में कार्य करता है जो इस क्षेत्र में करियर बनाने की इच्छा रखते हैं। कई मीडिया संगठन इस अवसर पर अपने खेल पत्रकारों को सम्मानित करने के लिए विशेष कार्यक्रमों की व्यवस्था करते हैं। विश्व खेल पत्रकार दिवस मनाने का एक प्राथमिक उद्देश्य खेलों के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाना है।

विश्व खेल पत्रकार दिवस की स्थापना 1994 में इंटरनेशनल स्पोर्ट्स प्रेस एसोसिएशन द्वारा 2 जुलाई को एक संगठन के रूप में आईपीएस की स्थापना को चिह्नित करने के लिए की गई थी, जो पेरिस में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के साथ मेल खाता है। अपनी स्थापना के बाद से, यह दिन अनगिनत खेल मीडिया पेशेवरों के योगदान और उपलब्धियों को पहचानने के लिए समर्पित है। यह खेल पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्य को सम्मानित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

इंटरनेशनल स्पोर्ट्स प्रेस एसोसिएशन, या एआईपीएस (अपने फ्रांसीसी नाम से संक्षिप्त, एसोसिएशन इंटरनेशनेल डी ला प्रेस स्पोर्टिव), दुनिया भर में 160 राष्ट्रीय संघ (अमेरिका में एनएसएमए सहित) हैं। अपने कई उद्देश्यों के बीच, एआईपीएस खेल मीडिया अधिकारों की वकालत करता है, क्रेडेंशियल के लिए कई अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों द्वारा उपयोग किए जाने वाले पहचान पत्र जारी करता है, युवा खेल पत्रकारों के लिए कार्यक्रमों की मेजबानी करता है, और अपने अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों के माध्यम से उत्कृष्टता का सम्मान करता है।

नए क्रिमिनल लॉ के रास्ते में क्या है बड़ी चुनौतियां?

अभिनय आकाश

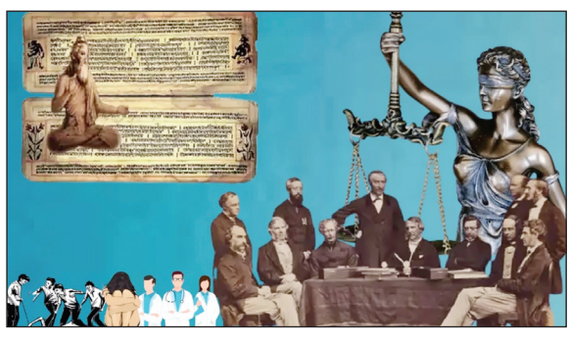

एक शख्स था थोमस बैबिंगटन मैकाले ये भारत तो आया था अंग्रेजी की पढ़ाई करने लेकिन उसके बाद इसी भारत में अगर किसी ने देशद्रोह का कानून ड्राफ्ट किया तो वो लार्ड मैकाले ही था। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले साल 15 अगस्त में पांच प्रण दिए थे। उसमें उन्होंने कहा था कि गुलामी की जितनी भी निशानियां हैं उससे मुक्ति पाना सबसे पहले काम है। गुलामी की सबसे बड़ी निशानी होने का ठप्पा आईपीसी, सीआरपीसी और एविडेंश एक्ट पर था। 1830, 1856, 1872 उस दौरान इन सब चीजों को लाया गया और हम अब तक ढो रहे थे। लेकिन अब न्याय के नये अध्याय की शुरुआत 1 जुलाई से हो गई है। केंद्र सरकार ने तीन ऐसे बिल लोकसभा में पेश किए थे। इन विधेयकों को पेश करते हुए शाह ने कहा कि देश में गुलामी की सभी निशानियों को समाप्त करने के पीएम मोदी सरकार के पांच प्रण के अनुरूप इन विधेयकों को लाया गया है। अब नए कानून के लागू होने के बाद देश के गृह मंत्री ने इसके बदलावों को समझाया।

आजादी के करीब 77 साल बाद हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली पूरी तरह से स्वदेशी हो रही है। यह भारतीय लोकाचार पर कार्य करेगा। 75 साल बाद इन कानूनों पर विचार किया गया और आज से जब ये कानून लागू हुए हैं तो अंग्रेज के कानून निरस्त होकर और भारतीय संसद में बने कानूनों को व्यवहार में लाया जा रहा है। %दंड% की जगह अब %न्याय% होगा। देरी के बजाय स्पीडी ट्रायल और त्वरित न्याय मिलेगा। पहले, केवल पुलिस के अधिकारों की रक्षा की जाती थी, लेकिन अब, पीड़ितों और शिकायतकर्ताओं के अधिकारों की भी रक्षा की जाएगी। मैं विश्वास के साथ कहता हूं कि ये तीनों कानून के लागू होने के बाद सबसे आधुनिक न्याय प्रणाली का सृजन करेगी।

जब से सभ्यता का उदय हुआ कानून का भी वजूद है। क्योंकि बड़ी संख्या आपस में रह पाए उसके लिए व्यवस्था और अनुशासन तो स्थापित करना ही पड़ता है। इसलिए कानून ठीक ठीक कब वजूद में आया होगा इसके लिए सही तारीख बता पाना कठिन है। लेकिन आधुनिक कानून को हम जिस अर्थ में समझता है कि लिखित डाक्यूमेंट होंगे, पुलिस होगी, अदालतें होगी। उसका जन्म 1215 में अस्तित्व में आया जब मैग्ना कार्टा अस्तित्व में आया। मैग्ना कार्टा के सिद्धांत बहुत विस्तरित व्यवस्था की बात तो नहीं करते लेकिन इतना जरूर बताते हैं कि राजा या उसकी सरकार कानून से ऊपर नहीं हो सकते। इसका सीधा सा मतलब है कि कानून का अपना अस्तित्व है, जिसका स्रोत न राजा है और न ही सरकार। ये तो हो गई यूरोपियन परंपरा की बात। लेकिन भारतीय परंपरा में मनु का जिक्र मिलता है। मनु कानून की आवश्यकता के पीछे एक तर्क दिया जाता है। कहा जाता है कि समाज में न्याय की स्थापना के लिए कानून होना चाहिए। मनु की आलोचना भी कई वर्गों की ओर से होती रहती है। भारत में जितनी विविधता है वो हमारी प्राचीन और मध्यकालीन न्याय परंपरा में भी नजर आती है। अनेक राज्य थे, जिन्हें बदलते काल के साथ अलग अलग शासन व्यवस्थाएं मिली। कभी कोई रिपब्लिक हुआ। कहीं कोई सामंती व्यवस्था रही। फिर उसी हिसाब से कानून भी बदलता गया।

आज जिस नक्शे को हम हिंदुस्तान कहते हैं उस पूरे भू-भाग के लिए एक केंद्रीय न्याय व्यवस्था 1947 में अस्तित्व में आई और उसके बीज अंग्रेजों के दौर से पड़े। अंग्रेजों ने न्याय व्यवस्था में कई सारे बदलाव किए। 1770 के दशक में गवर्नर जनरल वॉरेन हैस्टिंग ने केस को सिविल और क्रिमिनल में बांट दिया। सिविल मामलों के लिए दीवानी कोर्ट और क्रिमिनल मामलों के लिए फौजदारी कोर्ट बनी। गवर्नर जनरल कॉर्नवॉलिस ने भी कई बड़े बदलाव किए। इस दौर में कलकत्ता में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना भी हुई। 1828 में विलियम बेंटिंक गवर्नर बने। इन्होंने थोमस बैबिंगटन मैकाले के नेतृत्व में एक कमेटी बनाई। इस कमेटी में देश में कानूनी का कोडिफिकेशन किया। कानूनों को एक जगह सिक्वेशन में लिखे गए। 1860 में आईपीसी, 1861 में सीआरपीसी और 1872 में इंडियन एविडेंस एक्ट बना। इंडियन पिनल कोड (आईपीसी) सभी अपराधों का लेखा जोखा है। हर क्राइम की परिभाषा और उसका एप्लीकेशन है।

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) ने 163 साल पुरानी भारतीय दंड संहिता की जगह लिया है और आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव लाती है। आईपीसी की तुलना में, जिसमें 511 धाराएं थीं, बीएनएस में 358 धाराएं हैं। आईपीसी के मुकाबले बीएनएस में 21 नए अपराध जोड़े गए हैं। 41 अपराध ऐसे हैं जिसमें जेल का समय बढ़ाया गया है। 82 अपराधों में जुर्माने की रकम बढ़ी है। 25 अपराध ऐसे हैं जिनमें न्यूनतम सजा का प्रावधान किया गया है। छह तरह के अपराध पर कम्युनिटी सर्विस करनी होगी. 19 धाराएं हटाई गई है। बीएनएस ने कुछ नए अपराध पेश किए हैं। उनमें से उल्लेखनीय है खंड 69 जिसमें छल पूर्वक संबंध स्थापित करने पर दंडित किए जाने का प्रावधान है। इस विधेयक में महिलाओं के खिलाफ अपराध और उनके सामने आने वाली कई सामाजिक समस्याओं का समाधान किया गया है। प्रस्तावित कानून में पहचान छिपाकर किसी महिला से शादी करने के अलावा रोजगार, पदोन्नति के झूठे वादे के तहत महिलाओं के साथ पहली बार संबंध बनाना अपराध होगा। शादी का वादा करके शारीरिक संबंध बनाने के मामले को भी कानून में अलग से परिभाषित किया गया है। नए कानून के तहत कहा गया है कि अगर कोई शादी का वादा कर संबंध बनाता है और वो वादा पूरा करने की मंशा नहीं रखता है तो ऐसे मामलों को रेप की परिभाषा से अलग रखा गया है। ऐसे में दोषी पाए जाने पर अधिकतम 10 साल कैद की सजा हो सकती है। बीएनएस, खंड 103 के तहत, पहली बार नस्ल, जाति या समुदाय के आधार पर हत्या को एक अलग अपराध के रूप में मान्यता देता है। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में केंद्र को लिंचिंग के लिए एक अलग कानून पर विचार करने का निर्देश दिया था। नया प्रावधान अब ऐसे अपराधों को सुनिश्चित कर सकता है, जो हाल के वर्षों में बढ़ रहे हैं, उन्हें कानूनी मान्यता मिल सकती है। बीएनएस सामुदायिक सेवा को सजा के रूप में भी पेश करता है। हालाँकि, इस सज़ा की सटीक प्रकृति स्पष्ट नहीं की गई है।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) ने आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की जगह ली है। सीआरपीसी में 484 की तुलना में बीएनएसएस में 531 धाराएं हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने पहले कहा था कि बीएनएसएस परीक्षणों को पूरा करने के लिए सख्त समयसीमा लाकर पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाता है। इसलिए, आपराधिक मामलों में फैसला सुनवाई पूरी होने के 45 दिनों के भीतर आना चाहिए और पहली सुनवाई के 60 दिनों के भीतर आरोप तय किए जाने चाहिए। साथ ही, दुष्कर्म पीड़िताओं की जांच करने वाले चिकित्सा विशेषज्ञों को सात दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट जांच अधिकारी को सौंपनी होगी।

भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) साक्ष्य को संसाधित करने के तरीके में बदलाव लाता है। बीएसए इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल रिकॉर्ड की अनुमति देता है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जिसमें ईमेल, सर्वर लॉग, कंप्यूटर, लैपटॉप या स्मार्टफ़ोन पर संग्रहीत फ़ाइलें, वेबसाइट सामग्री, स्थान डेटा और टेक्स्ट संदेश शामिल हैं। बीएसए मौखिक साक्ष्य को इलेक्ट्रॉनिक रूप से लेने की भी अनुमति देता है। इसके अतिरिक्त, पीड़िता को अधिक सुरक्षा प्रदान करने और बलात्कार के अपराध से संबंधित जांच में पारदर्शिता लागू करने के लिए, पीड़िता का बयान ऑडियो-वीडियो माध्यम से दर्ज किया जाएगा। बीएसए ने मौखिक और लिखित स्वीकारोक्ति को शामिल करने के लिए द्वितीयक साक्ष्य का भी विस्तार किया है। इसमें कहा गया है कि द्वितीयक साक्ष्य में उस व्यक्ति का साक्ष्य शामिल होगा जिसने किसी दस्तावेज़ की जांच की है, जिसके मूल में कई खाते या अन्य दस्तावेज़ शामिल हैं जिनकी जांच आसानी से अदालत में नहीं की जा सकती है।

आज का इतिहास

1777 अमेरिका के वोरमोंट शहर में दास प्रथा की समाप्ति ?हुई।
1816 फ्रांसीसी फ्रिगेट मेडुज्यूस ने टोडोडे के मॉरिटानिया के तट से दूर भागते हुए, बचे हुए लोगों के साथ एक अस्थायी दरार पर भाग निकले, जिसे थियोडोर गेरार्ल्ट की पेंटिंग द रफ ऑफ द मेमाडूसा में चित्रित किया गया था।
1881 अमेरिकी राष्ट्रपति जेम्स ए। गारफील्ड को वॉशिंगटन डी.सी. के बोटालिमोर और पोटोमैक रेलरोड स्टेशन पर बुरी तरह से गोली मार दी गई थी।
1890 अमेरिकी कांग्रेस ने शेरमन एंटीट्रस्ट एक्ट पारित किया, जो एकाधिकार को सीमित करने वाली पहली राज्य सरकार की कार्रवाई थी।
1897 इतालवी वैज्ञानिक गुगलेल्मो मारकोनी को लंदन में रेडियो का पेटेंट मिला।
1911 संयुक्त राज्य अमेरिका ने कोलंबिया के साथ अपने राजनयिक संबंधों को समाप्त करके वहां के वाणिज्य दूतावास को भी बंद कर दिया।
1917 ईस्ट सेंट लुइस, इलिनोइस के सफेद निवासियों ने शहर के मोहल्लों को जला दिया और काले निवासियों को गोली मार दी क्योंकि वे चोरी से बच गए थे।
1937 एविएशन के अग्रणी एमेलिया इयरहार्ट और नाविक फ्रेड नोनान्डिसिस ने एसाइक्यूमिनेविजनल फ्लाइट बनाने के प्रयास के दौरान प्रशांत महासागर के ऊपर से उड़ान भरी।
1950 मानसिक रूप से बीमार बौद्ध भिक्षु ने किंकाकू-जी में गोल्डन पैवेलियन में आग लगा दी, जो अब जापान में सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है।
1962 पहला वॉलमार्ट स्टोर, जो अब दुनिया का सबसे बड़ा रिटेलर है, रोजर्स, अर्कांसस, यूएस में खोला गया।
1962 पहला वॉलमार्ट स्टोर कारोबार के लिए रोजर, अर्कंसास में खोला गया।
1964 अमेरिकी राष्ट्रपति लिंडन बी। जॉनसन ने सिविल राइट्स एक्टिन्टो कानून (चित्र) पर हस्ताक्षर किए, स्कूलों में कार्यस्थल पर गैरकानूनी अलगाव, और आम जनता की सेवा करने वाली अन्य सुविधाएं।
1976 वियतनाम युद्ध की समाप्ति के एक साल से अधिक समय बाद, उत्तर और दक्षिण वियतनाम आधिकारिक तौर पर साम्यवादी शासन के तहत एकजुट होकर वियतनाम के सोशलिस्ट गणराज्य का गठन किया।
1976 वियतनाम गणराज्य का अंत हुआ। साम्यवादी उत्तरी वियतनाम ने समाजवादी वियतनाम गणराज्य के साथ जुड़ने की घोषणा की।
1983 स्वदेश निर्मित परमाणु बिजली केंद्र की पहली इकाई ने मद्रास के निकट कलपक्कम में काम करना शुरू किया।

जातिगत भेदभाव पर लोहिया, उनके विचार और शब्द रखते हैं अद्भुत समकालीनता

रामचंद्र गुहा

ब्रिटिश शासन के अंतिम दशकों की बात करें तो भारत में समाजवादी और कम्युनिस्ट नेता उपनिवेशवाद विरोधी राजनीति में सक्रिय थे। उसके बाद आजादी के पहले के दशकों में ये दोनों गुट कांग्रेस पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बने रहे। समाजवादियों और कम्युनिस्टों की शुरुआती पीढ़ियों में साहस और आदर्श के अलावा दूसरे कई गुण भी थे। फिर भी उनमें एक कमी थी- भारतीय समाज में जातिगत भेदभाव के बारे में जागरूकता की कमी। लेकिन इस मामले में समाजवादी विचारक और राजनीतिज्ञ राम मनोहर लोहिया एक अपवाद थे।

जातिगत भेदभाव के ऊपर लोहिया ने जो लिखा, उसे प्रशंसकों ने इकट्ठा कर उनके जीवनकाल में ही एक किताब के रूप में हैदराबाद से प्रकाशित कराया था। हालांकि वह किताब लंबे समय से अब प्रिंट में नहीं है, लेकिन एक स्वतंत्र प्रकाशक ने उसका संशोधित संस्करण जरूर निकाला। संयोग की बात यह है कि वह प्रकाशन संस्थान भी हैदराबाद में ही स्थित था। लोहिया ने अपने वामपंथी साथियों के बारे में लिखा था कि वे ईमानदारी से, लेकिन गलत तरीके से यह सोचते हैं। वे मानते हैं कि सिर्फ आर्थिक असमानता को खत्म करने के परिणामस्वरूप जातिगत असमानता अपने आप खत्म हो जाएगी। उन्हें आर्थिक और जातिगत असमानता रूपी राक्षस को खत्म करना था, पर वे इसे समझ पाने में असफल रहे।

लोहिया इस बात को बखूबी समझते थे कि भारतीय समाज में 'जाति' एक महत्वपूर्ण कारक है। जो लोग इसे सैद्धांतिक रूप से नहीं मानते हैं, वे इसे व्यावहारिक तौर पर इसे स्वीकार करते हैं। उन्होंने लिखा कि भारत में 'जन्म, मृत्यु, विवाह, दावत जैसे अनेक अनुष्ठान' जातिगत ढांचे के अनुसार ही चलते हैं। इस व्यवस्था को यह सुनिश्चित करने के लिए लागू किया गया था कि ऊंची जातियों के लोग राजनीतिक और आर्थिक, दोनों तरह से अपना शासन बनाए रखें। वे अकेले इस व्यवस्था को बंदूक के दम पर नहीं चला सकते थे, इसलिए उन्हें उन लोगों में हीनता की भावना को भरना था, जिन पर वे राज करना चाहते थे या जिनका शोषण करना चाहते थे।

यद्यपि लोहिया दलितों के विरुद्ध भेदभाव को नजरअंदाज नहीं करते। उनका ध्यान उन सवर्ण या उच्च जातियों पर केंद्रित है, जहां से राजनीतिक, प्रशासनिक, पेशेवर, व्यावसायिक और बौद्धिक अभिजात्य वर्ग आते थे और छोटी जातियों का सत्ता और उच्च पदों पर बड़े पैमाने पर प्रतिनिधित्व नहीं था। 1958 में उन्होंने लिखा था कि सवर्ण, भारत की आबादी के पांचवें हिस्से से भी कम हैं। इसके बाद भी वे राष्ट्रीय गतिविधियों, व्यापार, सेना, सिविल सर्विस या फिर राजनीतिक पार्टियों में आसानी से आ जाते हैं। राष्ट्र की प्रगति के लिए इस असंतुलन को सही करना होगा। लोहिया चाहते थे कि उनके साथी समाज के निचले वर्गों, जैसे कि महिलाओं, पिछड़ों , हरिजन, मुस्लिम और आदिवासियों को ऊपर लाने के लिए संघर्ष करें, भले ही उनकी योग्यता आवश्यक रूप से कम हो। वे मानते थे कि सदियों पुराने इतिहास में जो कुछ हुआ, उसे अब खत्म किया जाना चाहिए।

समाजवादियों से लोहिया की अपेक्षा थी कि वे अंतरजातीय, खासतौर से अलग-अलग वर्णों के बीच होने वाले विवाह को बढ़ावा दें। वे लिखते हैं, अगर जाति के बंधन को तोड़ दिया जाए या उसमें थोड़ी ढील दी जाए तो उच्च जाति के बहुत से युवा पिछड़ी जातियों की महिलाओं की ओर आकर्षित होंगे और अपने साथ-साथ देश के लिए खुशियां लाएंगे। ठीक इसी तरह पिछड़ी

जातियों के लड़के उच्च जातियों की महिलाओं की जिंदगी में प्रवेश कर सकेंगे।

1960 में लोहिया ने जाति के अध्ययन और पिछड़ेपन को समझने के लिए संघ के गठन की बात कही थी। उन्होंने इस संघ के आठ मुख्य उद्देश्य बताए, जिनमें से दो के बारे में बताता हूं। पहला यह कि धर्म के साथ-साथ उसकी प्रथाओं को भी जाति दोष से मुक्त किया जाए, इस विश्वास के साथ कि अंतरजातीय विवाह करने से जातियां खत्म हो सकती हैं। दूसरा यह कि सरकारी पदों, राजनीतिक दलों, व्यापार और सशस्त्र सेवा में कानून या परंपरा के तौर पर 60 प्रतिशत पदों को पिछड़ी जाति, महिलाओं, हरिजन और आदिवासियों के लिए सुरक्षित करने की मांग की जाए।

पुस्तक के एक दिलचस्प हिस्से में 1955-56 में एक तरफ डॉ. लोहिया और उनके सहयोगियों तथा दूसरी तरफ डॉ. भीमराव आंबेडकर के बीच आदान-प्रदान किए गए पत्रों की एक श्रृंखला को पुन: प्रस्तुत किया गया है। यहां इन दोनों नेताओं और उनके अनुयायियों को एक-दूसरे के करीब लाने का प्रयास किया गया था, शायद इस उद्देश्य से कि उनकी दोनों पार्टियां 1957 के आम चुनावों में एक साझा मंच पर लड़ें। लोहिया और आंबेडकर के बीच जब पत्र-व्यवहार की शुरुआत हुई थी, लोहिया ने आंबेडकर से कहा था, मैं चाहता हूं कि सहानुभूति के साथ गुस्सा भी जुड़ जाए और आप न सिर्फ पिछड़ी जातियों के, बल्कि भारतीय लोगों के भी नेता बनें। आंबेडकर ने लोहिया के पत्र का जवाब देते हुए लिखा, आप मुझसे 2 अक्तूबर को दिल्ली में आकर मिलें। यह गांधी का जन्मदिन था और शायद यह महज एक संयोग था। दुर्भाग्य से लोहिया के घुमक्कड़ जीवन और आंबेडकर के खराब स्वास्थ्य के कारण दोनों क्रांतिकारी सुधारक व्यक्तिगत रूप से मिलकर संभावित सहयोग पर चर्चा नहीं कर पाए।

6 दिसंबर, 1956 को आंबेडकर का निधन हो गया। लोहिया ने अपने साथी समाजवादी मधु लिमये को लिखा, आंबेडकर भारतीय राजनीति के महान व्यक्ति थे। गांधी के साथ-साथ वे भी सबसे बड़े हिंदू थे। इस तथ्य ने मुझे हमेशा से एक संबल और विश्वास दिया है कि हिंदू धर्म से जाति व्यवस्था एक दिन खत्म हो सकती है। उन्होंने आगे लिखा, डॉ. आंबेडकर विद्वान, ईमानदार, साहसी और स्वतंत्र व्यक्ति थे। उन्हें बाहरी दुनिया में ईमानदार भारत के प्रतीक के रूप में देखा जा सकता था। लेकिन वे थोड़े सख्त थे। उन्होंने गैर-हरिजन का नेता बनने से मना कर दिया।

लोहिया ने सोचा कि आंबेडकर के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि उन्हें डॉ. आंबेडकर ही बना रहने दिया जाए। जातिगत भेदभाव के प्रति लोहिया की गहरी जागरूकता उन्हें अपने समय के अन्य समाजवादियों से अलग करती है और यही बात उनके 'नारीवाद' पर भी लागू होती है। वे लिखते हैं, अगर भारतीय लोग पृथ्वी पर सबसे दुखी हैं, तो जातिगत भेदभाव और महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण इस पतन के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। लोहिया ने लिखा है, एक पितृसत्तात्मक समाज में ऐसा होता है कि महिला का स्थान रसोई में है। ऐसे में समाजवादियों को इस बात का विरोध करते हुए कहना चाहिए कि ऐसे में तो पुरुषों की जगह नर्सरी में होनी चाहिए। साठ सालों से यह तर्क दिया जा रहा है कि बच्चों के पालन-पोषण में पति और पिता को बराबरी के साथ हिस्सा लेना चाहिए। यह एक आदर्श स्थिति हो सकती है, लेकिन व्यवहार में ऐसा कहीं दिखता नहीं।

इस कॉलम में उद्धृत लेख, पत्र और भाषण 1953 और 1961 के बीच लिखे गए थे। ऐसा हो सकता है कि अभी ब्राह्मणवाद राजनीति और प्रशासन पर उतना हावी न हो, जितना 1950 के दशक में था। फिर भी संस्कृति और आर्थिक जीवन में वे आबादी में अपने हिस्से के अनुपात से कहीं ज्यादा प्रभाव डालते हैं। इसलिए कई मामलों में जाति पर लोहिया के विचार और शब्द एक अद्भुत समकालीनता रखते हैं।

सोनाक्षी और इकबाल की शादी

रोमांचक किंतु चुनौतीपूर्ण होते हैं ऐसे विवाह

अनुज अग्रवाल

शादी कहने को तो निजी मामला है पर हिंदू धर्म और सनातन संस्कृति में यह स्त्री एवं पुरुष के शारीरिक संबंधों को सामाजिक स्वीकृति से अधिक सामाजिक , आत्मिक एवं आध्यात्मिक आयाम लिए हुए है। भारत में विवाह दो व्यक्तियों का नहीं दो परिवारों का होता है। ऐसे में हिंदू फ़िल्म अभिनेत्री सोनाक्षी अगर एक मुस्लिम युवक इकबाल से विवाह बंधन में बंधे तो यह केवल चर्चा का मुद्दा बन जाता है बल्कि अनेक विवादों को भी जन्म दे देता है। शुद्ध हिन्दुवादियों के लिए लव जिहाद का एक उदाहरण है जिसमें अनुमान लगाए जा रहे हैं कि यह एक कॉंट्रैक्ट मैरिज जैसा भी कुछ पका है (जिसके लिए सोनाक्षी को बड़ी रक़म जिहादियों द्वारा दी गई है) जो तीन साल बाद समाप्त हो जाएगी किंतु इससे प्रेरित होकर हज़ारों हिंदू युवतियाँ मुस्लिम युवकों से शादी करने के लिए प्रेरित हो सकती हैं और लव जिहाद की शिकार हो सकती हैं। कट्टर मुस्लिम और जिहादी भी इस विवाह को इसी रूप में ले रहे हैं और इसको इस्लाम की जीत बता रहे हैं। मध्यममार्गी हिंदुओं के अनुसार इस विवाह में कुछ गलत नहीं है। दोनों सोनाक्षी एवं इकबाल कई वर्षों से एक दूसरे को जानते थे और प्यार करते थे । स्वाभाविक है एक दूसरे की कमज़ोरियों एवं ताकत का उनको अंदाज़ा होगा ही। दोनों के परिवार भी एक दूसरे से अच्छी तरह परिचित हो चुके होंगे और दो धर्मों के युवक युवती के इस विवाह की चुनौतियों को गहराई से समझते होंगे। फिर इस विवाह में सोनाक्षी ने तो धर्म बदला और न ही मुस्लिम रीति रिवाजों से शादी की है। वे कोर्ट मैरिज के माध्यम से इक़बाल से जुड़ी हैं और आज भी हिंदू हैं। यद्यपि उनके विवाह को इस्लाम में निकाह ही समझा जाएगा और उसी के अनुरूप उनको आचरण करना होगा। अगर गहराई से देखें तो जीवन शैली एवं आचरण में न तो सोनाक्षी पूर्ण रूप से सनातनी हैं और न ही इकबाल इस्लामिक। दोनों परिपक्व वयस्क हैं तथा सफल व्यावसायिक जीवन जी रहे हैं। दोनों नारीवादी सोच , किसी हद तक स्वतंत्र सोच एवं जीवन जीने वाले, पाश्चात्य जीवन शैली एवं विचारों से प्रभावित हैं और अपना भला बुरा जानते हैं। ऐसे में वे जो कर रहे हैं वो उनका निजी मामला और क़ानूनी अधिकार है , जिस पर कोई कैसे आपत्ति कर सकता है। जिस हिंदू माता पिता को लगता है कि उनकी बेटी सोनाक्षी से प्रभावित होकर लव जिहाद का शिकार हो सकती है , या तो उसके पालन पोषण में कोई कमी हो सकती है या बच्ची को दिए गए संस्कारों में । जो हिंदू धर्म से गहराई से जुड़ा होता है वह युवक-युवती सनातन की शिक्षा व संस्कारों से जुड़ा व बंधा होता है और इन खोखले आकर्षण का शिकार नहीं होता। सोनाक्षी जैसे लोग जो खुली सोच के नाम पर कटी पतंग जैसे बन जाते हैं उनको किसी ग़ैर हिंदू से विवाह से होने वाले काल्पनिक झटकों के लिए भी स्वयं को तैयार रखना होगा क्योंकि अगर कुछ बुरा उनके साथ होता है तो उसकी ज़िम्मेदारी भी उनकी और उसके दुष्परिणाम भी उनके। निश्चित रूप से ऐसे में वो प्रहसन की पात्र भी होंगी और नितांत अकेली भी। इसलिए रोमांचक किंतु चुनौतीपूर्ण होते हैं ऐसे विवाह।

विश्व कप जीतने पर गौरवान्वित भारत

मनोज चतुर्वेदी

बरबाडोस के केनसिंग्टन ओवल मैदान पर छाये बादल बरसते, इससे पहले ही भारतीय खिलाड़ियों की अश्रुधारा बह निकली। इसकी वजह भारत का 2007 के बाद पहली बार टी-20 विश्व कप जीतना था। फाइनल में खिलाड़ियों का ही नहीं, दर्शकों के लिए भी धड़कनों पर काबू रखना मुश्किल हो रहा था। मुकाबला इतना रोमांचक था कि आखिरी ओवर तक यह तय नहीं था कि कौन जीतेगा। पर भारतीय दल ने आखिरी ओवरों में सब कुछ झोंककर 13 सालों बाद विश्व कप जीतने का गौरव दिला दिया।

भारत ने आखिरी बार 2011 में महेंद्र सिंह धौनी की अगुआई में वनडे विश्व कप जीता था। साल 2007 में पहली बार आयोजित हुए टी-20 विश्व कप को भी भारत ने जीता था। विश्व कप में विजेता बनने की शुरुआत कपिलदेव के नेतृत्व में 1983 में हुई थी। इस विश्व कप में भारतीय टीम सही मायनों में एक चैंपियन की तरह खेली और अजेय रहकर विजेता बनी। इस तरह से विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम पहली है। फाइनल की प्रतिद्वंद्वी दक्षिण अफ्रीका टीम भी अजेय रहकर फाइनल में पहुंची थी। एडन मारक्रम की अगुआई वाली इस टीम के सामने अपने ऊपर से चौकर्स का टेग हटाने का दवाब था। फाइनल में पहुंचने से यह टेग किसी हद तक हट गया है।

दक्षिण अफ्रीका एक समय चैंपियन बनने की तरफ भी बढ़ गयी थी, जब उसे 24 गेंदों में सिर्फ 26 रन बनाने थे और उसके छह बल्लेबाज बाकी थे। तभी भारतीय गेंदबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया और उन्हें सूर्यकुमार यादव जैसे क्षेत्ररक्षकों का सहयोग मिला। भारतीय टीम को योजनाबद्ध ढंग से खेलने से यह सफलता मिली है। टीम ने पिछले साल घर में हुए आईसीसी वनडे विश्व कप में भी शानदार प्रदर्शन किया था। इस विश्व कप के लिए रोहित शर्मा के हाथों में ही कमान रहने का सात महीने पहले फैसला होने के समय ही कोच द्रविड़ और कप्तान शर्मा ने तय कर लिया था कि

इस बार टी-20 को उसके अंदाज में ही खेलेंगे।

ऐसे में विराट कोहली चल नहीं सके और उन्हें लगातार ओपनर की भूमिका में रखने की आलोचना भी हुई। इसकी वजह यशस्वी जायसवाल के रूप में एक आक्रामक ओपनर होना था। पर द्रविड़ और रोहित जानते थे कि विराट की क्या क्षमता है। इस कारण उन्होंने आलोचनाओं पर ध्यान दिये बगैर विराट पर भरोसा रखा, जो भारत को फाइनल में सफलता दिलाने में अहम साबित हुआ। भारत के तीन प्रमुख बल्लेबाज सस्ते में निकल जाने के बाद विराट ने अक्षर पटेल के साथ पारी को न सिर्फ संवारा, बल्कि स्कोर को लड़ने लायक स्थिति में पहुंचाया। यह सही है कि द्रविड़ के कार्यकाल में भारत की यह पहली आइसीसी ट्रॉफी है, पर उनके ढाई साल के कार्यकाल में भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे विश्व कप के फाइनल में खेला। यह प्रदर्शन शानदार ही है। अब द्रविड़ के कोच पद छोड़ने और विराट कोहली व रोहित शर्मा द्वारा टी-20 से संन्यास लेने की घोषणा कर देने से नये कोच को अपने हिसाब से इस प्रारूप के लिए नयी टीम खड़ी करने का मौका होगा।

भारतीय गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह तो लगातार कमाल कर ही रहे थे, पर इसमें हार्दिक पांड्या नये हीरो के रूप में उभरे। उन्हें जब आखिरी ओवर में गेंद थमायी गयी, तो दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 16 रन बनाने थे और उनके सामने डेविड मिलर थे, जिन्हें आक्रामक अंदाज के लिए जाना जाता है। इस ओवर को करते समय हार्दिक ने तो अपनी धड़कनों को काबू में रखा ही, पर उन्हें सफल बनाने में सूर्यकुमार यादव की भूमिका भी अहम रही। मिलर ने पहली ही गेंद पर छक्का लगाने का प्रयास किया और गेंद सीमारेखा के पार भी जा रही थी। पर वहां खड़े सूर्यकुमार ने जिस अंदाज में कैच पकड़ा, उसे ही मैच को भारत के पक्ष में बदलने वाला माना जा रहा है।

राहुल द्रविड़ के कोच के तौर पर कार्यकाल का यह आखिरी टूर्नामेंट था, इसे रोहित शर्मा की टीम यादगार बनाने में सफल रही। द्रविड़ खिलाड़ी के तौर पर विश्व कप जीतने का सपना साकार नहीं कर सके थे, वह उन्होंने कोच के तौर पर पूरा कर लिया है। इस सफलता में राहुल द्रविड़, रोहित शर्मा और मुख्य चयनकर्ता अजित आगरकर की तिकड़ी की अहम भूमिका रही। इनके बेहतरीन निजी रिश्तों से टीम को तैयार करने का तरीका, सोच और लक्ष्य एक रहा। द्रविड़ और रोहित को जिस खिलाड़ी की जरूरत होती, उसे उपलब्ध कराने में आगरकर ने कभी आनाकानी नहीं की। यह सफलता द्रविड़ की हर खिलाड़ी के साथ आपसी समझ बनाने का भी परिणाम है। यही वजह है कि जिन रोहित और हार्दिक में आईपीएल के दौरान अनबन की खबरें आ रही थीं, वे एकजुट होकर टीम को सफल बनाने का प्रयास करते दिखे।

राहुल द्रविड़ को रोहित शर्मा और अजित आगरकर का साथ तो मिला ही, साथ ही उन्होंने सपोर्ट स्टाफ में भी उन सदस्यों को ही रखा, जो उनके साथ खेले थे और उनसे संबंध अच्छे थे। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर और गेंदबाजी कोच पारस महाम्ब्रे उनके साथ खेले हुए हैं। इस कारण टीम को एक दिशा में चलाने में आसानी हुई। यह सही है कि द्रविड़ के कार्यकाल में भारत की यह पहली आईसीसी ट्रॉफी है, पर उनके ढाई साल के कार्यकाल में भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे विश्व कप के फाइनल में खेला। यह प्रदर्शन शानदार ही है।

ऋषि सुनक ही नहीं टीम इंडिया भी छीन रही अंग्रेजों की खुशियां

शैलेंद्र पांडेय

आंखों की गुस्ताखियों की तरह होंठों की शरारत भी छुपती नहीं। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन और माइकल अर्थटन जब टी-20 विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में टीम इंडिया की हार की भविष्यवाणी कर रहे थे, तब उनकी चेहरे पर आई मुस्कान को होंठों के कोरों पर धकेलने की असफल कोशिश साफ समझ आ रही थी।

बड़े ही आत्मविश्वास के साथ क्रिकेट के दोनों महारथियों ने ऐलान कर दिया था कि फाइनल होगा इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच। उनके भरोसे की बुनियाद थी भारत का पिछले एक दशक में आईसीसी इवेंट्स के नॉकआउट मुकाबलों में हार का सिलसिला और पिछले टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में टीम इंडिया पर मिली 10 विकेटों की एकतरफा जीत।

भविष्यवाणी सच तो हुई, लेकिन आधी। मुस्कान गायब हो चुकी है पूरे इंग्लैंड की। अब उसकी जगह खिसियाई हंसी निकल रही है, जो कह रही है कि हम लोग बहुत खराब खेले, कि पिच भारतीयों के मुफीद थी, वगैरह। एक और पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इंटरनैशनल क्रिकेट काउंसिल की ओर से भारत को मिलने वाली सहूलियतों की ओर ध्यान खींचा, तो जवाब में रविचंद्रन अश्विन ने एक्स पर ऐसा फॉर्म्युला दिया है, जिसे सॉल्व करने के लिए ऑक्सफर्ड की मदद लेनी पड़ जाएगी। लेकिन, बात चिढ़ने की नहीं है। अंग्रेजों का दुख समझा जा सकता है, जो खत्म होने का नाम ही नहीं लेता। जब भी बेचारे खुश होने की कोशिश करते हैं, कोई भारतीय आकर कान ऐंठ जाता है। क्या ऋषि सुनक का खौफ कम था उन पर, जो टीम इंडिया भी राशन-पानी लेकर चढ़ी हुई है।

इंग्लिश कमेंटेटर्स और क्रिकेट एक्सपर्ट्स की एनालिसिस देखकर इतना समझ आ जाता है कि उन्हें दुनिया में इससे बढ़कर दूसरा कोई डर नहीं लगता कि उनकी टीम खेल के मैदान पर भारत से हार जाए। उनके लिए यह पचाना बहुत मुश्किल है कि जिस देश को उनके पूर्वजों ने क्रिकेट खेलना सिखाया अब वही उन्हें पटखनी दे रहा है। कहां तो क्रिकेट की दुनिया चलती

थी लॉर्ड्स से और कहां भारत उसे खींचकर बीसीसीआई ऑफिस ले आया। एडमिनिस्ट्रेशन हाथ से गया ही, खेल भी हाथ से जा रहा है।

इंग्लिश टीम जब भी अपना रुआब जमाने की कोशिश करती है तभी भारतीय टीम मॉनिटर की तरह आकर क्लास से बाहर निकाल देती है। इस साल की शुरुआत में बैजबॉल का परचम थामकर अंग्रेज भारत पहुंचे थे। तब यह चर्चा आम थी कि इंग्लैंड ने टेस्ट क्रिकेट खेलने का तरीका बदल दिया। लेकिन, भारतीय जमीन पर आते ही क्या हुआ? विशाखापट्टनम से लेकर धर्मशाला तक, बैजबॉल के सारे नट-बोल्ट खोलकर फैला दिए। गयाना में जो हुआ, उसकी तुलना भी उसी हश्र से कर सकते हैं। दोनों परिणामों के बाद इंग्लैंड में चर्चा चल रही है कि अब स्ट्रैटिजी बदलनी चाहिए।

इंग्लैंड के सामने लेकिन संकट है कि भारत को लेकर स्ट्रैटिजी बदले तो कहां-कहां? क्रिकेट के मैदान में, घरेलू राजनीति में, वर्ल्ड इकॉनमी में या कूटनीति में? क्रिकेट में फिर भी 2022 के एडिलेड को याद कर कुछ पल के लिए खुश होने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन बाकियों का क्या करें?

जिस तरह टीम इंडिया ने इंग्लैंड के अहं को चोट पहुंचाई है, कुछ वैसा ही काम किया है ऋषि सुनक ने भी। Winchester College, ऑक्सफर्ड और स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट, महारानी से भी ज्यादा दौलत के मालिक और अक्षता मूर्ति जैसी शख्सियत के पति हैं सुनक। जब वह पीएम बनने वाले थे तो एक बहस यह भी थी कि वह तो पूरे ब्रिटिश भी नहीं। लेकिन, वही आधा-अधूरा ब्रिटिश करीब दो साल से ब्रिटेन की सबसे ज्यादा खबर ले रहा है।

गयाना में हुए सेमीफाइनल में अक्षर पटेल की पहली ही बॉल को अंग्रेज कप्तान जोस बटलर रिवर्स स्वीप करने चले गए और विकेट गंवा बैठे। ऋषि सुनक वहां पीएम हाउस में बैठकर रोज रिवर्स स्वीप खेल रहे हैं और उनकी कंजर्वेटिव पार्टी का विकेट गिरता जा रहा है। ऋषि सुनक यह सब जानबूझकर नहीं करते, उनसे बस हो जाता है।

अब इसमें उनकी क्या गलती कि उनके आने के बाद महंगाई दर 11% के पार चली गई और अगले सात महीनों तक दो अंकों के बीच टिकी रही। इसमें भी उनकी कोई गलती नहीं कि उनके आने के बाद ही ब्रिटेन को कास्ट ऑफ लिविंग क्राइसिस से जूझना पड़ा, जिससे आम लोगों के living standards में गिरावट आई, साथ ही बिजली के बिल बढ़कर आने लगे। भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट न होने और रवांडा प्लान फेल होने के पीछे भी सुनक की क्या गलती? लेकिन, जनता उनके पीछे ऐसा हाथ धोकर पड़ी है कि उनके जूतों से लेकर घर में इस्तेमाल होने वाले टी सेट तक पर क्रिटिकल हुए जा रही है।

दुनिया की पिच रफ हो चुकी है और भारत की स्पिन का ब्रिटेन के पास जवाब नहीं। उसकी अर्थव्यवस्था को टॉप 5 से बाहर निकाल कर हम पहले ही वहां काबिज हो चुके हैं। उस पर इतने सारे झटके - रहम के लिए भी नहीं कह पा रहे अंग्रेज। वहां के मीडिया ने 4 जुलाई को होने वाली वोटिंग से पहले सुनक को नाम दिया है tetchy Rishi यानी चिड़चिड़े ऋषि। लेकिन लगता है कि भारत के खौफ ने चिड़चिड़ा ब्रिटेन को बना दिया है।

जवाब तो जनता के बीच जाकर ही देना होगा

अमिताभ श्रीवास्तव

सत्तापक्ष कह रहा है कि वह विपक्ष के सारे सवालों का जवाब विधानमंडल के सदनों में तथ्यात्मक रूप से देगा, किंतु जनता के अनेक सवाल खुले आसमान के नीचे गूंज रहे हैं। महाराष्ट्र विधानमंडल का वर्षाकालीन सत्र आरंभ हो चुका है। परंपरा अनुसार सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी तैयारी के साथ सदन में पहुंच रहे हैं। दोनों हाल के लोकसभा चुनाव की जीत-हार पर अपने-अपने दावे कर मतदाताओं के बीच स्वयं को सफल सिद्ध कर रहे हैं, लेकिन सत्ताधारियों और विपक्षी गठबंधन के चुनाव परिणाम 17 के मुकाबले 31 सीटें रहे, जिससे जनता के झुकाव की दिशा स्पष्ट हो जाती है। फिर भी यदि आंकड़ों के समझाने में कोई तरीका बदला जाता है तो भी नतीजों में कोई बड़ा अंतर नहीं दिख पाता है। यह साफ करता है कि चाहे आरोप-प्रत्यारोप की लड़ाई को किसी भी सीमा या चार-दीवारी के बीच लड़ लिया जाए, किंतु असली फैसला तो आम आदमी के सवालों को मिले जवाब से ही आता है, जो लोकसभा चुनाव के दौरान अनुत्तरित रहे। लोकसभा चुनाव की जब भी समीक्षा होती है तो महागठबंधन प्राप्त मतों की संख्या से अपनी पराजय को हल्के में लेता है। उसका दावा है कि इंडिया गठबंधन को महाराष्ट्र में 43.9 प्रतिशत और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(एनडीए) को 43.5 प्रतिशत मत मिले। इसके आधार पर दोनों गठबंधनों में अंतर नहीं रह जाता है। दूसरे शब्दों में शिवसेना का शिंदे गुट यह भी कहता है कि उसका शिवसेना के उद्धव गुट से 13 सीटों पर आमना-सामना हुआ, जिसमें से उसने 7 सीटें जीतीं। यहां तक कि मुंबई में महाविकास आघाड़ी का 'स्ट्राइक रेट' 42 फीसदी रहा, जबकि महागठबंधन का 47 फीसदी दर्ज हुआ। यदि आंकड़ों की सच्चाई को अधिक विस्तार से देखा जाए तो भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) ने नौ सीटें जीतकर 26.2 प्रतिशत मत पाए, वहीं गठबंधन में उसकी सहयोगी राकांपा अजित पवार गुट ने एक सीट जीतकर 3.6 प्रतिशत मत हासिल किए। वहीं शिवसेना के शिंदे गुट को सात सीटों के साथ 12.9 प्रतिशत मत मिले और राष्ट्रीय समाज पार्टी को कोई सीट नहीं मिली और मत 0.8 प्रतिशत मिले. दूसरी ओर इंडिया गठबंधन की महाविकास आघाड़ी में कांग्रेस को 13 सीटों के साथ 16.9, शिवसेना उद्धव गुट को नौ सीटों के साथ 16.7 प्रतिशत और राकांपा के शरद पवार गुट को आठ सीटों के साथ 10.3 प्रतिशत मत मिले। मत प्रतिशत के आधार पर यह बात साफ हो जाती है कि महागठबंधन में भाजपा के अलावा कोई भी सहयोगी महाविकास आघाड़ी के सभी सहयोगियों से अधिक मत हासिल नहीं कर सका। हालांकि सब जोड़ कर दोनों की स्थिति बराबर के समीप पहुंच जाती है। किंतु कांग्रेस का 17 सीटों में से 13 जीतना, राकांपा शरद पवार गुट का दस में से आठ सीटें जीतना 'स्ट्राइक रेट' के दावों पर सवाल खड़ा कर देता है। शिवसेना उद्धव गुट का 21 सीटें लड़कर नौ जीतना और शिवसेना शिंदे गुट का 15 सीटें लड़कर सात स्थान जीतना एक-दूसरे के लिए संदेश हो सकता है। किंतु जब बात राज्य स्तर पर गठबंधन की निकलती है तो परिणाम सामूहिक रूप से समीक्षा के दायरे में आएंगे। जिसमें चुनाव से पहले 45 सीटें जीतने का दावा किया गया था। स्पष्ट है कि लोकसभा चुनाव ने राज्य सरकार को संदेश देने का काम किया है। भले ही यह माना जाए कि आम चुनाव सम्पूर्ण राष्ट्र की चिंताओं और आवश्यकताओं के आधार पर होते हैं, लेकिन उनके परिणामों से मिला संदेश राज्यों के लिए भी होता है। चुनावों में जनप्रतिनिधि जमीनी हकीकत को जानकर देश के सर्वोच्च सदन में जाते हैं। अभी गुरुवार को ही महाराष्ट्र के आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 में सामने आया है कि राज्य प्रति व्यक्ति आय के मामले में देश में छठवें नंबर पर आ गया है। राज्य में प्रति व्यक्ति की आय 2,52,389 रुपए बताई गई है, जो गुजरात से पीछे खिसकने के बाद छठे क्रमांक पर पहुंच गई है. आर्थिक सर्वेक्षण कहता है कि 2021-22 में बड़े उछाल के बाद महाराष्ट्र का विकास इंजन धीमा हो गया है. वह 'स्लाइडिंग मोड' पर है। वित्तीय वर्ष 2021-2022 और पिछले आर्थिक सर्वेक्षण में महाराष्ट्र प्रति व्यक्ति आय के मामले में कर्नाटक, तेलंगाना, हरियाणा और तमिलनाडु के बाद पांचवें नंबर पर था।

भूलकर भी न सोए इस दिशा की ओर सिर करके, जानें क्या होता है इसका दुष्प्रभाव?

वास्तु शास्त्र के अनुसार गलत दिशा में सोने से ना केवल सेहत पर बुरा असर पड़ता है बल्कि इससे आर्थिक स्थिति पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार दक्षिण दिशा के विपरित उत्तर दिशा में सिर करके सोना अच्छा नहीं होता। दक्षिण दिशा में पैर ओर उत्तर में सिर करके सोने से कई तरह के नुकसान होते है।

जब हम सभी बिस्तर पर सोते समय अक्सर हम किसी भी दिशा में अपना सिर रख लेते हैं। तो हमे पता नहीं रहता इसका क्या असर होगा। वास्तु शास्त्र के अनुसार गलत दिशा में सोने से सेहत पर बुरा असर पड़ता है, बल्कि इससे आर्थिक स्थिति पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। जब आप उत्तर दिशा में सिर करके सोना वास्तु में गलत बताया गया है। दक्षिण दिशा में पैर ओर उत्तर में सिर करके सोने से कई तरह के नुकसान होते है, आइए आपको बताते हैं।

दरिद्रता आती है

उत्तर दिशा में सिर करके सोना सही नहीं माना जाता है क्योकिं शास्त्रों के अनुसार इस दिशा में सिर करके सोने से दरिद्रता आती है।

नहीं रुकता पैसा

जो लोग इस उत्तर की दिशा मे सिर करके सोते हैं, उन्हें हमेशा पैसों की दिक्कत रहती है और उनके हाथ में कभी पैसा नहीं टिकता।

अनिद्रा की समस्या

वास्तु शास्त्र में उत्तर दिशा में सोने के लिए गलत बताया गया है, जो लोग इस दिशा में सिर करके सोते हैं, उन्हें अनिद्रा की समस्या रहने लगती है। बार-बार इस दिशा में सोने से व्यक्ति को रात को सोते समय अनिद्रा की समस्या बढ़ने लगती है।

मानसिक तनाव होता है

उत्तर दिशा में सिर करके सोने से मानसिक तनाव होता है। इसकी वजह से बेवजह का तनाव महसूस होता है। अगर आप इस दिशा में सिर करके सोते हैं तो सावधान हो जाए, वरना मानसिक तनाव बढ़ सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार इससे शरीर में कई तरह की दिक्कतें आने लगती हैं।

नकारात्मकता आती है

उत्तर दिशा को सोने के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता। इस दिशा में सिर करके सोने से जीवन में नकारात्मकता छाई रहती है। घर में अजीब नकारात्मक उर्जा रहती है। जिस वजह से आपका काफी नुकसान हो सकता है।

यमराज की दिशा

अगर आप उत्तर दिशा में सिर रखते हैं, तो आपके पैर दक्षिण में होते हैं। इसे यमराज की दिशा माना जाता है। ऐसे में इस दिशा में सोने से जान के लिए जोखिम हो सकता है। दक्षिण दिशा की ओर पैर करके सोना मतलब खुद के प्राण यमराज को सौंपना।

प्रबल शनि रेखा होने पर मिलता है राजा की तरह जीवन, इस उम्र तक हो जाते हैं मालामाल

जिन जातकों की हथेली में शनि रेखा प्रबल होती हैं, कम मेहनत में भी अच्छी खासी सफलता हासिल कर लेते हैं। वहीं जिन लोगों की हथेली में शनि रेखा टूटी-फूटी या कटी होती हैं, उन्हें जीवन में संघर्ष का सामना करना पड़ता है।

हमारे आसपास ऐसे कई लोग हैं, जो बेहद कम उम्र में कामयाबी पा लेते हैं। आपको बता दें कि हस्तरेखा विज्ञान के मुताबिक ऐसे लोगों की हथेली में शनि रेखा के प्रबल होने के कारण ऐसा होता है। जिन जातकों की हथेली में शनि रेखा प्रबल होती हैं, कम मेहनत में भी अच्छी खासी सफलता हासिल कर लेते हैं।

वहीं जिन लोगों की हथेली में शनि रेखा टूटी-फूटी या कटी होती हैं, उन्हें जीवन में संघर्ष का सामना करना पड़ता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि हथेली में शनि रेखा कहां होती है और शनि रेखा के प्रबल होने से व्यक्ति को क्या-क्या लाभ मिलता है।

हथेली में शनि रेखा

शनि रेखा को बहुत सारे लोग भाग्य रेखा भी कहते हैं। शनि रेखा हथेली में मणिबंध या हाथ के मध्य भाग से शुरू होकर शनि पर्वत तक जाती है। हथेली में मध्यमा उंगली के नीचे शनि पर्वत होता है। यदि हथेली में स्पष्ट, अखंड और गहरी शनि रेखा होती है, तो यह बेहद शुभ मानी जाती है। शनि रेखा को ही भाग्य रेखा भी कहा जाता है। क्योंकि हथेली की यही रेखा व्यक्ति का भाग्य बताती है।

हर कदम पर मिलता है भाग्य का साथ

बता दें कि जिन जातकों की हथेली में शनि रेखा स्पष्ट, अखंड और गहरी होती है, उनको दुनिया की सारी ऐशो-आराम मिलती है। ऐसे जातकों को कम मेहनत में भी बड़ी सफलता मिलती है। वहीं अगर इन जातकों के करियर की बात करें, तो प्रबल शनि रेखा वाले जातकों को अधिकारी पद प्राप्त होता है। वहीं यदि ऐसा जातक प्रयास करें, तो मेहनत करने पर उसे सरकारी नौकरी में सफलता भी प्राप्त होती है।

हथेली में प्रबल शनि रेखा के होने से व्यक्ति को 35 साल की उम्र में जीवन का हर सुख

प्राप्त होता है। शनि रेखा के स्पष्ट, अखंड और गहरी होने पर इसको शनिदेव की कृपा से भी जोड़कर देखा जाता है। माना जाता है कि ऐसे जातकों पर शनिदेव की कृपा दृष्टि हमेशा बनी रहती है। इसके अलावा ऐसे जातकों की लव लाइफ भी काफी अच्छी चलती है और इन जातकों को पार्टनर का सच्चा प्यार मिलता है।

सपने में ये जानवर दिखे तो होगी धनवर्षा, और ये दिखें तो होगा धोखा

ज्योतिष शास्त्र में सपनों का विशेष महत्व होता है और इनमें दिखाई देने वाले जानवरों के भी अपने-अपने संकेत होते हैं. ऐसे सपने व्यक्ति के जीवन में समृद्धि, उन्नति और सफलता के संकेतक हो सकते हैं. इन सपनों का महत्व व्यक्ति के वर्तमान जीवन की परिस्थितियों, उसकी मानसिक स्थिति और भविष्य की संभावनाओं पर आधारित होता है. ज्योतिष शास्त्र में कुछ जानवरों के सपने आमतौर पर शुभ माने जाते हैं तो कुछ अशुभ माने जाते हैं.

हाथी

हाथी का सपना देखना धन, समृद्धि और सम्मान का संकेत माना जाता है. यह शुभ फलदायी और सफलता की ओर संकेत करता है.

2. गाय

गाय का सपना देखना समृद्धि, शांति और सुख का प्रतीक माना जाता है. इसे सकारात्मक और शुभ माना जाता है.

3. मछली

मछली का सपना देखना अच्छे समय और लाभ का संकेत हो सकता है. यह धन और संपत्ति की वृद्धि का प्रतीक माना जाता है.

4. सफेद घोड़ा

सफेद घोड़े का सपना देखना उन्नति और सफ़लता का संकेत माना जाता है. यह यात्रा और सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक हो सकता है.

5. सांप

सांप का सपना देखना अक्सर डरावना लग सकता है, लेकिन यह भी एक प्रकार की शक्ति और परिवर्तन का प्रतीक हो सकता है. इसे शुभ माना जाता है यदि सांप सपने में हानि नहीं पहुंचा रहा हो.

6. काला सांप

काले सांप का सपना देखना खतरे, धोखे, या समस्याओं का संकेत माना जाता है. इसे नकारात्मक और अशुभ माना जाता है.

7. बिच्छू

बिच्छू का सपना देखना आने वाली मुश्किलों, संकटों या विश्वासघात का संकेत हो सकता है. यह भी अशुभ माना जाता है.

सिर्फ सौभाग्यशाली लोगों की हथेली पर मौजूद होता है तिल, किस्मत के धनी होते हैं यह जातक

कई लोगों के हाथों पर तिल पाया जाता है। हथेली पर कुछ जगह पर तिल बेहद शुभ माना जाता है। वहीं हथेली पर मौजूद कुछ तिल अशुभ माने जाते हैं। बता दें कि हस्तरेखा शास्त्र की मदद से हथेली पर मौजूद रेखाओं, तिल और योगों से भविष्य का पता लगाया जा सकता है। अगर आपकी हथेली पर भी तिल है और आप इसके बारे में जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि हथेली पर पाया जाने वाला कौन सा तिल शुभ होता है और कौन सा तिल अशुभ होता है।

हथेली पर मौजूद शुभ तिल

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, जिस व्यक्ति के शनि पर्वत पर तिल पाया जाता है। वह अपने जीवन में खूब मान-सम्मान और सुख-संपत्ति बटोरता है। शनि पर्वत पर तिल व्यक्ति के सुखी जीवन को दर्शाने का काम करता है। भाग्यशाली लोगों के गुरु पर्वत के ऊपर तिल पाया जाता है, इन लोगों के जीवन में कभी धन की कमी नहीं होती है। बता दें कि इन जातकों का जीवन सुख-सुविधाओं से भरपूर होता है। अनामिका उंगली पर तिल का निशान होना शुभ माना जाता है। ऐसे व्यक्ति को सरकारी क्षेत्र में उपलब्धि और मान-सम्मान प्राप्त होता है। वहीं जिन लोगों के अंगूठे पर तिल पाया जाता है। वह उन जातकों को अपने वैवाहिक जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे जातक रूल्स फॉलो करने वाले होते हैं और न्याय का साथ देने वाले होते हैं। जिन जातकों की सबसे छोटी उंगली के ऊपर तिल होता है, उन लोगों को पैतृक संपत्ति मिलने की संभावना होती है।

हथेली पर मौजूद अशुभ तिल

सबसे छोटी उंगली के नीचे मौजूद बुध पर्वत पर तिल शुभ नहीं माना जाता है। ऐसे जातक के मान-सम्मान में कमी आती है। अनामिका उंगली के नीचे सूर्य पर्वत पर पाया जाने वाला तिल शुभ नहीं माना जाता है। इस जगह पर तिल होने का मतलब है कि सरकारी काम या सरकारी नौकरी मिलने में दिक्कत आ सकती है।

हथेली की ये रेखाएं दिलाती हैं पैसा ही पैसा, माँ लक्ष्मी रहती हैं मेहरबान

हाथों की रेखाओं में भी कई राज छुपे होते हैं। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, हथेली पर मौजूद रेखाओं से प्रेम जीवन, करियर, सेहत, और शादी के बारे में भी पता लगाया जा सकता है। हथेली की कुछ रेखाएं बेहद शुभ मानी जाती हैं, जो मजबूत आर्थिक स्थिति की ओर इशारा करती हैं। जिस व्यक्ति के हाथ में ऐसी रेखाएं होती हैं, उस पर माँ लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है। ऐसे व्यक्ति को पैसे कमाने में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती है।

1- अंगूठे पर मछली, वीणा या सरोवर का निशान होना शुभ माना जाता है, ऐसे व्यक्ति को खूब यश प्राप्त होता है। ऐसे चिह्न वाले व्यक्ति बड़े बिजनेसमैन बनते हैं और इनके पास समृद्धि टिकती है। ऐसे निशान बहुत ही बारीकी से देखे जाने पर मिलते हैं।

2- अनामिका उंगली के नीचे पुण्य रेखा और मणिबंध से शनि रेखा मध्यमा उंगली तक जाने पर राजसुख की प्राप्ति होती है। जिस व्यक्ति के हाथ में ऐसी रेखा होती है उसके ऊपर शनिदेव की भी असीम कृपा बनी रहती है। शनि शुभ हो तो जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

3- जिस व्यक्ति की हथेली के एकदम बीच वाले हिस्से पर कोई बाण, तोरण, रथ, ध्वजा या चक्र का निशान दिखता है, वह जीवन में खूब तरक्की करते हैं। ऐसे लोगों को जीवन में राजसुख मिलता है। ऐसे लोगों को धन-दौलत की कमी नई रहती है।

स्वस्थ रहना है तो भूलकर भी इस दिशा में ना रखें दवाइयां वरना पड़ सकते हैं बीमार

वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में रखी चीज़ों की दिशा से हमारे जीवन पर प्रभाव पड़ता है। इसी तरह घर में अगर दवाइयां सही दिशा में ना रखी हों तो कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं।

जीवन का आनंद लेने के लिए शरीर का स्वस्थ होना बहुत जरुरी है। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि तमाम सावधानियों और बचावों के बाद भी हम बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। अगर घर में कोई सदस्य बार-बार बीमार पड़ रहा हो या तमाम तरह की दवाएं खाने पर भी सेहत में सुधार ना हो रहा हो तो इसका कारण वास्तु दोष भी हो सकता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में रखी चीज़ों की दिशा से हमारे जीवन पर प्रभाव पड़ता है। इसी तरह घर में अगर दवाइयां सही दिशा में ना रखी हों तो कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि घर में दवाइयां किस दिशा में रखनी चाहिए-

वास्तुशास्त्र के अनुसार घर की उत्तर पूर्व दिशा को स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है। माना जाता है कि इस दिशा में दवाइयां या फर्स्ट एड बॉक्स को रखने से बीमारी में जल्द लाभ हो सकता है। अगर आप दवाइयां उत्तर पूर्व दिशा में रखते हैं तो इससे आपको सेहत पर सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकता है।

वास्तु के अनुसार, घर में कुछ ऐसी जगहें भी होती हैं जहां पर दवाइयों को रखने पर नकारात्मक परिणाम देखने को मिलते है। दक्षिण-पूर्व और दक्षिण दिशा ऐसी ही कुछ दिशाएं है जहाँ पर दवाइयों को रखने से बचना चाहिए। इन दिशाओं में दवा लेने से इन्हें लगातार लेते रहने की संभावना बानी रहती है। इससे दवाओं का असर कम हो सकता है और बीमारी को ठीक होने में लंबा समय लग सकता है।

उत्तर और पश्चिम के कोण वाली दिशा में दवाइयां नहीं रखनी चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इस दिशा में दवाइयों को रखने से उनका असर देर से होता है। इससे स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता है और आपको बीमारी में भी देर से लाभ होता है।

अक्सर लोग किचन में कुछ दवाइयां या फर्स्ट एड बॉक्स रखते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार, घर के किचन में दवाइयां नहीं रखनी चाहिए। इससे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है।

वास्तु के अनुसार राहु-केतु का संबंध रसायनों से माना जाता है। इस वजह से दवाइयों को कहीं भी टेबल या बेड के सिरहाने पर नहीं रखना चाहिए। इससे राहु-केतु का दुष्प्रभाव झेलना पड़ सकता है।

शमी के पौधे में जरूर चढ़ाना चाहिए यह चीज

बताया जाता है शमी के पौधे से जुड़े कुछ उपायों को करना लाभकारी सिद्ध होता है। उदाहरण के तौर पर शमी के पौधे में दूध डालने से कई ज्योतिषीय लाभ प्राप्त होते हैं। हम आपको बताने जा रहे हैं कि शमी के पौधे में दूध डालने से क्या होता है।

ज्योतिष शास्त्र में कुछ पेड़-पौधों का उल्लेख मिलता है। इन पेड़-पौधों को घर में लगाना काफी शुभ माना जाता है। इन्हीं में से एक शमी का पौधा है। मान्यता के अनुसार, घर में सभी देवी-देवताओं की कृपा प्राप्त होती है। इस पौधे को लगाने से धन संबंधी सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं।

बताया जाता है शमी के पौधे से जुड़े कुछ उपायों को करना लाभकारी सिद्ध होता है। उदाहरण के तौर पर शमी के पौधे में दूध डालने से कई ज्योतिषीय लाभ प्राप्त होते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि शमी के पौधे में दूध डालने से क्या होता है।

शमी के पौधे में दूध डालना

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक शमी के पौधे में दूध डालना शुभ माना जाता है। इस पौधे की बेहद अच्छी ग्रोथ होती है। यह पौधा स्वस्थ बना रहता है। इसके बारे में ज्योतिषीय लाभ के बारे में बताया गया है। ज्योतिष के मुताबिक यदि घर में रखे शमी के पौधे में दूध डाला जाए, तो इससे सभी ग्रह शांत हो जाते हैं। लेकिन शमी के पौधे में दूध डालने की सही विधि का पालन करना बेहद जरूरी होता है। इससे व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्त हो सकती है।

शमी के पौधे में दूध डालने के फायदे

बता दें कि शमी के पौधे में कई देवी-देवताओं का वास होता है। वहीं दूध का चंद्रमा से संबंध होता है। इसके साथ ही शमी के पौधे को शनिदेव, भगवान शिव और भगवान विष्णु का पौधा माना जाता है। इस पौधे में दूध डालने से सभी देवता प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति पर चंद्रदेव की कृपा बनी रहती है। शमी के पौधे में दूध डालने से ग्रह दोष से छुटकारा मिल सकता है। यदि किसी जातक की कुंडली में ग्रह दोष होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याएं होने लग जाती हैं। इसलिए इन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। शमी के पौधे में दूध डालने से कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत हो सकती है। साथ ही घर में नकारात्मकता का वास होता है। यदि आप कर्ज में डूबे हैं, तो इस उपाय को करने से छुटकारा मिल सकता है। इसलिए शमी के पौधे में दूध जरूर डालना चाहिए।

मकर राशि वाले धारण करें इनमें से कोई 1 रत्न

बनेंगे बिगड़े हुए काम, हर क्षेत्र में होंगे सफल

रत्न शास्त्र के अनुसार, जीवन में नए सकारात्मक बदलावों और मनचाही सफलता प्राप्त करने के लिए राशिनुसार कुछ विशेष रत्नों को धारण करना बेहद लाभकारी माना गया है। मान्यता है कि सुख-सौभाग्य में वृद्धि के लिए साधक को अपनी राशि के अनुसार कुछ खास रत्नों को पहनना चाहिए। इससे जीवन की सभी बाधाएं दूर होती है और जीवन के हर क्षेत्र में भाग्य साथ देता है। आइए जानते हैं कि मकर राशि वालों के लिए कौन-सा रत्न शुभ फलदायी साबित हो सकता है।

ब्लू सैफायर

रत्न शास्त्र के अनुसार, साल 2024 में मकर राशि के जातक ब्लू सैफायर यानी नीलम रत्न धारण कर सकते हैं। यह रत्न जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली का कारक माना जाता है। मान्यता है कि इस रत्न को पहनने से समाज में मान-सम्मान बढ़ता है। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होती है। आय के नए स्त्रोतों से धन लाभ होता है। करियर से जुड़ी सभी परेशानियां दूर होती हैं।

ग्रीन एमराल्ड (पन्ना)

इसके अलावा मकर राशि के लोग ग्रीन एमराल्ड रत्न भी पहन सकते हैं। कहा जाता है कि इस रत्न को पहनने से शैक्षिक कार्यों में आने वाले व्यवधान समाप्त होते हैं। करियर में मनचाही सफलता मिलती है। मन में किसी बात को लेकर कनफ्यूजन नहीं होती है। साथ ही पढ़ाई में मन लगता है।

डायमंड

करियर में तरक्की के नए अवसरों के लिए मकर राशि वालों के लिए हीरा पहनना भी लाभकारी साबित हो सकता है। मान्यता है कि इस रत्न को पहनने से सुख-सौभाग्य में वृद्धि होती है। व्यक्ति अपने करियर गोल्स को लेकर महत्वकांक्षी नजर आता है। हीरा पहनने से आकर्षण शक्ति बढ़ती है। नौकरी में प्रमोशन के चांसेस बढ़ते हैं ।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

अब दंड की जगह न्याय होगा : अमित शाह

नईदिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में संसद पुस्तकालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। देश में तीनों नए आज यानी एक जुलाई से कानून लागू हो गए हैं और इसको लेकर गृह मंत्री ने कहा कि देश की जनता को मैं बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं कि आजादी के 77 साल बाद आपराधिक न्याय प्रणाली पूर्णतया स्वदेशी हो रही है और भारतीय Ethos के आधार पर चलेगी। 75 साल बाद इन कानूनों पर विचार हुआ। ये कानून जब आज से हर थाने में अपना काम करना चालू करेंगे तब अंग्रेजों के बनाएं हुए कानून निरस्त होंगे और भारत की ससंद में बनाए गए कानून आएंगे। अमित शाह ने कहा कि दंड की जगह न्याय लेगा, देरी की जगह स्पीडी ट्रायल और स्पीडी जस्टिस मिलेगा और पहले सिर्फ पुलिस के अधिकारों की रक्षा की गई थी अब पीड़ितों व शिकायतकर्ता के अधिकारों की रक्षा होगी। इस नए नजरिए के साथ ये तीनों कानून देश में लागू हुए हैं।

नए आपराधिक कानून प्रभावी होते ही कांग्रेस ने साधा निशाना

नईदिल्ली। नए आपराधिक कानून लागू होते ही विपक्ष ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। सत्ता पक्ष पर सांसदों को निलंबित करके जबरन कानून पारित करने का आरोप लगाया और दावा किया कि कानूनों के प्रमुख हिस्से कट, कॉपी और पेस्ट का काम हैं। पिछले दिसंबर में संसद में पारित भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की विपक्षी नेताओं ने आलोचना की है, जिनका दावा है कि उन्हें पर्याप्त चर्चा और बहस के बिना संसद में पेश किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि चुनाव में राजनीतिक और नैतिक झटके के बाद, मोदी जी और भाजपा संविधान का सम्मान करने का दिखावा कर रहे हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि आज से लागू होने वाले आपराधिक न्याय प्रणाली के तीन कानून 146 सांसदों को निलंबित करके जबरन पारित किए गए थे।

दीदी ने कांग्रेस के साथ कर दिया खेला!

नईदिल्ली। डिप्टी स्पीकर के चुनाव के लिए महत्वपूर्ण विपक्षी दलों ने आवाज उठाई है, यह पद पिछले पांच वर्षों से खाली पड़ा है। विपक्षी नेताओं ने कहा कि इंडिया समूह इस पद के लिए फैजाबाद से सपा विधायक अवधेश प्रसाद को मैदान में उतारना चाहता है। इंडिया समूह ने सत्ता पक्ष को बता दिया है कि वे प्रसाद को डिप्टी स्पीकर के रूप में चाहते हैं। सूत्रों ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस ने रविवार को केंद्र से समाजवादी पार्टी के फैजाबाद से सांसद अवधेश को लोकसभा का उपाध्यक्ष बनाने का आग्रह किया। अब तक, केंद्र ने उपाध्यक्ष के चुनाव के लिए कार्यक्रम जारी नहीं किया है, यह पद 17वीं लोकसभा के दौरान खाली रहा था। इस बार इस पद के लिए फैजाबाद/अयोध्या के सांसद और समाजवादी पार्टी के नेता अवधेश प्रसाद की सिफारिश कर ममता बनर्जी की टीएमसी ने बढ़त बना ली है। इससे कांग्रेस की सियासी मंसूबों पर पानी फिर सकता है। ममता ने राजनाथ सिंह से इसके लिए बात भी किया है।

केजरीवाल ने सीबीआई की गिरफ्तारी को दी चुनौती

नईदिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उत्पाद शुल्क नीति मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा उनकी गिरफ्तारी और उसके बाद रिमांड को चुनौती देने के लिए सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। केजरीवाल का यह कदम 26 जून को दिल्ली की एक अदालत द्वारा उनकी गिरफ्तारी की वैधता को बरकरार रखने और उन्हें तीन दिनों के लिए सीबीआई हिरासत में भेजने का आदेश देने के बाद आया है। यहां की एक अदालत ने शनिवार को कथित घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार के एक मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक को 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया, यह कहते हुए कि उनका नाम मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक के रूप में सामने आया है और जांच अभी भी जारी है प्रगति में, उसकी आगे हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता हो सकती है। केजरीवाल को तीन दिन की हिरासत में पूछताछ खत्म होने के बाद सीबीआई ने अदालत में पेश किया, जिसके बाद केंद्रीय एजेंसी ने यह

इंजीनियर राशिद को शपथ लेने की मिली अनुमति

नईदिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को जेल में बंद कश्मीरी नेता शेख अब्दुल रशीद, को 25 जुलाई को सांसद के रूप में शपथ लेने के लिए अपनी सहमति दे दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंदर जीत सिंह मंगलवार को याचिका पर आदेश पारित करेंगे। जम्मू-कश्मीर के बारामूला निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव जीतने वाले राशिद की अंतरिम जमानत याचिका। राशिद, जिन्हें 2017 के जम्मू-कश्मीर आतंकी फंडिंग मामले में गिरफ्तार किया गया है, ने शपथ लेने और अपने संसदीय कार्य करने के लिए अंतरिम जमानत या हिरासत पैरोल की मांग करते हुए अदालत का रुख किया था। यहां एक विशेष अदालत ने 22 जून को मामले को स्थगित कर दिया था और एनआईए को अपना जवाब दाखिल करने को कहा था। एनआईए के वकील ने कहा कि सहमति कुछ शर्तों के अधीन है, जिसमें मीडिया के साथ बातचीत न करना भी शामिल है।

लोकसभा में माइक बंद करने के विपक्ष के आरोपों पर भड़के ओम बिरला

नई दिल्ली। कांग्रेस अक्सर ही ये आरोप लगाती रही है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी जब सदन में बोलते हैं तो उनका माइक बंद कर दिया जाता है। अभी शुक्रवार को हुई लोकसभा की पिछली कार्यवाही के दौरान भी गौरव गोगोई और दीपेंद्र हुड्डा ने यह मुद्दा उठाया था। हालांकि, कांग्रेस के इन आरोपों पर अब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि पीठासीन अधिकारियों के पास सदन में मुद्दे उठाने वाले सदस्यों के माइक्रोफोन बंद करने के लिए कोई स्विच या रिमोट कंट्रोल नहीं है।

अध्यक्ष ने कहा कि सभापति द्वारा माइक्रोफोन बंद करने का आरोप चिंता का विषय है। वह चाहते हैं कि सदन इस मुद्दे पर चर्चा करे। पीठ केवल निर्णय/निर्देश देती है। जिस सदस्य का नाम पुकारा जाता है उसे सभा में बोलने का अवसर मिलता है। माइक को सभापीठ के निर्देशानुसार नियंत्रित किया जाता है। पीठासीन व्यक्ति के पास रिमोट कंट्रोल या माइक्रोफोन का स्विच नहीं है।

ओम बिरला ने विपक्षी सांसदों से कहा, 'बाहर आरोप लगाते हैं कि पीठासीन अधिकारी माइक बंद कर देते हैं। आपको कई साल हो गए और अनुभव है। आप पुराने सदन में थे और नए सदन में भी हैं। आपको पता होगा कि माइक का रिमोट आसन के पास नहीं होता है, चाहे किसी भी दल का सदस्य हो। इसलिए इस तरह का आरोप नहीं लगा सकते हैं।

कांग्रेस सांसद के. सुरेश का किया जिक्र

स्पीकर ओम बिरला ने इसके बाद कांग्रेस सांसद के. सुरेश का भी जिक्र करते हुए कहा कि अध्यक्षों के पैनल में सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों का प्रतिनिधित्व होता है, जो अध्यक्ष की अनुपस्थिति में कार्यवाही की अध्यक्षता करते हैं। इसलिए सुरेश जी भी यहां बैठते हैं। उनसे कोई पूछे कि वहां कोई कंट्रोल है क्या? यह आसन की गरिमा का मामला है। कम से कम जो लोग पीठासीन हैं, उन्हें ऐसी आपत्तियां नहीं उठानी चाहिए।

इसके बाद उन्होंने खुद उनसे पूछ लिया कि स्पीकर के आसन के पास कोई बटन होता है क्या? इस पर सुरेश ने मना किया तो फिर बिरला ने कहा, मेरे पास माइक्रोफोन बंद करने के लिए कोई बटन नहीं है। पहले भी इसी तरह का सेट-अप मौजूद था। देखो कोई बटन नहीं है। आसन से सिर्फ व्यवस्था दी जाती है। हम माइक बंद नहीं करते हैं।

दरअसल, इससे पहले कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया था कि लोकसभा में नीट पेपर लीक पर चर्चा की मांग को लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का माइक बंद किया गया था।

वर्क फ्रॉम होम तो सुना था, वर्क फ्रॉम जेल भी देख लिया : अनुराग

पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद का प्रस्ताव सदन में पेश किया। इस दौरान भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने गरीबों को और गरीब किया। जनता ने भी कांग्रेस को बार-बार नकारा है और तीसरी बार देश में स्थिर सरकार बनाई है। वहीं इस दौरान अनुराग ठाकुर ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हमने वर्क फ्रॉम होम तो सुना था, लेकिन अब वर्क फ्रॉम जेल देखने का अवसर विपक्षी गठबंधन ने दिया। विपक्ष पर निशाना साधते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि जब ये भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी का मुकाबला दो चुनावों में नहीं कर पाए तो एक ऐसा गठबंधन बनाया, जो जेल वाले और बेल वाले ने मिलकर बनाया, कुछ जेल में थे, कुछ बेल पर थे। कुछ यहां पर भी बेल वाले हैं। इन्होंने अपने

सहयोगी चुने, शराब घोटाले वाले, जमीन घोटाले वाले चुने और तो और वो सब चुने जो जेल और बेल पर थे। इस दौरान अनुराग ठाकुर ने कहा कि इनकी पार्टी तो ऐसी है, जिसका नेता जो अपने आप को दुनिया का सबसे ईमानदार नेता बताता है और वो इतना ईमानदार निकला कि देखो आज जेल में हैं। हमने तो वर्क फ्रॉम होम तो सुना था, वर्क फ्रॉम जेल देखने का अवसर इन लोगों ने दिया कि जेल सरकार कैसे चलती है।

इस दौरान इंडिया पर निशाना साधते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने इस चुनाव में भय और भ्रम की राजनीति की। आपने प्रधानमंत्री को अपशब्द कहने वालों को भी टिकट देकर सांसद बनाने का काम किया। मैं पूछता हूं कि किसको टिकट दिया, टुकड़ों-टुकड़ों गैंग वालों को? आपकी सरकारों में अंग्रेजों की मानसिकता दिखती थी। पहले दंड देने वाले कानून थे, अब हमने न्याय देने वाला कानून दिया। अब नाबालिग से रेप करने वाले को फांसी की सजा होगी। विद्रोह करने वाले को जेल होगी। वहीं राजद्रोह की जगह अब देशद्रोह कानून होगा और देश के खिलाफ बोलना गुनाह होगा।

अनुराग ठाकुर ने एनडीए सरकार की पिछले 10 सालों की कई आर्थिक उपलब्धियों को गिनाया और राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता बनने से पहले तक वे बिना जिम्मेदारी के सत्ता का आनंद ले रहे थे। दरअसल राहुल गांधी के विपक्ष के नेता बनने पर बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता के पास अब जिम्मेदारी के साथ सत्ता है और बिना किसी जिम्मेदारी के जमींदारी नहीं चलेगी। वो कई सालों से बिना जिम्मेदारी के सत्ता का आनंद ले रहे थे और उन्होंने जोर देकर कहा कि अब कांग्रेस नेता के लिए यह अग्निपरीक्षा है। इस दौरान अनुराग ठाकुर ने तंज किया कि, क्या वे पूरे दिन लोकसभा में बैठेंगे? वो अब भी यहां नहीं हैं।

अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी पर जब यह टिप्पणी की, तब राहुल गांधी सदन में नहीं थे और विपक्षी सदस्यों ने इसका विरोध किया। अनुराग ठाकुर ने इस दौरान कहा कि क्या कांग्रेस का राहुलयान फिर से फेल हो गया है? कांग्रेस चार जून से दिखाने में लगी है 99 का आंकड़ा 240 से बड़ा होता है। अब तो एक और कम होकर 98 रह गई है।

डीएमके नेताओं पर भी किया पलटवार

वहीं धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान अनुराग ठाकुर ने कहा कि विकास भी और विरासत भी हमारी सरकार की पहचान है। जबकि विपक्षी डीएमके सांसद दयानिधि मारन के रोक-टोक पर अनुराग ठाकुर ने उनकी पार्टी और पार्टी नेताओं पर पलटवार किया और कहा कि क्योंकि मैंने विकास भी और विरासत भी बात की तो दयानिधि मारन का चिल्लाना सही था। क्योंकि इनके नेता वहां बैठ-बैठ कर कहते हैं कि सनातन धर्म बीमारी की तरह है, इसको जड़ से मिटाना है। इनके नेताओं को शर्म आनी चाहिए और देश से माफी मांगनी चाहिए। मुगल आए आकर चले गए, अंग्रेज आए आकर चले गए, लेकिन सनातन था, सनातन है और सनातन रहेगा।

लोकसभा में राहुल ने की नीट मुद्दे पर चर्चा की मांग

विपक्षी सदस्यों ने सोमवार को लोकसभा में नीट पेपर लीक मुद्दे पर अलग से एक दिवसीय चर्चा की मांग की और इस मुद्दे पर सरकार से स्पष्ट आश्वासन मांगने के बाद सदन से बहिर्गमन किया। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के तुरंत बाद नीट में अनियमितताओं का मुद्दा उठाया, जिसके बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सदन समाप्त होने तक अलग से चर्चा नहीं की जा सकती।

राहुल गांधी ने कहा कि हम नीट पर एक दिन की चर्चा चाहते थे। यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। दो करोड़ से ज्यादा छात्र प्रभावित हुए हैं। 70 मौकों पर पेपर लीक हुए हैं। यदि आप इस मुद्दे पर अलग से चर्चा की अनुमति देंगे तो हमें खुशी होगी। उन्होंने कहा कि संसद से, देश के नाम एक संदेश प्रसारित होता है। हम छात्रों को संदेश देना चाहते हैं कि नीट का मुद्दा संसद के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए, यह संदेश देने के लिए हम चाहते हैं कि संसद इस पर चर्चा करे। इसके बाद लोकसभा के उपनेता सिंह ने

कहा कि सदन के कुछ नियम और प्रक्रियाएं हैं और स्वस्थ परंपरा भी है, जो इस सदन की ताकत है। उन्होंने कहा कि एक सांसद के रूप में मेरे दशकों लंबे कार्यकाल में, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान कभी भी कोई अन्य मुद्दा नहीं उठाया गया। धन्यवाद प्रस्ताव पारित होने के बाद अन्य मुद्दे उठाए जा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि संसद की कार्यवाही कुछ नियमों और परंपराओं के आधार पर चलती है। मेरा विपक्ष से अनुरोध है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के बाद ही कोई चर्चा होनी चाहिए।

हम आम आदमी की बात करते हैं, पीएम मोदी केवल 'मन की बात' करते हैं : मल्लिकार्जुन खड़गे

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को टिप्पणी की कि संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के संबोधन में न तो कोई दिशा थी और न ही कोई दृष्टि और वह सिर्फ सरकार की सराहना के शब्दों से भरा था। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर राज्यसभा में बोलते हुए खड़गे ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के भाषण में दलित, अल्पसंख्यक वर्ग और पिछड़े वर्ग के लिए कुछ नहीं था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति संसद का सबसे महत्वपूर्ण अंग हैं, हम राष्ट्रपति का सम्मान करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इस साल राष्ट्रपति का पहला संबोधन जनवरी में और दूसरा जून में था। पहला संबोधन चुनाव के लिए था और दूसरा उसकी कॉपी थी। उन्होंने कहा कि उनके संबोधन में दलित, अल्पसंख्यक वर्ग और पिछड़े वर्ग के लिए कुछ नहीं था। राष्ट्रपति के अभिभाषण में न तो कोई दृष्टि थी और न ही कोई दिशा। पिछली बार की तरह, यह सरकार के लिए प्रशंसा के शब्दों से भरा था। खरगे ने राज्यसभा के सभापति से अपील की कि संसद भवन परिसर में महात्मा गांधी, बाबा साहेब आंबेडकर और अन्य नेताओं की प्रतिमाएं उनके मूल स्थानों पर पुनर्स्थापित कर दी जाएं। खरगे ने राज्यसभा में कहा कि पिछले एक साल से मणिपुर जल रहा है लेकिन नारे देने में महारत रखने वाले प्रधानमंत्री मणिपुर नहीं गए। विपक्षी दल आम आदमी की बात करते हैं जबकि प्रधानमंत्री मोदी केवल 'मन की बात' करते हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

जॉर्जिया को 4-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में स्पेन

नईदिल्ली। जॉर्जिया को 4-1 से हराकर स्पेन

क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया। स्पेन का सामना शुक्रवार को स्टटगार्ट में क्वार्टर फाइनल में मेजबान जर्मनी से होगा। रॉड्री, फैबियन रुइज़, निको विलियम्स और दानी ओल्मो सभी ने गोल किए। शुरुआती आत्मघाती गोल से उबरते हुए स्पेन ने जॉर्जिया को 4-1 से हराकर यूरो 2024 फुटबॉल चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। स्पेन के रॉबिन ले नोरमांड ने 18वें मिनट में आत्मघाती गोल करके जॉर्जिया को बढ़त दे दी थी। इसके बाद रौड्री और फेबियन रूई ने गोल करके स्पेन को मैच में लौटाया। निको विलियम्स और डानी ओल्मो ने बाकी दो गोल किए।

इस हार के साथ ही जॉर्जिया के स्वर्णिम अभियान पर रोक लग गई, जिसने क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल टीम को 2-0 से हराया था। जूड बेलिंगम के बेहतरीन गोल से इंग्लैंड ने स्लोवाकिया को 2-1 से हराकर यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। एक समय पर लग रहा था कि इंग्लैड यूरो चैम्पियनशिप के सबसे बड़े उलटफेर का शिकार हो जायेगा। जब स्लोवाकिया स्टॉपेज टाइम तक इवान शरांज के गोल के दम पर 1 . 0 से आगे चल रहा था। बेलिंगम ने हालांकि अतिरिक्त समय में बराबरी का गोल दागा और हैरी केन ने विजयी गोल करके 1966 के बाद पहला बड़ा खिताब जीतने की इंग्लैंड की उम्मीदों को कायम रखा। स्पेन अब यूरो 2008 फाइनल की पुनरावृत्ति में शुक्रवार को स्टटगार्ट में अंतिम आठ में जर्मनी से भिड़ेगा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

मिड, स्मॉलकैप इंडेक्स ऊंचाई पर, सेंसेक्स 443 अंक चढ़ा

नईदिल्ली। धीमी गति से शुरुआत करने के बाद, सोमवार को सूचना प्रौद्योगिकी, मेटल और फाइनेंशियल शेयरों में तेजी के दम पर बेंचमार्क सूचकांकों में एक बार फिर से तेजी लौट आई। इस बीच वैश्विक बाजारों में मजबूती रुझान देखे गए। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 443.46 अंक यानी 0.56 फीसदी की बढ़त के साथ 79,476.19 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 78,971.79 और 79,561.00 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 131.35 अंक यानी 0.55 फीसदी की बढ़त देखी गई। निफ्टी दिन के अंत में 24,141.95 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 23,992.70 और 24,164.00 के रेंज में कारोबार हुआ। दूसरी ओर, व्यापक सूचकांकों ने लार्ज-कैप प्रतिस्पर्धियों की तुलना में अपना बेहतर प्रदर्शन बनाए रखा और इंट्रा-डे ट्रेड में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए।

मजबूत मांग से जून में बढ़ी भारत की मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ

नईदिल्ली। मई महीने की गिरावट से उबरने के बाद जून में एक बार फिर भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में बढ़ोतरी देखने को मिली। आज यानी 1 जुलाई को एचएसबीसी द्वारा जारी पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) आंकड़ा मई के 57.5 से बढ़कर जून में 58.3 हो गया। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में यह सुधार उत्साहजनक मांग के कारण हुआ, जिससे नए ऑर्डर, प्रोडक्शन और खरीद में इजाफा हुआ। इसके अलावा, 19 से ज्यादा सालों के डेटा कलेक्शन में कंपनियों में सबसे तेज दर से रोजगार में इजाफा दखने को मिला। इस बीच, लागत दबाव मई से कम हो गया था, लेकिन फिर भी पिछले दो वर्षों में सबसे अधिक था, जिसके कारण कंपनियों ने मई 2022 के बाद से बिक्री कीमतों को उच्च स्तर तक बढ़ाया। एचएसबीसी के सर्वेक्षण में कहा गया, 'भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में वृद्धि ने मई में खोई हुई स्थिति वापस पा ली है।

रिकॉर्ड हाई के बाद थोड़ा लो हुआ यूपीआई ट्रांजैक्शन

नईदिल्ली। मई में 1,404 करोड़ ट्रांजैक्शन्स के रिकॉर्ड हाई लेवल को छूने के बाद, जून में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन में मामूली गिरावट देखी गई। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जून 2024 में यूपीआई वॉल्यूम 1,389 करोड़ हो गया। इस दौरान 20.07 लाख करोड़ रुपये के ट्रांजैक्शन देखने को मिले। यह मई की तुलना में वॉल्यूम में 1 फीसदी और वैल्यू में 2 फीसदी की गिरावट थी। हालांकि, जून 2023 के मुकाबले, यूपीआई वॉल्यूम में 49 फीसदी और वैल्यू में 36 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। अप्रैल 2016 में यूपीआई के शुरू होने के बाद मई 2024 में वॉल्यूम और वैल्यू दोनों के मामले में ट्रांजैक्शन सबसे ज्यादा हुए थे। इमीडिएट पेमेंट सर्विस ट्रांजैक्शन वॉल्यूम जून में 51.7 करोड़ पर था, जो मई के 55.8 करोड़ के मुकाबले 7 फीसदी कम था।

जुलाई में 12 दिन बंद रहेंगे बैंक

नईदिल्ली। जुलाई महीना शुरू हो चुका है। इस कैलेंडर वर्ष की आधी छमाही खत्म हो चुकी है और अगली आधी की शुरुआत हो गई है। एक तरफ जहां मानसून का मौसम आ गया है तो वहीं शादियों का सीजन भी शुरू होने जा रहा है। जरूरी है कि आप किसी न किसी कारण से बैंक जाने का प्लान बना रहे होंगे। वैसे तो भारत में डिजिटल लेनदेन की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। जून महीने में यूपीआई से सिर्फ 1,389 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए, जिसकी कीमत 20.07 लाख करोड़ रुपये आंकी गई। मगर सारा काम तो यूपीआई से हो नहीं सकता। आपका जरूर कोई न कोई प्लान होगा बैंक जाने का। बड़े ट्रांजैक्शंस का जोखिम भी बैंक में नहीं रहता और सबसे सुरक्षित होता है। लेकिन, कभी-कभी ऐसा होता है कि आप कोई जरूरी प्लान बना कर रखे हैं कि इस दिन बैंक जाकर काम करना है और बैंक गए तो वह बंद है।

तेल संकट से बादशाहत तक अमेरिका की भूमिका, पेट्रोडॉलर युग का अवसान!

अंशुमान तिवारी

अमेरिकी लोग जॉर्ज पी. मिशेल को पर्यावरण हितैषी के तौर पर याद करते हैं। पर्यावरण के बैरी तेल उद्यमियों को ऐसी प्रतिष्ठा नहीं मिलती। मिशेल की इस पहचान की वजह है यह वुडलैंड्स शहर, जिसमें रहना हर अमेरिकी का सपना है। यह शहर बसाकर मिशेल एक वाइल्डकैटर से ग्रीन सिटी बिल्डर हो गए।

सऊदी अरब तेल बेचने के लिए अमेरिकी डॉलर के साथ येन, युआन और यूरो को भी स्वीकार करेगा। यकीनन यह पेट्रोडॉलर युग के अवसान का एलान है। 1970 के दशक में अरब-इस्त्राइल युद्ध के दौरान अरब देशों ने अमेरिका में तेल की आपूर्ति बंद कर दी थी। इसके बाद सऊदी अरब व अमेरिका के रिश्ते सुधरे और सामने आया पेट्रोडॉलर समझौता, जिसके तहत पूरी

दुनिया सऊदी अरब के तेल के बदले उसे अमेरिकी डॉलर देती थी। इटली में जी-7 की जुटान के बीच हुए इस फैसले से अमेरिका को बड़ा फर्क नहीं पड़ा, क्योंकि वे दिन गए, जब सऊदी शेख तेल की कीमतें तय करते थे और अमेरिकी बाजारों में सिहरन दौड़ जाती थी। अमेरिकी विदेश विभाग के नुमाइंदे परिंदों की तरह अरब में मंडराते थे, ताकि शेखों का पारा ठंडा रहे। बीते पचास वर्षों में तेल का भूगोल ही बदल गया और बदल गई तेल कूटनीति की धुरी भी। सऊदी को तेल बेचने के लिए चीन का बाजार चाहिए, क्योंकि अमेरिका तेल उत्पादन में आत्मनिर्भर ही नहीं, निर्यातक भी हो गया है।

वह कौन था, जिसने 1970 के दशक में अरब के तेल के मोहताज अमेरिका को दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक और चौथा सबसे बड़ा निर्यातक बना दिया? किसी एक पीढ़ी में इससे बड़ी ऊर्जा क्रांति हाल की सदियों में नहीं देखी गई। यह किसी राजनेता, डिप्लोमेट या अर्थशास्त्री का करिश्मा नहीं था। एक जुनूनी वाइल्डकैटर यानी गैर पारंपरिक तरीकों से तेल खोजने वाले उद्यमी ने अमेरिकी तेल उद्योग की सूरत बदल दी। आइए, संभालिए अपनी सीट टाइम मशीन में...

हम ह्यूस्टन टेक्सास के उत्तर में पाइन के जंगलों के ऊपर से उड़ते हुए वुडलैंड्स पहुंच रहे हैं। यह शहर नगर योजना, प्राकृतिक साहचर्य और आर्थिक सफलता की अनोखी दास्तान है। अमेरिकी यहां बसने को बेताब रहते हैं। अमेरिका को तेल की मोहताजी से बादशाहत तक लाने वाले जुनूनी वाइल्डकैटर ने ही यह अनोखा शहर बसाया था।

अब हम 1980 के दशक के अमेरिका में हैं। नीचे दिख रहा इलाका टेक्सास का है, जो अमेरिकी तेल उद्योग के रॉकफेलर वाले युग का गढ़ है। अगर यहां के माहौल में चिंता या उदासी महसूस कर रहे हैं, तो आपको अमेरिकी तेल संकट की खबर लग गई होगी। रॉकफेलर दौर के तेल कुएं अब सूख रहे हैं। अमेरिका की ऊर्जा सुरक्षा पश्चिमी एशियाई देशों के पास गिरवी है। तेल आयात बंद, तो अमेरिका बंद। 1970 में ओपेक देशों के ऑयल इंबार्गो ने अमेरिका को महंगाई और मंदी में धकेल दिया है। अमेरिका को अब नई ऊर्जा क्रांति चाहिए, नहीं तो देश की तरक्की का पहिया धंस जाएगा। अमेरिकी वैज्ञानिक सरकार को बता चुके हैं कि सेडीमेंट्री यानी परतदार चट्टानों में तेल का खजाना छिपा है। शैल एक परतदार चट्टान है, जो भूमि में एक मील की गहराई में मिलती है। इसकी परतों के अंदर तेल और गैस होता है, पर इसे निकालना पेचीदा है। आमतौर पर तेल के कुएं सीधे यानी वर्टिकल होते हैं, जबकि शैल की परतें क्षैतिज या हॉरिजॉन्टल होती हैं। टेक्सास का बर्नेट बेसिन 1980 में खोज लिया गया था। वैज्ञानिकों ने प्रमाणित किया कि इसमें काफी तेल और गैस है। स्टैंडर्ड ऑयल शैल परतों से तेल-गैस निकालने की कोशिश कर चुकी थी, पर कामयाबी नहीं मिली।

अब हम 1990 के दशक में हैं। हमारी टाइम मशीन टेक्सास के शैल इलाके में उड़ान भर रही है। नीचे देखिए, वह रही मिशेल एनर्जी ऐंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की ऑयल फील्ड। यह कंपनी है जॉर्ज पी. मिशेल की।

क्रमशः ...

पढ़ाई की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें : साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि शिक्षा उन्नति का मूल मंत्र है। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाए। यह सुनिश्चित करें कि स्कूलों में अनुशासन बना रहे। विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी मैदानी स्तर पर जाकर स्कूलों में अध्ययन-अध्यापन की गुणवत्ता की मॉनिटरिंग करें। कलेक्टर भी हर माह दो से तीन स्कूलों का दौरा कर वहां निरीक्षण करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन और पारदर्शी प्रशासन हमारा लक्ष्य है। राज्य सरकार का यह प्रयास होगा कि बच्चों को स्कूल का बेहतर भवन मिले और वहां पढ़ाई-लिखाई की अच्छी व्यवस्था सुनिश्चित हो। मुख्यमंत्री ने स्कूलों के जीर्णोद्धार कार्य की धीमी गति पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि जर्जर स्कूलों के जीर्णोद्धार के काम में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर स्कूल भवनों की सुदृढ़ता की स्वंय मानिटरिंग करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जर्जर स्कूलों के जीर्णोद्धार के लिए प्रारंभ की गई स्कूल जतन योजना के तहत जीर्णोद्धार कार्यों की जांच की जाए तथा स्कूल जतन योजना में आबंटित राशि का उपयोग कर कार्यों को पूरा किया जाए। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने शिक्षकों और शालाओं के युक्ति-युक्तकरण के लिए प्रस्ताव अगले कैबिनेट की बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे शालाओं में शिक्षकों की कमी दूर करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शिक्षकों को रोटेशन के आधार पर प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षण नीति तैयार की जाए, ताकि सभी शिक्षकों को प्रशिक्षण प्राप्त हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूलों से बच्चों के पालकों को भी जोड़ा जाए। छत्तीसगढ़ के शासकीय स्कूलों में इस वर्ष पहली बार 6 अगस्त को प्रदेशव्यापी मेगा-पीटीएम आयोजित किया जा रहा है। बैठक में जानकारी दी गई कि छत्तीसगढ़ में छात्र-शिक्षक अनुपात राष्ट्रीय स्तर से बेहतर है। राष्ट्रीय स्तर पर 26 बच्चों पर एक शिक्षक है, जबकि छत्तीसगढ़ में छात्र-शिक्षक अनुपात 21.84 है। बालवाड़ी के संबंध में जानकारी दी गई कि 5 से 6 आयु वर्ग के बच्चों के लिए प्रदेश में 9,438 बालवाड़ियां संचालित है। इस वर्ष 1132 बालवाड़ी प्रारंभ की जानी है। पीएम श्री योजना की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि प्रथम चरण में प्रदेश में यह योजना 211 स्कूलों में प्रारंभ की गई है। इस योजना के तहत प्रत्येक विकासखण्ड तथा नगरीय निकायों से एक-एक स्कूल का चयन कर उसे मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस योजना में 198 स्कूलों में इस योजना को प्रारंभ करने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। स्कूलों में बेहतर अधोसंरचना के साथ किचन-गार्डन, एआई रोबोटिक्स, आईसीटी लैब की सुविधा के साथ ग्रीन स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि इस बार अधिकांश स्कूलों में समर कैम्प का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों और शिक्षकों ने उत्साह से भाग लिया।

विद्या समीक्षा केन्द्र के संबंध में बैठक में बताया गया कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित हितग्राहीमूलक योजनाओं की मॉनिटरिंग हेतु विद्या समीक्षा केन्द्र बनाया गया है। चरणबद्ध रूप से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति की ऑनलाईन मॉनिटरिंग, विद्यार्थियों के मूल्यांकन, मध्यान्ह भोजन योजना, शिक्षकों की पदोन्नति-स्थानांतरण, अवकाश आदि की मॉनिटरिंग की जाएगी। डाटा विश्लेषण हेतु सॉफ्टवेयर तैयार करने के लिए आईआईटी भिलाई के साथ एमओयू किया गया है।

आरटीई के तहत ड्राप आउट रोकने मेंटॉर होंगे नियुक्त

छत्तीसगढ़ में आरटीई के तहत गैर अनुदान प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के ड्राप आउट पर अंकुश लगाने के लिए जिलेवार अधिकारियों को मेंटॉर के रूप में नियुक्त किया जाएगा। इस संबंध में स्कूल शिक्षा सचिव ने सभी कलेक्टरों को पत्र लिखा है। मेंटॉर के रूप में नियुक्त अधिकारी आरटीई के तहत चयनित विद्यार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित करेंगे। बच्चों को यदि कोई समस्या आती है तो उनके पालकों, शाला प्रबंधन और प्रशासन से मिलकर उसका समाधान करेंगे और पढ़ाई जारी रखने के लिए बच्चों और उनके पालकों को प्रोत्साहित करेंगे।

बच्चों की स्किलिंग उद्योगों की जरूरत के मुताबिक हो

मुख्यमंत्री ने स्कूलों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम को बेहतर गुणवत्ता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के उद्योगों की जरूरत के मुताबिक बच्चों की स्किलिंग इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हो, ताकि बारहवीं पास करने के बाद उन्हें वर्तमान और नए लगने वाले उद्योगों में आसानी से रोजगार के अवसर मिल सके। बच्चों को इसकी फिल्ड ट्रेनिंग भी दी जाए।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत कक्षा 6 से व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

स्कूल में बच्चे और शिक्षक 'एक पेड़ अपनी मां के नाम' लगाएंगे

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मन की बात में देशवासियों से 'एक पेड़ मां के नाम' लगाने के आह्वान पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्कूली बच्चों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाने की अपील की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा है कि एक पेड़ मां के नाम के आह्वान से बच्चों का पर्यावरण से जुड़ाव बढ़ेगा। इसमें पालकों और शिक्षकों को शामिल करने से निश्चित ही बड़े पैमाने पर पौध रोपण हो सकेगा। चूंकि सभी मां के नाम पर पेड़ लगाएंगे अतएव इसकी रख-रखाव भी बड़ी जिम्मेदारी से हो सकेगी।

मेरी बात

✍ गिरीश पंकज

देश भर में गूँजा नारा... भारत माता की जय !

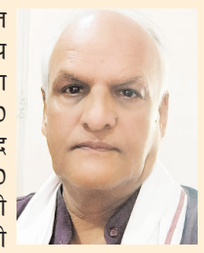

29 जून की रात पूरे देश में भारत माता की जय... वंदे मातरम और जय हिंद के नारे गूँज रहे थे । दक्षिण अफ्रीका के बारबाडोस में ङ्म-20 क्रिकेट मैच में भारत सत्रह साल बाद विश्व चैंपियन जो बना था। यह 140 करोड़ भारतवासियों के लिए गर्व की बात थी।(कुछ देशविरोधियों की छाती पर सांप भी लोटे होंगे, यह अलग बात है) लेकिन कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक, दिल्ली से लेकर रायपुर तक और जयपुर से लेकर राउरकेला तक भारत माता की जय के नारे गूँजते रहे । पटाखे फूटते रहे। ऐसा लगा कि अचानक दिवाली आ गई है। यह देखकर हृदय गदगद था। देश में राष्ट्रप्रेम इसी तरह बरकरार रहे। मैच शुरू होने के पहले राष्ट्रगान के सम्मान में खड़े होकर उसे सुनना और दोहराना तो भावुकता से भर ही रहा था । और उसके बाद पूरे मैच को देखना भी कम रोमांचक नहीं था। हालांकि खेल के अंत में डर भी लगा कि पता नहीं भारत जीत पाएगा या नहीं। लेकिन हमारे गेंदबाजों ने देश की भावनाओं को समझा और दमदार बोलिंग की। इसके कारण दक्षिण अफ्रीका के रन बनने की गति एकदम धीमी हो गई । विराट कोहली के 76 रन और सूर्यकुमार का वह रोमांचक कैच हम भूल नहीं सकते । हमारे बॉलर जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप की बॉलिंग ने टीम इंडिया को जीत के मुहाने तक पहुंचाया। देशवासी निराश हो रहे थे और लग रहा था कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी मैदान मार लेंगे। लेकिन ऐसा हुआ नहीं ।और हम हारते-हारते सात रन से जीत ही गए । और उसके बाद तो कमाल हो गया। होना ही था। अभी तो सोशल मीडिया का दौर है। चीजें तुरंत वायरल हो जाती हैं ।लेकिन मैं याद करता हूँ, सन 1983 को, जब इंटरनेट नहीं था, तब भी जब भारत विश्व चैंपियन बना था, तो रायपुर के हजारों लोग जयस्तंभ चौक पर जमा हो गए थे और वहां भारत माता की जय के नारे लग रहे थे । 29 जून 2024 को भी लगभग यही नजारा दिखा। अंतर केवल इस बात का था कि इस बार हर कोई अपने मोबाइल से इस सुंदर नजारे को कैमरे में कैद कर रहा था । टीवी के विभिन्न चैनल देश भर के उत्साह को अपने-अपने चैनलों के माध्यम से सीधे यानी लाइव दिखा रहे थे । देश के कोने-कोने में भारत माता की जय के नारे गूँज रहे थे । मेरे मन मे एक नारा कौंधा,

बच्चा-बच्चा डोल रहा है
भारत की जय बोल रहा है

तिरंगा लहराते हुए लोग सड़कों पर उतर आए। और वंदे मातरम या भारत माता की जय के नारे लगा रहे थे। यह दृश्य देख कर उन लोगों के लिए यकायक सोचने लगा कि बेचारे उन दिलों में क्या बीत रही होगी, जो भारत माता की जय बोलने से परहेज करते हैं । इस देश में रहते हैं, इस देश का अन्न-जल ग्रहण करते हैं और भारत माता की जय बोलने में उनकी आत्मा कलपती है ।कुछ तथाकथित प्रगतिशील से उग्र राष्ट्रवाद भी कह रहे होंगे । पूरे देश में भारत माता की जय की गूँज सुन-सुनकर बेचारे कितने विचलित हुए होंगे। उम्मीद है, वे भी जल्द ही भारत माता की जय बोलेंगे । रह-रह कर मुझे राष्ट्रकवि गयाप्रसाद शुक्ल सनेही की यह कविता याद आ रही है कि

जो भरा नहीं है भावों से
बहती जिसमें रसधार नहीं।
वह हृदय नहीं है पत्थर है,
जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।

शिक्षा हमारे जीवन की सबसे बड़ी धरोहर हैः देवांगन

रायपुर। वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन आज कोरबा जिले के पाली विकासखंड के ग्राम नोनबिर्रा में शाला प्रवेश उत्सव समारोह में शामिल हुए। उन्होंने उपस्थित बच्चों को देश का बेहतर नागरिक बनने और

प्रतिदिन स्कूल आकर पढ़ाई करने का आव्हान किया। देवांगन ने कहा कि शासन की मंशा है कि सभी विद्यार्थी शिक्षा अर्जन कर बेहतर नागरिक बनें। शिक्षा हमारे जीवन की सबसे बड़ी धरोहर है, जिसका बंटवारा नहीं किया जा सकता। शिक्षा से ही देश की प्रगति होती है। घर का एक व्यक्ति शिक्षित होने पर परिवार जागरूक और शिक्षित होता है। मुख्य अतिथि देवांगन ने उपस्थित ग्रामीणों से अपने बच्चों को स्कूल भेजने तथा बच्चों की पढ़ाई लिखाई में स्वयं रूचि लेते हुए बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए अधिक से अधिक प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शासन की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी बाजपेयी ने सर्व शिक्षा अभियान प्रारंभ कर दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ा। हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा के विकास को बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने कहा कि माता-पिता को अपने बच्चों को पढ़ाई-लिखाई के लिए प्रेरित करना चाहिए एवं शिक्षा में किसी प्रकार की बाधा नहीं आने देना चाहिए। उन्होंने बालक एवं बालिकाओं को शाला में लाने एवं शाला में निरंतर बनाये रखने में सहयोग प्रदान करने की अपील ग्रामीणों से की। मंत्री देवांगन ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही व्यक्ति अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक होता है तथा बेहतर नागरिक बन पाता है।

देश की न्याय प्रणाली के लिए आज ऐतिहासिक दिनः साव

आज लागू हुए तीन नए कानूनों के संबंध में जागरुकता कार्यक्रम में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा विधि एवं विधाई कार्य मंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि आज देश की न्याय प्रणाली के लिए ऐतिहासिक दिन है। पुराने कानून को समाप्त करके नया कानून लागू किया गया है। जब कोई कानून बनाया जाता है, तो उसमें कानून बनाने वाले की सोच क्या है, उद्देश्य क्या है, ये बड़ा महत्व रखता है। कोई पीड़ित दंड नहीं, न्याय चाहता है। आज से प्रभावी हो रहे तीनों नए कानूनों को समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया गया है। इनके जरिए नागरिकों को पूरी पारदर्शिता के साथ समय पर न्याय मिल सकेगा।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज मुंगेली जिला मुख्यालय के थाना सिटी कोतवाली में नए कानूनों के लागू होने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में ये बातें कहीं। उन्होंने भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के नए स्वरूप में आज अस्तित्व में आने पर लोगों को बधाई दी। उन्होंने इन कानूनों को बनाने की पृष्ठभूमि के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यक्रम में मुंगेली के विधायक पुन्नूलाल मोहले ने कहा कि नए कानून के अनुसार अब लोग घर बैठे ऑनलाइन रिपोर्ट दर्ज करा सकते हैं। इसमें कई नए प्रावधान शामिल किए गए हैं जिससे लोगों को अब त्वरित न्याय मिल सकेगा।

उन्होंने इन नए कानूनों के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद ज्ञापित किया। मोहले ने पुलिस विभाग को समाज को न्याय दिलाने में ज्यादा से ज्यादा कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। मुंगेली के कलेक्टर श्री राहुल देव और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री गिरिजाशंकर जायसवाल ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को नए कानूनों की उपयोगिता और उनके महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वनमंडलाधिकारी संजय यादव, मुंगेली नगर पालिका के अध्यक्ष हेमेन्द्र गोस्वामी, उपाध्यक्ष मोहन मल्लाह, मुंगेली जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष पवन पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल और अधिवक्ता संघ मुंगेली के अध्यक्ष श्री टीकम चंद्राकर सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि भी कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मौजूद थे।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

कांग्रेस हार की समीक्षा कर रही है या समीक्षा का नाटक

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के विधायक पुरंदर मिश्रा ने कांग्रेस की समीक्षा बैठक को लेकर कटाक्ष करते हुए यह सवाल दागा है कि क्या कांग्रेस नेता केवल समीक्षा के नाम पर खानापूर्ति ही करते रहेंगे? विधानसभा के बाद हाल ही लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली करारी शिकस्त के लिए आखिर कब तक जिम्मेदारी तय की जाएगी? श्री मिश्रा ने कहा कि समीक्षा बैठक में भी कांग्रेस की आपसी जूतम-पैजार के नजारे देखकर यह प्रतीत हो रहा है कि कांग्रेस के लोग अपनी हार से सबक लेने के लिए अब भी तैयार नहीं है और कांग्रेस को रसातल का रास्ता दिखाने पर आमादा हैं। भाजपा विधायक श्री मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस में हार का हार पहनने के लिए जब कोई तैयार नहीं है और कांग्रेस नेतृत्व भी इस मसले पर गोलमोल बातें करके जिम्मेदारी तय करने से बच रहा है, तब इस तरह की समीक्षा बैठकें सिर्फ जुबानी जमाखर्च ही साबित होंगी। कांग्रेस की हालत तो यह है कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के परिप्रेक्ष्य में बजाय शर्मनाक पराजय के कारणों की समीक्षा करने के कांग्रेस के लोग आपसी जूतमपैजार में लग गए हैं और अपनी चमड़ी बचाने के लिए एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ रहे हैं। मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस का संगठनात्मक ढाँचा इस बुरी तरह चरमरा गया है.

मुख्य न्यायाधिपति सिन्हा ने एसबीआई शाखा का किया अवलोकन

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के मुख्य न्यायाधिपति श्री रमेश सिन्हा द्वारा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की उच्च न्यायालय भवन में स्थित शाखा का अवलोकन किया गया। उल्लेखनीय है कि 01 जुलाई 1955 स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की स्थापना हुई थी जिसके उपलक्ष्य में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ओर से डिप्टी जनरल मैनेजर आलोक रंजन द्वारा पुष्प गुच्छ से मुख्य न्यायाधिपति सिन्हा का स्वागत किया गया। हाल ही में उच्च न्यायालय स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में नवीन साज-सज्जा की गई है तथा शाखा में एक व्ही.आई.पी. लाउंज भी बनाया गया है। बैंक के अधिकारीगणों द्वारा मुख्य न्यायाधिपति को बैंक परिसर तथा व्ही.आई.पी. लाउंज का भ्रमण कराया गया तथा ग्राहकों हेतु इस शाखा में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्रदान की। भ्रमण के दौरान रजिस्ट्रार जनरल बलराम प्रसाद वर्मा, एडिशनल रजिस्ट्रार (प्रशासन) अवध किशोर, संयुक्त रजिस्ट्रार कम पीपीएस एम.वी.एल.एन सुब्रहमन्यम, कोर्ट ऑफिसर एफ.के. बिसेन, प्रोटोकॉल अधिकारी आर.एस. नेगी, विजय प्रकाश पाठक, सहायक प्रोटोकॉल अधिकारी व अन्य उपस्थित रहे।

प्रदीप्त मिश्रा ने क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक का पदभार संभाला

रायपुर। प्रदीप्त कुमार मिश्रा ने 01 जुलाई, 2024 को एनटीपीसी नवा रायपुर के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (पश्चिमी क्षेत्र-।। और यूएसएससी) का पदभार संभाला। इससे पहले, मिश्रा एनटीपीसी केन्द्रीय कार्यालय में कार्यकारी निदेशक (ईंधन प्रबंधन) के रूप में पदस्थ थे। वीएसएसयूटी (यूसीई), बुर्ला से इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, मिश्रा 1986 में एक कार्यकारी प्रशिक्षु के रूप में एनटीपीसी में शामिल हुए। अपने श्रेय के लिए, मिश्रा ने पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। उनके पास विद्युत रखरखाव, तकनीकी सेवाओं, रखरखाव, प्रचालन और रखरखाव और ईंधन प्रबंधन के क्षेत्रों में समृद्ध और विविध अनुभव है। उन्होंने लगभग 38 वर्षों के करियर में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया और एनटीपीसी विंध्याचल, सिम्हाद्री, दादरी, एनसीआर मुख्यालय और केन्द्रीय कार्यालय में काम किया। उनके समृद्ध और विविध अनुभव के साथ, एनटीपीसी पश्चिमी क्षेत्र-।। मुख्यालय (नवा रायपुर) और यूएसएससी (नवा रायपुर, सीपत और सिम्हाद्रि) आने वाले दिनों में उनके मार्गदर्शन और कुशल नेतृत्व से बहुत लाभान्वित होंगे।

राजीव युवा मितान क्लब की शेष राशि जमा करने के निर्देश

रायपुर। राजीव युवा मितान क्लब खातों में जमा राशि शासन के खजाने में उसको तत्काल शासन के खजाने में हस्तांतरित करवाया जाएं साथ ही पूर्व में उपयोग किए गए राशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत करवाएं। सभी एसडीएम इस विषय पर ठोस कदम उठाएं और प्रतिवेदन प्रदान करें। यह बातें कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में कहीं। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि आगामी 5 जुलाई को जिले के प्रत्येक शासकीय परिसर, भवन, कार्यालयों में पौधरोपण का अभियान चलाया जाएगा। अस्पताल, स्कूल परिसर में जहां पर जगह हो वहां पर बड़े पौधे रोपित किया जाए ताकि उनकी ग्रोथ जल्दी हो। कलेक्टर ने कहा कि 01 जुलाई से नई भारतीय न्याय संहिता लागू हो चुकी है। ऐसे में सभी अधिकारी-कर्मचारी नई संहिता के बारे में जानकारी हासिल करें और जागरूक करें। डॉ. सिंह ने कहा कि सड़को पर ट्रांसफ़ॉर्मर या बिजली खम्बे में लगे पैनल बॉक्स के दरवाजे खुले हुए हैं उसको बंद करें और जिसके पैनल नहीं है उसके लिए चोरी की रिपोर्ट दर्ज करायें। इससे आमजनों को नुकसान पहुंच सकता है। अतः प्राथमिकता से इस कामों को विद्युत विभाग पूर्ण करें। सड़कों के किनारे पुराने वाहन दिखाई दे तो उसकी सूचना तत्काल नगर निगम को और ट्रैफिक पुलिस को दे।

ऑनलाइन ठगी करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह गिरफ्तार

बिलासपुर. ऑनलाइन ठगी करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है. बिलासपुर पुलिस ने हिमाचल प्रदेश के शिमला और सिलोन से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो आरोपी विदेश के रहने वाले हैं. एक आरोपी बांग्लादेश और दूसरा कैमरून का रहने वाला है. अंतरराष्ट्रीय गिरोह के सदस्य ऑनलाइन दुकानों, मॉल, पार्क जैसे जगहों की रेटिंग के नाम पर लोगों से लाखों की ठगी करते थे. बिलासपुर के रहने वाले व्यक्ति ने आरोपियों के झांसे में आकर करीब 27 लाख रुपए गंवा दिए. इसकी शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई शुरू की और बैंक स्टेटमेंट, एटीएम सीसीटीवी जैसे तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची. आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए पुलिस ने उनके पास से दो लैपटॉप, 4 मोबाइल फोन, 6 एटीएम कार्ड, दो पासपोर्ट और बहुत सारे बैंकों के पासबुक बारामद किए हैं. पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी गई है. प्रियांशु रंजन पिता विजय कुमार पाण्डेय उम्र 20 वर्ष निवासी एसबीआई भास्कर रॉव नगर साई जीएनआज रेसीडेंनसी प्लॉट न. 08, 09 सैनिकपुरी हैदराबाद हाल निवासी बाहरादुनौती वाक्माघाट शिमला (हिमाचल प्रदेश)।

राजवीर सिंह पिता भारत सिंह उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम व पोस्ट कलालकरन जिला (जम्मू काश्मीर) हाल निवासी बाहरा यूनिवर्सिटी वाक्नाघाट शिमला (हिमाचल प्रदेश)।

महतारी वंदन का पैसा लोकसभा के बाद नही मिलेगा बोलने वाले कांग्रेसी माफी मांगे

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती रंजना साहू ने मोदी की गारंटी के तहत किए गए वादे के मुताबिक महतारी वंदन योजना की पाँचवीं किश्त की राशि महिलाओं के खाते में अंतरित किए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली प्रदेश की भाजपा सरकार का आभार व्यक्त किया है। श्रीमती साहू ने कहा कि सत्ता में आते ही प्रदेश सरकार ने अपने वादों पर तेजी से अमल करके देशभर में एक मिसाल कायम की है और यह प्रमाणित किया है कि भाजपा जो कहती है, वह करके दिखाती है। विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के लोग कहते थे कि महतारी वंदन योजना लागू नहीं होगी, किसी को पैसा नहीं मिलेगा। फिर भाजपा चुनाव जीती तो कांग्रेस को लोग कहने लगे कि पैसा नहीं मिलेगा।

महतारी वंदन योजना की पहली एवं दूसरी किश्त देने के बाद भी कांग्रेस पार्टी कह रही थी कि अब अगली किश्त नहीं मिलेगी। उसके बाद भी मिल गई तो कहने लगे कि लोकसभा चुनाव के बाद नहीं मिलेगी। लोकसभा चुनाव के बाद भी किश्त मिल गई, लेकिन कांग्रेस के लोग फिर कहने लगे कि लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद यह राशि नहीं मिलेगी। वह राशि भी नतीजे आने के बाद प्रदेश की महिलाओं को मिल गई। श्रीमती साहू ने कहा कि महतारी वंदन योजना को लेकर कांग्रेस के नेताओं ने पाँच बार झूठ बोला, इसके लिए कांग्रेस के सारे नेताओं को छत्तीसगढ़ की

माताओं-बहनों से तुरंत माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी से लेकर छत्तीसगढ़ के कांग्रेस के नेता झूठ की राजनीति करते हैं, भ्रम की राजनीति करते हैं। अब यह स्पष्ट बयान पब्लिक डोमेन में मौजूद है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष व मीडिया प्रमुख ने कहा था कि महतारी वंदन योजना की राशि नहीं मिलेगी लेकिन मिल गई है तो अब उन सबको माफी मांगनी चाहिए। रंजना ने कहा कि सोमवार, 01 जुलाई को मुख्यमंत्री श्री साय ने महतारी वंदन योजना की पाँचवीं किश्त सीधे 70 लाख लाभार्थी विवाहित महिलाओं के खाते में अंतरित करके महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के संकल्प को पूर्ण किया है।

विधानसभा चुनाव के दौरान व्यक्त किए गए अपने इस संकल्प की पूर्ति करते हुए सत्ता में आने के तीन महीनों के भीतर ही प्रदेश की भाजपा सरकार ने इस योजना पर अमल शुरू कर दिया था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 मार्च को इस योजना की पहली किश्त जारी की थी जो बिना किसी बाधा के नियमित महिलाओं तक हर महीने पहुँच रही है और प्रदेश की महिलाएँ इस राशि से परिवार, बच्चों की शिक्षा, निवेश आदि में अर्थ-प्रबंधन को सुचारू दिशा प्रदान कर रही हैं। झ

एमआईसी की बैठक में शारदा चौक, फूलचौक होते हुए तात्यापारा चौक तक दोनो तरफ सड़क चौड़ीकरण को लेकर हुई चर्चा

रायपुर। आज नगर पालिक निगम रायपुर के महापौर श्री एजाज ढेबर की अध्यक्षता में नगर निगम की मेयर इन काउंसिल की बैठक नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गांधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में हुई। बैठक में नियमानुसार निर्धारित 10 एजेण्डों पर एजेण्डावार चर्चा कर आवश्यक निर्देश एमआईसी ने संबंधित अधिकारियों को दिये।

महापौर के निर्देश पर नगर निगम जोन 4 द्वारा शारदा चौक से फूल चौक होते हुए तात्यापारा चौक तक दोनो तरफ सडक चौड़ीकरण का कार्य प्रारंभ करने के संबंध में विषय को चर्चा हेतु रखा गया । जानकारी दी गई कि शारदा चौक से फूल चौक होते हुए तात्यापारा चौक तक दोनो ओर सडक चौड़ीकरण हेतु प्रस्तावित मार्ग की लंबाई कुल 500 मीटर है। जिसमें पुनर्विलोपित योजना 2031 (मास्टर प्लान) के अनुसार 24 मीटर चौड़ा किया जाना प्रस्तावित है। मुख्य मार्ग जीई रोड में शारदा चौक से तात्यापारा चौक तक ही सड़क संकीर्ण है। वर्तमान में मार्ग की चौडाई लगभग 14.30 मीटर से 19.50 मीटर तक है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.